@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

# कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

मंगलवार, 6 जनवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 63 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

## मुयमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात

**● कहा- 'उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में नवीन ऊर्जा का संचार'**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं ने कई मुद्दों पर चर्चा भी की। इस मुलाकात की तस्वीरें प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर की हैं। इस दौरान यूपी के सीएम योगी ने उन्हें राम मंदिर की प्रतिकृति भी भेंट की। नए साल पर सीएम योगी और पीएम मोदी के बीच पहली मुलाकात करीब एक घंटे की रही। अटकलें लगाई जा रही हैं कि इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी से सीएम योगी ने मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर भी चर्चा की है।

हालांकि, इस पर आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, सीएम योगी की मुलाकात सिर्फ शिष्टाचार भेंट है। वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। इस पोस्ट में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से शिष्टाचार भेंट करके उनका मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने पीएम मोदी से मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंटकर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। आपका पाथेय 'नए उत्तर प्रदेश' की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करने हेतु सदैव नवीन ऊर्जा का संचार करता है। अपना बहुमूल्य समय प्रदान करने हेतु हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी।'

## 'आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा'

**● सबरीमाला सोना चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को लगाई फटकार**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी के मामले में देवास्वोम बोर्ड के पूर्व सदस्य केपी शंकर दास को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। शीर्ष अदालत ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें शंकर दास ने केरल हाईकोर्ट के आदेश में उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को हटाने की मांग की थी। जस्टिस दीपांकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि आपने भगवान को भी नहीं छोड़ा। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि देवास्वोम बोर्ड के सदस्य के तौर पर शंकर दास की जिम्मेदारी बनती है और वे चोरी के मामले में अपनी भूमिका से पल्ला नहीं झाड़ सकते, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में शंकर दास की उम्र और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए केवल उस आधार पर नरमी बरती थी। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट की टिप्पणियों को उचित ठहराते हुए उन्हें हटाने से इनकार कर दिया। दरअसल, केरल हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि सबरीमाला मंदिर में सोने की चोरी के मामले में केपी शंकर दास और के विजयकुमार आपराधिक साजिश से बच नहीं सकते। हाईकोर्ट

की इसी टिप्पणी को हटाने की मांग को लेकर शंकर दास ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलीलों को स्वीकार करने से इनकार करते हुए अपील खारिज कर दी। सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर से कई किलो सोने की चोरी और कुछ कीमती सामानों के गायब होने की खबर मुख्य मुद्दा बनकर उभरी। यह सोना 1998-99 में यूबी ग्रुप के चेयरमैन विजय माल्या द्वारा दान की गई द्वारपाल मूर्तियों पर लगी परत का हिस्सा था। मामले में केरल हाईकोर्ट के दखल के बाद एक उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी। जांच के बाद एन. वासु और ए. पद्मकुमार को गिरफ्तार किया गया, जो त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी के वरिष्ठ नेता हैं। इन गिरफ्तारियों ने विपक्ष के इस रुख की पुष्टि की कि मंदिर प्रशासन का इस्तेमाल सत्ता केंद्रों के करीबियों द्वारा व्यक्तिगत लाभ के लिए किया जा रहा था, जिससे व्यापक साजिश की सीबीआई जांच की मांग उठी। सबरीमाला सोने की चोरी मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने अब तक वासु और पद्मकुमार सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

## अजमेर दरगाह पर पीएम की चादर चढ़ाने पर रोक की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** अजमेर में स्थित सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर सालाना उर्स के दौरान प्रधानमंत्री और अन्य संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों की ओर से चादर चढ़ाने की परंपरा को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस फैसले का अजमेर कोर्ट में चल रहे मामले पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत फैसला नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई टिप्पणियों का अजमेर की अदालत में दरगाह द्वारा शंकर मोचन महादेव मंदिर पर कथित 'अवैध कब्जे' के संबंध में लंबित मुकदमे पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

यह याचिका विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह बिसेन ने दायर की थी। याचिका में कहा गया कि भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1947 में पहली बार अजमेर शरीफ में चादर चढ़ाने की परंपरा शुरू की थी और इसके बाद हर साल यह परंपरा निभाई जाती रही, लेकिन यह प्रथा ना तो किसी कानून में लिखी है और ना ही यह संविधान के अनुरूप है।

याचिका में यह भी दावा किया गया कि इस दरगाह के स्थान पर पहले एक प्राचीन शिव मंदिर था। इस विषय पर पहले ही अजमेर कोर्ट में एक मामला विचाराधीन है। ऐसे में याचिकाकर्ता का तर्क था कि पेंडिंग केस के दौरान चादर चढ़ाने की परंपरा उस मामले को प्रभावित कर सकती है। गौरतलब है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 814वें उर्स पर 22 दिसंबर को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार की ओर से अजमेर दरगाह में चादर और फूल चढ़ाए।

### झारखंड सीजीएल में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

## हाईकोर्ट ने रिजल्ट और नियुक्ति के आदेश को सही ठहराया

**रांची ।** झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमीशन की सीजीएल (कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल) परीक्षा से जुड़े बहुचर्चित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार और सफल अभ्यर्थियों के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की यह सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की खंडपीठ ने की। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि झारखंड हाईकोर्ट का फैसला सही और संतुलित है, इसमें हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही अपीलकर्ताओं की

याचिका खारिज कर दी गई। गौरतलब है कि इससे पहले 3 दिसंबर को झारखंड हाईकोर्ट ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा से जुड़े मामलों में अहम फैसला सुनाया था। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 10 संदिग्ध अभ्यर्थियों के परिणाम पर रोक लगाते हुए शेष सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की अनुमति दी थी। अदालत ने जेएसएससी को आगे की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया था।

## भारत पूरे इलेट्रॉनिस इकोसिस्टम में बनेगा बड़ा खिलाड़ी

**● 11 वर्षों में 6 गुना बढ़ा उत्पादन: अश्विनी वैष्णव**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि भारत पूरे इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम यानी डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम, एप्लीकेशन, मटेरियल और इक्विपमेंट में आने वाले समय में बड़ा खिलाड़ी बनेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एप्पल ने 2025 में भारत से 50 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन को शिप किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया और हमारे उत्पादन केंद्रित अर्थव्यवस्था बनने की तरफ एक बड़ा मील का पत्थर है।वैष्णव ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन बीते 11 वर्षों में छह गुना बढ़ा है। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 8 गुना

बढ़ा है। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स देश की ओर से किए जाने वाले शीर्ष तीन निर्यातों में शामिल हो गया है। ' उन्होंने आगे कहा कि 46 कंपोनेंट निर्माण परियोजनाएं, लैपटॉप, सर्वर और ऑडियो डिवाइस निर्माताओं के जुड़ने से इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख चालक बन रहा है। केंद्रीय मंत्री के कहा कि इस वर्ष चार सेमीकंडक्टर संयंत्रों में व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में अब कुल रोजगार की संख्या 25 लाख हैं, जिनमें से कई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में एक ही स्थान पर 5,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। कुछ यूनिट्स में तो एक ही स्थान पर 40,000 तक कर्मचारी कार्यरत हैं। इससे पहले, केंद्र सरकार ने रविवार को डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (डीएलआई) के तहत भारतीय सेमीकंडक्टर यानी चिप बनाने वाले उद्योग को मजबूत करने के लिए 24 नए चिप डिजाइन प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी थी। ये प्रोजेक्ट्स वीडियो निगरानी, ड्रोन का पता लगाने, एनर्जी मीटर, माइक्रोप्रोसेसर, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, ब्रॉडबैंड और आईओटी सिस्टम ऑन-चिप्स (एसओसी) जैसे क्षेत्रों में हैं। सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन चिप बनाने की प्रक्रिया में सबसे ज्यादा मूल्य जोड़ने वाला हिस्सा है। यह आपूर्ति श्रृंखला में 50 प्रतिशत और फैबलेस सेगमेंट के माध्यम से वैश्विक सेमीकंडक्टर बिक्री में 30-35 प्रतिशत का योगदान देता है। सरकारी बयान में कहा गया कि डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव (डीएलआई) समर्थित योजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। स्कीम के तहत अब तक 16 टेप-आउट, 6 एएसआईसी चिप्स, 10 पेटेंट और 1,000 से ज्यादा इंजीनियर शामिल हो चुके हैं। साथ ही निजी निवेश भी तीन गुना तक बढ़ा है।

## 'शुद्ध मतदाता सूची ही लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव'

**● लोकतंत्र का अगला पर्व 'आम चुनाव' शुद्ध मतदाता सूची के साथ ही मनाया जाएगा : ज्ञानेश कुमार**

**एजेंसी**

**देवघर/दुमका।** मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है और इसमें किसी भी गैर-नागरिक का नाम होना संविधान के खिलाफ है। ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को झारखंड के देवघर और दुमका जिले में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर्स) से संवाद के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि लोकतंत्र की पवित्रता बनाए रखने के लिए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की प्रक्रिया फिलहाल देश के 12 राज्यों में शुरू की गई है, जिसे आने वाले समय में पूरे देश में लागू किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोकतंत्र का अगला पर्व 'आम चुनाव' शुद्ध मतदाता सूची के साथ ही मनाया जाएगा। दो दिवसीय दौरे पर देवघर-दुमका आए मुख्य निर्वाचन आयुक्त

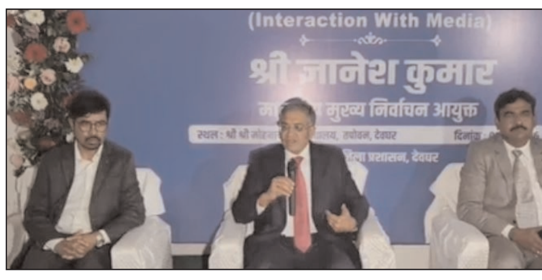


ने बूथ लेवल ऑफिसर्स के साथ संवाद के दौरान चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची के शुद्धिकरण और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सरल है, जिसमें जिला स्तर पर तैयार सूची के बाद भी दावा (क्लेम) और आपत्ति दर्ज कराने का अवसर दिया जाता है। अगर कोई व्यक्ति उस चरण में शामिल नहीं हो पाता तो उसे निरीक्षण और अपील के लिए लगभग एक महीने का अतिरिक्त समय मिलता है। इसी क्रम में भविष्य में झारखंड में भी एसआईआर लागू किया जाएगा।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने देवघर के तपोवन स्थित श्रीश्री मोहनानंद विद्यालय में आयोजित बीएलओ संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे लोकतंत्र का आधार शुद्ध मतदाता सूची है, वैसे ही शुद्ध मतदाता सूची का आधार उसे तैयार करने वाले बीएलओ हैं। उन्होंने बीएलओ को लोकतंत्र के 'अदृश्य नायक' बताते हुए कहा कि आयोग का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने एसआईआर में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले कई बार डोर-टू-डोर सत्यापन के दौरान बीएलओ के पास पहचान पत्र नहीं होते थे, जिससे लोगों में संशय रहता था। अब भारत निर्वाचन आयोग की ओर से उन्हें आधिकारिक पहचान पत्र उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मीडिया से बातचीत में कहा कि दो दिवसीय प्रवास के दौरान उन्होंने झारखंड में चुनावी व्यवस्थाओं की तैयारियों को करीब से देखा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जब भी राज्य में गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा होगी, उसे पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जाएगा।

### आईआरसीटीसी घोटाला मामला

## लालू यादव की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी किया

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) को नोटिस जारी किया। इस याचिका में लालू ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कथित आईआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में उनके और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक आरोप तय करने का निर्देश दिया गया था। मामले की सुनवाई के बाद जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की सिंगल-जज बेंच ने केंद्रीय एजेंसी से जवाब मांगा और लालू प्रसाद यादव द्वारा दायर आपराधिक रिवीजन याचिका के साथ-साथ स्टे एप्लीकेशन पर भी नोटिस जारी किया। जस्टिस शर्मा ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की है। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख ने राऊज एवेन्यू कोर्ट द्वारा पारित आदेश को चुनौती दी है, जिसमें आईआरसीटीसी घोटाले के संबंध में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से संबंधित अपराधों के लिए उनके और अन्य आरोपियों के खिलाफ आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त आधार

पाए गए थे।दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने 13 अक्टूबर 2025 को पारित एक आदेश में लालू प्रसाद यादव, उनके बेटे तेजस्वी यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और अन्य आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120बी (आपराधिक साजिश) के साथ-साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत ट्रायल का रास्ता साफ कर दिया, जब उन्होंने आरोपों के लिए खुद को निर्दोष बताया।

## ज़िला एडमिनिस्ट्रेशन ने मिशन प्रगति शुरू किया

**कौमी पत्रिका**

बठिंडा, 5 जनवरी। ज़िला एडमिनिस्ट्रेशन ने 5 जनवरी, 2026 को ज़िला लाइब्रेरी, बठिंडा में अपने खास प्रोग्राम 'मिशन प्रगति' के तहत कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम के लिए एक फ्री कोचिंग प्रोग्राम शुरू किया। इस मौके पर बोलते हुए, श्री राजेश धीमान, डिप्टी कमिश्नर, बठिंडा, श्रीमती अमनीत कोंडल, एसएसपी और दूसरे अफ़सरों ने कहा कि इस प्रोग्राम का मकसद उन काबिल स्टूडेंट्स की मदद करना है जिन्हें अक्सर अच्छी और सस्ती कोचिंग की सुविधा नहीं मिल पाती। शुरुआत में, यह प्रोग्राम 35 चुने हुए स्टूडेंट्स के साथ शुरू किया गया है। मिशन प्रगति का एक बड़ा और जुड़ा हुआ तरीका है जिसमें स्ट्रक्चर्ड एकेडमिक कोचिंग को फ़िज़िकल ट्रेनिंग के साथ जोड़ा गया है। स्टूडेंट्स को एसएसबी , पंजाब पुलिस, सीपीओ , आर्म्ड फ़ोर्स और दूसरी सेंट्रल और स्टेट लेवल की भर्तियों के लिए तैयार किया जाएगा। उन्हें मैथ्स, रीजनिंग, जनरल स्टडीज़/करंट अफ़ेयर्स और इंग्लिश जैसे मुख्य सब्जेक्ट्स में कोचिंग दी जाएगी, साथ ही रेगुलर मॉक टेस्ट, परफ़ॉर्मेंस ट्रैकिंग और इंडिविजुअल काउंसलिंग भी दी जाएगी। इसके अलावा, पंजाब पुलिस और सी पायट एजुकेशनल इंस्ट्रक्टर्स द्वारा प्रोफ़ेशनल और एग्ज़ाम-ओरिएंटेड फ़िज़िकल ट्रेनिंग भी दी जाएगी। फिजिकल ट्रेनिंग सी पायट ग्राउंड में दी जाएगी। घर पर पढ़ाई के लिए आरामदायक माहौल नहीं है और क्योंकि कॉम्पिटिटिव एग्जाम की किताबें काफी महंगी होती हैं, इसलिए बच्चों के लिए ये किताबें खरीदना मुश्किल हो जाता है। इसलिए, चुने हुए स्टूडेंट्स को डिस्ट्रिक्ट लाइब्रेरी के मेंबर के तौर पर एनरोल किया जाएगा और उन्हें लाइब्रेरी से फ्री किताबें दी जाएंगी। मेंबरशिप बहुत कम रखी गई है। इस प्रोग्राम की एक खास बात इसका टीचर मेंटरिंग मॉडल है, जिसमें फैकल्टी मेंबर खुद ऐसे कैंडिडेट हैं जो कॉम्पिटिटिव एग्जाम में बैठे हैं। डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन उन टीचर्स को भी सपोर्ट कर रहा है जो खुद ऐसे एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं। इस तरह, यह प्रोग्राम 'यूथ हेल्पिंग यूथ' मॉडल बन गया है। ज़्यादातर टीचर, ग्रामीण बैकग्राउंड से होने के कारण, स्टूडेंट्स की सोशियो-इकोनॉमिक असलियत को बेहतर ढंग से समझकर ज़्यादा असरदार गाइडेंस और मोटिवेशन दे सकते हैं। डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि हालांकि इस पहल का कॉन्सेप्ट डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन ने बनाया है, लेकिन इसे समाज के सभी वर्गों जैसे एजुकेशनिस्ट, यूनिवर्सिटी, पुलिस, खिलाड़ी, एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारी और स्टूडेंट्स का पूरा सपोर्ट मिला है, जिससे यह काम सच में मिलकर काम करने वाला और कम्युनिटी-बेस्ड बन गया है। 'किसी को पीछे न छोड़ने' की सोच पर आधारित, मिशन प्रगति युवाओं को मज़बूत बनाने, पढ़ाई के बराबर मौके और सरकारी सेवाओं में बठिंडा के छात्रों को ज़्यादा से ज़्यादा रिप्रेजेंटेशन देने के लिए ज़िला प्रशासन के कमिटमेंट को दिखाता है। बाद में, डिप्टी कमिश्नर और मौजूद अधिकारियों ने फ़ैकल्टी मेंबर्स और छात्रों से भी बातचीत की।

## अमित शाह ने तिरुचिरापल्ली के मंदिरों में पूजा-अर्चना कर 'मोदी पोंगल' समारोह में की शिरकत

**● कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री शाह पारंपरिक सफेद धोती और शर्ट पहने नजर आए**

**एजेंसी**

**चेन्नई ।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को तिरुचिरापल्ली में भाजपा की तमिलनाडु यूनिट के 'मोदी पोंगल' समारोह में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने उत्साह के साथ पारंपरिक फसल उत्सव मनाया और 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले मजबूत राजनीतिक संदेश दिया। भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने मन्नारपुरम में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री शाह का गर्मजोशी से स्वागत किया।

आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम में 2,000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत महिलाओं ने 1,008 मिट्टी के बर्तनों में पोंगल की रस्में निभाईं। यह जश्न 'नम्मा ऊरु मोदी पोंगल विझा' नारे के तहत मनाया गया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तमिल सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने की पार्टी की कोशिश को दिखाता है। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री शाह पारंपरिक सफेद धोती और शर्ट पहने नजर आए। पार्टी नेताओं ने कहा कि इस कार्यक्रम का मकसद जमीनी स्तर के समुदायों तक भाजपा की पहुंच और तमिलनाडु में शासन को सांस्कृतिक पहचान के साथ जोड़ना था।

इससे पहले, केंद्रीय गृह मंत्री ने तिरुचिरापल्ली जिले में मंदिरों का दौरा किया। उन्होंने जंबुकेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की और बाद में रंगनाथस्वामी मंदिर गए, जो दक्षिण भारत के सबसे पूजनीय वैष्णव मंदिरों में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने बड़ी संख्या में जमा हुए भक्तों का अभिवादन किया, उनसे हाथ मिलाया और आम लोगों से थोड़ी बातचीत की। यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह के

साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, मुरलीधर मोहोल और एल. मुरुगन सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

इस दौरे की अहमियत को देखते हुए तिरुचिरापल्ली में, खासकर मंदिर परिसर और मोदी पोंगल कार्यक्रम स्थल के आसपास, बड़े पैमाने पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से हुआ। ट्रैफिक डायवर्जन और भीड़ नियंत्रण उपायों से कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

## युद्ध के दौर में दुनिया को बुद्ध चाहिए: खरगे

**'महात्मा बुद्ध के आदर्शों को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है'**

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को यहां के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में ग्रैंड इंटरनेशनल एक्सपोज़िशन ऑफ सेक्रेड पिपरहवा रेलिक्स का दौरा किया। इसमें भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेष प्रदर्शित किए गए हैं। खरगे ने पत्रकारों से कहा कि महात्मा बुद्ध के अवशेषों को देखकर उन्हें अत्यंत सुखद अनुभूति हुई है। वह स्वयं बुद्ध के विचारों पर चलने वाले व्यक्ति हैं और भारत भी बुद्ध के विचारों पर ही चलता है। इसी कारण हमारे राष्ट्रीय ध्वज पर अशोक चक्र अंकित है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध हो रहे हैं लेकिन हमें बुद्ध चाहिए। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी बुद्ध को अपने विचारों में स्थान दिया था और डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इसी सोच के आधार पर बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि बुद्ध हमारे देश में हर जगह हैं और उनके अवशेषों को यहां प्रदर्शित करना अत्यंत खुशी की बात है। महात्मा बुद्ध के आदर्शों को और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है तथा विभिन्न क्षेत्रों और

विचारधाराओं को एक मंच पर लाने की जरूरत है। खरगे ने कहा कि बुद्ध के मार्ग पर चलकर ही दुनिया में शांति और सौहार्द कायम किया जा सकता है। महात्मा बुद्ध के विचार किसी एक धर्म के लिए नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए हैं। आज मानवता को उनके उसूलों की आवश्यकता है और इन्हीं उसूलों को लेकर हमें आगे बढ़ना चाहिए।

# 2027 में सत्ता में लौटाने के लिए आतुर अखिलेश ने तैयार किया चुनावी मिशन 84

## अखिलेश की रणनीति से बसपा और बीजेपी को लग सकता है झटका

**लखनऊ (एजेंसी)।** वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) ने अभी से कमर कस ली है। 10 साल बाद सत्ता में वापसी के लक्ष्य के साथ सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ऐसी रणनीति तैयार की है, जिससे प्रदेश की जातीय राजनीति में बड़ा बदलाव आ सकता है। अखिलेश की इस रणनीति के केंद्र में राज्य की वे 84 विधानसभा सीटें हैं, जो अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं, साथ ही कई सामान्य सीटें भी हैं, जहां दलित वोट निर्णायक भूमिका में रहते हैं। अखिलेश की इस सक्रियता से न सिर्फ बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की टेंशन बढ़ी है, बल्कि सत्तारूढ़ भाजपा कर दिया है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित वोट बैंक लंबे समय से बसपा की ताकत रहा है। लेकिन बीते कुछ चुनावों में बसपा के कमजोर प्रदर्शन और संगठनात्मक ढील के कारण यह वोट बैंक बिखरता दिखा है। इस मौके के फायदा उठाकर अखिलेश ने दलित समुदाय को सपा से जोड़ने की कवायद तेज कर दी है। पार्टी का मानना है कि अगर बसपा के कोर वोट बैंक में सेंध लगाने में सफलता मिलती है, तब 2027 में भाजपा को सत्ता से बाहर करना आसान होगा।

दरअसल अखिलेश यादव की यह चुनावी रणनीति उनके 'पीडीए' फॉर्मूले पर आधारित है, जिसमें पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग को एकजुट करने का लक्ष्य रखा गया है। सपा नेतृत्व का मानना है कि यही सामाजिक गठजोड़ यूपी की राजनीति का भविष्य तय करेगा। इसी सोच के तहत पार्टी ने फैसला किया है कि वह केवल आरक्षित सीटों तक सीमित न रहकर सामान्य सीटों पर भी बड़ी संख्या में दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। इससे दलित समाज में यह संदेश जाएगा कि सपा उन्हें सिर्फ वोट बैंक नहीं, बल्कि नेतृत्व का मौका देना चाहती है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, सपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों से अहम सबक लिया है। उस चुनाव में दलित वोटों का एक हिस्सा सपा के पक्ष में आया था, जिसने पार्टी के प्रदर्शन को मजबूती दी। अब सपा चाहती है कि विधानसभा चुनाव में समर्थन को और व्यापक रूप दिया जाए। इसी उद्देश्य से 2025 से ही 'पीडीए चर्चा' कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जो प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चलाए जा रहे हैं।

हालांकि, राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि सपा का यह दांव पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। सामान्य सीटों पर दलित उम्मीदवार उतारने से

सवर्ण और अन्य वर्गों के कुछ वोट खिसकने का खतरा भी है। बावजूद इसके, सपा नेतृत्व का भरोसा है कि व्यापक सामाजिक गठबंधन इस नुकसान की भरपाई कर सकता है। अखिलेश यादव खुद कई मौकों पर कह चुके हैं कि 'पीडीए ही यूपी का भविष्य है।'

# मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, जनता के आशीर्वाद से देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स का रिकॉर्ड टूट जाएगा। उन्होंने बताया कि देवराज उर्स भी मैसूरु जिले के निवासी थे और उनका रिकॉर्ड भविष्य में कोई भी तोड़ सकता है। सिद्धारमैया ने 1983 के विधानसभा चुनावों का जिक्र कर कहा कि उस समय लोग वोट और धन से समर्थन देते थे, जबकि अब परिस्थितियां अलग हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड विराट कोहली ने तोड़ा, वैसे ही भविष्य में कोई मुख्यमंत्री उनसे अधिक समय तक पद संभाल सकता है या अधिक बजट पेश कर सकता है। प्रस्तावित उपकरण सम्मेलन पर उन्होंने कहा कि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और कार्यक्रम का आयोजन कृष्णा भैरेगौड़ा करेंगे। कैबिनेट फेरबदल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में राहुल गांधी से चर्चा करुंगा और जनवरी में फोन आने पर वे जाएंगे। बल्लारी मामले पर सीएम ने कहा कि भाजपा मौजूदा न्यायाधीश द्वारा जांच की मांग कर रही है, जबकि पुलिस मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले रिपोर्ट आने दी जाए, फिर जांच तय होगी। वीबीजी राम की गारंटी आलोचना पर प्रतिक्रिया देकर सिद्धारमैया ने कहा कि 3,000 करोड़ रुपये का 40 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकार पर बोझ डालेगा। सिद्धारमैया का बयान साफ करता है कि राजनीतिक रिकॉर्ड समय के साथ टूटते हैं और भविष्य में किसी भी नेता के लिए नए कीर्तिमान स्थापित करना संभव है।

## उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी : स्मृति ईरानी

जयपुर (एजेंसी)। सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट-2026 में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला नेतृत्व और सार्वजनिक सेवा पर खुलकर अपनी बात रखी। पूर्व केंद्रीय मंत्री ईरानी ने बताया कि उनकी असली जीत हार में है, क्योंकि हार ने उन्हें सिखाया और जीवन की दिशा दी। सत्र में उन्होंने महिलाओं की तकनीक, नीति, स्टार्टअप और सार्वजनिक क्षेत्रों में बढ़ती भागीदारी पर जोर दिया। मल्टीटास्किंग और दृढ़ता को अपने करियर की कुंजी बताते हुए उन्होंने चुनाव हारने के अनुभवों से मिली सीखों का उल्लेख किया। उन्होंने महिला उद्यमियों के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों, अवसरों और मेंटरशिप की आवश्यकता पर भी चर्चा की। ईरानी ने 9 करोड़ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को नए भारत की उजली तस्वीर बताते हुए अपनी पहलें साझा कीं—1 लाख महिलाओं को सशक्त बनाना, 300 स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और 100 मिलियन डॉलर से अधिक का फंड जुटाना। उन्होंने कहा कि ये कदम महिलाओं के उद्यमिता इकोसिस्टम को मजबूत करने, अवसर और पूंजी तक पहुंच सुनिश्चित करने की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं।

## टाटा हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की धमकी ; हॉस्पिटल खाली कराया गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के परेल इलाके में स्थित टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल को बम से उड़ाने की एक अनजान धमकी मिलने के बाद सोमवार को हड़कंप मच गया। इस धमकी के बाद पुलिस विभाग और हॉस्पिटल प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गए हैं और एहतियात के तौर पर हॉस्पिटल कैंपस खाली करा लिया गया है। धमकी भरा कॉल या मैसेज मिलते ही मुंबई पुलिस तुरंत हॉस्पिटल पहुंची। फिलहाल, बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीडीएस) मौके पर पहुंच गया और डॉग स्क्वॉड की मदद से हॉस्पिटल के हर फ्लोर और कोने की अच्छी तरह से जांच की गई। पुलिस उपायुक्त समेत वरिष्ठ अधिकारी हालात पर नजर रखे हुए हैं। चूंकि टाटा हॉस्पिटल देश में कैंसर के इलाज का सबसे बड़ा सेंटर है, इसलिए यहां हर दिन हजारों मरीज और उनके रिश्तेदार आते हैं। बम की खबर फैलते ही इलाके में डर का माहौल बन गया। सुरक्षा कारणों से अस्पताल प्रशासन ने मरीजों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट करना शुरू कर दिया और ओपीडी एवं दूसरी भीड़भाड़ वाली जगहों को खाली करा दिया गया। इस दौरान वहां अफरातफरी का माहौल तो रहा ही मरीजों तथा उनके रिश्तेदारों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ी। फ़िलहाल पुलिस जांच कर रही है कि यह सिर्फ़ अफ़वाह है या हमले की कोशिश। धमकी किस नंबर या माध्यम से आई, इसकी तकनीकि जांच की जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने अपील की है, लोगों को घबराना नहीं चाहिए, पुलिस पूरी जांच कर रही है।

## झारखंड में दो घटनाओं में जंगली हाथियों ने महिला व युवक को कुचलकर मार डाला

रांची (एजेंसी)। झारखंड में अलग-अलग घटनाओं में जंगली हाथियों के हमले से दो लोगों की मौत हो गई। वन अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान पश्चिम सिंहभूम जिले के कितापी गांव की चंपा कुई (47) और लातेहार जिले के मतनाग गांव के वीरेंद्र कोरवा के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक चंपा कुई रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे अपने घर से बाहर निकली थीं, तभी एक हाथी जो झुंड से भटक गया था, गांव में आ गया और उसने चंपा को कुचल दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विभाग की टीम मौके पर पहुंची और परिवार को अंतरिम राहत के रूप में 20,000 रुपए की सहायता राशि दी। विभाग ने परिजनों को औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद सरकारी प्रावधानों के मुताबिक मुआवजा प्रदान करने का आश्वासन दिया। लातेहार जिले में चिपदोहार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मतनाग गांव में शाम करीब चार बजे एक हाथी ने कोरवा को कुचलकर मार डाला। कोरवा चौक बाजार से घर जा रहा था तभी हाथियों के एक झुंड ने उसे घेर लिया और मार डाला। घटना की सूचना मिलते ही रेंजर और वनपाल समेत वन विभाग की एक टीम घटना की जांच के लिए मौके पर पहुंची।

## 8 साल 4 माह की सजा में 387 दिन बाहर, राम रहीम की मनमर्जियां कब रुकेगी?

गुरग्राम(एजेंसी)। अपनी दो शिष्याओं से रेप में 20 साल की जेल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को फिर 40 दिन की परोल मिली। राम रहीम अभी हरियाणा में रोहतक के सुनारिया जेल में बंद हैं। इसके पहले पिछले साल अगस्त में 40 दिन की परोल मिली थी। इस हालिया परोल से पहले राम रहीम 2017 में दोषी ठहराने के बाद से 14 बार जेल से बाहर आ चुका है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति जैसी संगठनों ने राहत देने की आलोचना की है। जेल से बाहर आने के बाद वह कई बार बागपत स्थित डेरा के आश्रम में रहा।

1. 24 अक्टूबर 2021 को 1 दिन की पैरोल, बीमार मां के लिए।
2. 21 मई, 2021 : 1 दिन की, बीमार मां के लिए फिर।
3. 7 फरवरी, 2022 : 21 दिन की, पंजाब में चुनाव थे।
4. 17 जून, 2022 : 30 दिन, हरियाणा निकाय चुनाव थे।
5. 15 अक्टूर, 2022 : 40 दिन की, आदमपुर उपचुनाव थे।
6. 21 जनवरी 2023 : 40 दिन, शाह सतनाम जयंती थी।
7. 20 जुलाई, 2023 : 30 दिन, 15 अगस्त को बर्थडे था।
8. 21 नवंबर, 2023 :21 दिन, राजस्थान में चुनाव थे।
9. 19 जनवरी, 2024 : 50 दिन, लोकसभा चुनाव होने थे।
10. 13 अगस्त, 2024 : 21 दिन, 15 अगस्त को बर्थडे था।
11. 1 अक्टूबर, 2024 : 21 दिन, हरियाणा में चुनाव थे।
12. 28 जनवरी, 2025 : 30 दिन, दिल्ली में चुनाव थे।
13. 9 अप्रैल, 2025 : 41 दिन, डेरे का स्थापना दिवस था।
14. 5 अगस्त, 2025 : 40 दिन, 15 को बर्थडे था।

## तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए राहुल गांधी और सीएम रेडडी को फांसी देना चाहिए: रामाराव

**हैदराबाद (एजेंसी)।** भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए कई बार फांसी देना चाहिए। बीआरएस नेता रामाराव का यह बयान मुख्यमंत्री रेड्डी की पिछली टिप्पणियों के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कड़ी आलोचना कर नदी जल बंटवारे में तेलंगाना के हितों को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाने और सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से अवैध रूप से धन कमाने के लिए उन्हें मृत्युदंड देने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया देकर केटीआर ने कहा कि अगर टूटे वादों को भी ध्यान में रखा जाए, तब यह हिसाब लगाना मुश्किल है कि कांग्रेस नेताओं को कितनी बार फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अशोक नगर अड्डा में दो लाख नौकरियों का वादा पूरा न करने, वारंगल में कृषि ऋण माफी योजना लागू न करने और कामारेड्डी में बीसी समुदाय के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के वादे से मुकरने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ जनता को अपना फैसला सुनाना चाहिए। उन्होंने आलोचना कर कहा कि 420 वादों को तोड़ने के लिए कांग्रेस जनता द्वारा 420 बार दंडित किए जाने की पात्र है।

पार्टी के बयान के अनुसार, केटीआर ने कहा कि सीएम रेड्डी को केवल गाली देना आता है, जबकि बीआरएस जरूरत पड़ने पर तीन-चार भाषाओं में जवाब देने की ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति आईआईटी और आईआईआईटी के बीच या बाचावत ट्रिब्यूनल और बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल के बीच अंतर नहीं जानता, उसके लिए तेलंगाना के भविष्य के बारे में बात करना हास्यास्पद है।

# ट्रंप ने फिर दी टैरिफ बढ़ने की धमकी... कांग्रेस का हमला नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी काम नहीं आया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नकांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारत के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये की आलोचना कर कहा कि दोनों नेताओं के बीच बार-बार सौहार्दपूर्ण व्यवहार दिखाने के बावजूद वाशिंगटन लगातार कभी गर्म, कभी ठंडा रुख दिखा रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर भारत से आयात पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने टिप्पणी की कि नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, बार-बार दिखाई गई व्यक्तिगत गर्मजोशी और सोशल मीडिया पर प्रशंसा से भारत को कुछ खास लाभ नहीं हुआ है।

कांग्रेस सांसद रमेश सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री के अच्छे दोस्त भारत के प्रति अपना कभी गर्म, कभी ठंडा रवैया दिखा रहे हैं। उन्होंने फिर धमकी दी है कि अगर भारत रूस से तेल

खरीदना बंद नहीं करता है, तब वे भारत से आयात होने वाले अमेरिकी उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाएंगे। वे सभी नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी कार्यक्रम, वे सभी (जबरदस्ती के) गले मिलना और अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रशंसा करने वाले वे सभी सोशल मीडिया पोस्ट बहुत कम लाभ पहुंचा रहे हैं।

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाते ने केंद्र पर भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने में कमजोर और असमर्थ होने का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रवक्ता ने पोस्ट किया, 'ट्रम्प वहाँ खड़े होकर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं। ट्रम्प के बगल में खड़े अमेरिकी सीनेटर का दावा है कि भारतीय राजदूत राष्ट्रपति को खुश रखने के लिए उनसे विनती कर रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि मोदी ने उन्हें खुश करने के लिए अमेरिका के दबाव में रूसी तेल का आयात कम किया है। इसतरह के बेशर्म गुंडे मेरे देश का मज़ाक उड़ा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से एक शब्द भी नहीं। मोदी एक आपदा हैं, एक कमजोर, कायर व्यक्ति जो भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने वाले गुंडों के सामने खड़े नहीं हो सकते।'

यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा रूसी तेल के आयात जारी रहने पर टैरिफ बढ़ाने की भारत को नई चेतावनी देने के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल आयात के मुद्दे पर भारत का उन्हें खुश रखना महत्वपूर्ण था। ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वे नेक दिल हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश रखना उनके लिए ज़रूरी था। वे व्यापार करते हैं, और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

## एनसीसी कैडेट्स को संबोधित कर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने ऑपरेशन सिंदूर से सीखने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एनसीसी के रिपब्लिक डे कैंप 2026 में कैडेट्स को संबोधित कर ऑपरेशन सिंदूर और विभिन्न आपदा राहत अभियानों में उनकी सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एनसीसी शिविर केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता, संवैधानिक मूल्यों और भविष्य के नेतृत्व की झलक प्रस्तुत करता है। उपराष्ट्रपति ने एनसीसी के महत्व और उसके 'एकता और अनुशासन' के ध्येय वाक्य का उल्लेख कर कहा कि यह युवाओं को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और सेवा-भावी नागरिक बनाने में योगदान देता है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर से किया गया और उन्होंने हॉल ऑफ फेम का दौरा कर एनसीसी की गौरवपूर्ण विरासत, उपलब्धियों और विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल्स, जैसे युवा आपदा मित्र योजना, ड्रोन प्रशिक्षण और नई तकनीकों के उपयोग की पहल, का निरीक्षण किया। उपराष्ट्रपति ने आपदा प्रबंधन की तैयारी और उभरती तकनीकों को अपनाने में एनसीसी की भूमिका की सराहना की। कैंप में कैडेट्स के लिए बेस्ट कैडेट, स्मॉल आर्म्स फायरिंग, मार्चिंग कंटिजेंट और फ्लैग एरिया डिजाइनिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस साल 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 2,406 कैडेट्स, जिनमें 898 बालिका कैडेट शामिल हैं, भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 25 मित्र देशों के युवा कैडेट और अधिकारी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत इस कैंप में शामिल हैं। उपराष्ट्रपति ने कैडेट्स के अनुशासन, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना की विशेष सराहना की।

## केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने वेल्लापल्ली नटेसन से की मुलाकात... सियासी गलियारों में चर्चा तेज

**तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।** केरल में भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाया है। पार्टी के केरल प्रभारी और वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने एसएनडीपी योगम के जनरल सेक्रेटरी वेल्लापल्ली नटेसन से उनके आवास पर मुलाकात की। यह बैठक तब हुई जब नटेसन द्वारा पत्रकार को आतंकवादी कहने वाले बयान ने विवाद पैदा किया था। मुलाकात के बाद बीजेपी नेता जावड़ेकर ने मैत्रीपूर्ण दौरा बताकर कहा कि उन्हें नटेसन से मिलकर हमेशा खुशी होती है। उन्होंने नटेसन के प्रारंभिक दिनों में एसएनडीपी योगम की स्थापना और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत हमेशा सुखद और सकारात्मक रही है, इसलिए इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं है। भाजपा के इस कदम को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि नटेसन के हाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीब आने की खबरें आई थीं। जावड़ेकर ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए गुजरात के अहमदाबाद जैसी

उपलब्धि बताया। नटेसन ने हाल ही में मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले में एसएनडीपी के शैक्षणिक संस्थान खोलने की अनुमति नहीं मिलने पर टिप्पणी की थी, साथ ही एक पत्रकार को चरमपंथी बताने वाले बयान ने विवाद बढ़ाया। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी, जबकि माकपा और भाजपा ने कोई निंदा नहीं की। नटेसन के बेटे टी. वेल्लापल्ली भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से जुड़ी है। इस बैठक का राजनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि विधानसभा चुनाव के पूर्व केरल में विभिन्न दल अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं और भाजपा के लिए यह कदम समुदायों के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत माना जा रहा है।

## सीएम सरमा ने असम में शुरु किया बीजेपी का वॉल पेंटिंग अभियान

### कांग्रेस टिकट के लिए 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दीवार चित्रकला (वॉल पेंटिंग) अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह अभियान निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा और पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने दावा किया कि असम में भाजपा की स्थिति बेहद मजबूत है और पार्टी के पास करीब 50 प्रतिशत विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार तैयार हैं। सरमा ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व आज ही 50 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी करने को कहे, तब यह संभव है। वहीं सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा उम्मीदवारों से किसी तरह का आवेदन शुल्क नहीं लेगी। उम्मीदवारों के नाम जनता और पार्टी कार्यकर्ता सुझाएंगे और टिकट के लिए 25,000 या 50,000 रुपये जैसी कोई राशि नहीं ली जाएगी। इसके उल्ट उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों से 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही है और यह प्रक्रिया 22-23 सीटों पर चल रही है।

भूमि अतिक्रमण के मुद्दे पर सरमा ने कहा कि तेजपुर में करीब 5,000 बीघा अतिक्रमित भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु होगा। उन्होंने इस अभियान को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताकर कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने मिया समुदाय का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर उन्हें निराश करने का आरोप लगाया। गठबंधन की राजनीति पर मुख्यमंत्री ने

बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया असम गण परिषद (एजीपी) के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत कर रहे हैं। भाजपा का यह दीवार चित्रकला अभियान 2026 के चुनावों के लिए एक प्रारंभिक जनसंपर्क पहल माना जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कामरूप जिले के चांगसारी में आयोजित कार्यक्रम में बेजेरा और सुआलकुची के 1,534 छात्रों को 2025 की एचएसएलसी और एचएस परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

# अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय सेना की अग्निवीर योजना एक बार फिर चर्चा में है क्योंकि साल 2022 में शुरू हुए इस कार्यक्रम का पहला बैच अब अपनी चार साल की सेवा पूरी करने के करीब है। जून और जुलाई के महीनों में लगभग 20 हजार से अधिक अग्निवीरों को उनकी सेवा अवधि समाप्त होने के बाद डिस्चार्ज किया जाएगा। इस मोड़ पर हजारों युवाओं के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सेना ने स्थायी होने की प्रक्रिया और उससे जुड़े कड़े नियमों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। इसमें कहा गया है कि अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा।

सेना ने स्पष्ट किया है कि अग्निवीर अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान विवाह नहीं कर सकते। नियमों की गंभीरता यहीं खत्म नहीं होती, सेवा से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद भी उन्हें शादी करने की अनुमति नहीं होगी। स्थायी सैनिक बनने की चयन प्रक्रिया, जो लगभग 4 से 6 महीने तक चल सकती है, के दौरान भी उम्मीदवारों का अविवाहित रहना अनिवार्य है। अंतिम परिणाम घोषित होने और आधिकारिक रूप से स्थायी कमीशन मिलने तक यह नियम लागू रहेगा। सेना के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों में से केवल 25 प्रतिशत को ही स्थायी सैनिक के रूप में दोबारा नियुक्त किया जाएगा। यह चयन पूरी तरह से उनके पिछले प्रदर्शन, शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा के अंकों पर आधारित होगा। हालांकि, योग्यता के साथ-साथ अनुशासन को सबसे ऊपर रखा गया है, जिसमें वैवाहिक स्थिति को लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए हैं। अनुशासन पर जोर देते हुए सेना ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अग्निवीर इस निर्धारित अवधि के दौरान शादी करता है, तो उसे स्थायी नौकरी के लिए अयोग्य मान लिया जाएगा। भले ही उस उम्मीदवार का पेशेवर रिकॉर्ड और शारीरिक प्रदर्शन कितना भी उत्कृष्ट क्यों न हो, नियम उल्लंघन की स्थिति में उसे चयन प्रक्रिया से तुरंत बाहर कर दिया जाएगा। आमतौर पर अग्निवीरों की भर्ती 21 वर्ष तक की आयु में होती है और वे लगभग 25 वर्ष की आयु में सेवामुक्त होते हैं। सेना का मानना है कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर नियमों का पालन करना न केवल सैन्य अनुशासन के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक सैनिक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। केवल वही अग्निवीर स्थायी कमीशन के पात्र होंगे जिन्होंने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया हो, जिनका रिकॉर्ड बेदाग हो और जिन्होंने सेवा की पूरी अवधि में ब्रह्मचर्य और अविवाहित रहने के मानदंडों का पालन किया हो।

# बदलाव और विकास की नई राह पर रफ्तार भरेगी राजधानी, रोजमर्रा की जिंदगी में क्या होगा बदलाव

नई दिल्ली। नया साल 2026 दिल्ली के लिए बदलाव और उम्मीदों का साल बन सकता है। राजधानी की हवा, पानी, यातायात, आवास और रोजगार हर मोर्चे पर दिल्लीवासियों को नई सरकार के अगले कदमों से बड़ी उम्मीदें हैं। यमुना के पुनरुद्धार को लेकर सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं। मेट्रो फेज 4 और 5 का विस्तार, 5,000 नई ई-बसों की शुरुआत और सस्ती सेवाओं से सार्वजनिक परिवहन मजबूत होने की उम्मीद है। महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य और झुग्गियों को पक्के मकान जैसे वादे जमीन पर उतरने की आस है। साल 2026 में दिल्लीवासियों को सरकार से क्या खास उम्मीदें हैं, पढ़िए। 2026 तक यमुना सफाई का बड़ा चरण पूरा होने की उम्मीद है, जिसमें 40 किलोमीटर सीवेज ट्रीटमेंट लाइन बन सकती है। इसके लिए 500 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं। इसमें पुराने नालों की सफाई और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ाने का काम होगा। सरकार का दावा है कि इससे यमुना में गिरने वाला गंदा पानी काफी हद तक कम होगा। 2026 में मेट्रो फेज-4 और 5 के प्रमुख रूट पूरे होने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे दिल्लीवासियों का सफर आसान हो सके। इसके साथ ही 5,000 ई-बसें सड़कों पर उतारने की योजना है। इससे प्रदूषण कम होगा और सार्वजनिक परिवहन को मजबूती मिलेगी। नए रूट और बेहतर फ्रीक्वेंसी से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार ने महिलाओं के लिए 5,100 करोड़ रुपये की योजनाओं की घोषणा की है। उम्मीद है कि 2026 में महिला सम्मान राशि योजना पूरी तरह लागू होगी। महिलाओं को 2,500 रुपये तक की आर्थिक सहायता मिलने की बात कही गई है। इसके साथ ही आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत किया जाएगा। मरीजों को बेहतर जांच के लिए अत्याधुनिक लैब सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में नई जांच मशीनें लगाई जाएंगी, जिससे 100 से अधिक प्रकार की जांच की सुविधा मिलेगी। इससे मरीजों को निजी लैब पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। 2026 में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रदूषण की रहेगी। सर्दियों में हवा की गुणवत्ता सुधारना अब भी कठिन है। ई-बसों, इलेक्ट्रिक वाहनों और हरित क्षेत्रों के विस्तार से हालात बेहतर होने की उम्मीद जताई जा रही है। दिल्ली सरकार ने व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की घोषणा की है। 2026 में इसके जरिए व्यापारियों को राहत मिलने की उम्मीद है। लाइसेंस प्रक्रिया को आसान बनाने और टैक्स से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर जोर रहेगा। 2026 में झुग्गीवासियों के लिए बड़ी राहत की योजना है। सरकार का दावा है कि करीब 50,000 पक्के मकान बनाए जाएंगे। इसके लिए अलग-अलग इलाकों में प्रोजेक्ट तैयार किए जा रहे हैं। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में अस्पतालों के निर्माण का काम जारी है। नए अस्पतालों के बनने से बेड की कमी दूर होगी। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से मरीजों को इलाज में राहत मिलने की उम्मीद है।

# बाराबंकी में मिली सीतापुर से लापता छात्रा की लाश, घरवाले बोले- युवक करता था परेशान; पुलिस कर रही जांच

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में नहर में उतराती मिली लाश की पहचान रविवार को सीतापुर जिले से लापता छात्रा के रूप में हुई। पुरुषों जैसे कपड़े पहने होने के चलते उसकी पहचान में थोड़ा समय लगा। रविवार को पहचान होने के बाद पहुंचे घरवाले रो-रोकर बेहाल उठे। परिजनों ने एक युवक की प्रताड़ना से तंग आकर बेटी के आत्महत्या करने की बात कही। मामला सीतापुर के बिसवा थाना क्षेत्र के नेवराजपुर गांव का है। गांव निवासी सरदार जगदीप सिंह की तीन बेटियां थी। बड़ी बेटी महकप्रीत कौर (16) शहर के एक कॉलेज में बीबीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पढ़ाई में होशियार और स्वभाव से आत्मनिर्भर महकप्रीत रोजाना बाइक से कॉलेज जाती थी। बताया गया कि 15 दिसंबर को वह कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी। लेकिन, शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने खोजबीन की पर कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पिता की तहरीर पर बिसवां कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके अगले दिन शारदा सहायक नहर की पटरी पर उसकी बाइक मिली। इससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई। इधर, एक जनवरी को बाराबंकी के फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र में जरखा गांव के पास पुल के नीचे नहर में एक शव बरामद हुआ। शव कई दिन पुराना था। मृतका ने पैंट, शर्ट, बेल्ट और पगड़ी पहन रखी थी। इससे उसे युवक मान लिया गया। इसी आधार पर शव को मेल श्रेणी में पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया गया। 72 घंटे तक सुरक्षित रखा गया। पुलिस ने आसपास के जिलों समेत सीतापुर सूचना प्रसारित की। सूचना पर रविवार को जगदीप सिंह अपने परिजनों और सीतापुर के सिख समुदाय के लोगों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। शव देखकर परिजनों ने उसकी पहचान महकप्रीत कौर के रूप में की। पिता जगदीप सिंह ने बताया कि शुरू में बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा था। पहले उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। बाद में पता चला कि उनके ही जिले का निशांत बेटी को परेशान कर रहा था। यह बात महकप्रीत ने अपनी छोटी बहन सहजप्रीत कौर को बताई थी। बदनामी के डर से परिजनों से यह बात नहीं बताई। बाराबंकी पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का वास्तविक कारण पता चल सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच आगे बढ़ा रही है।

# हाइब्रिड वाहनों का सबसे बड़ा बाजार बना उत्तर प्रदेश, दिल्ली और कर्नाटक ईवी अपनाने में आगे

नई दिल्ली। जहां दिल्ली, कर्नाटक और चंडीगढ़ भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की अगुवाई कर रहे हैं। वहीं उत्तर प्रदेश ने एक अलग राह अपनाते हुए देश के सबसे बड़े हाइब्रिड कार बाजार के रूप में अपनी पहचान बना ली है। 2025 में भारत में बिकने वाली हर छह स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड कारों में से लगभग एक का पंजीकरण उत्तर प्रदेश में हुआ। जो उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं को साफ तौर पर दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश की कुल कार रजिस्ट्रेशन में हिस्सेदारी 11.6 प्रतिशत रही, लेकिन हाइब्रिड कारों की बिक्री में इसका हिस्सा बढ़कर 16.2 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह अंतर बताता है कि राज्य के खरीदार ईंधन दक्षता को प्राथमिकता दे रहे हैं। लेकिन पूरी तरह से इंटरनल कंबशन इंजन (ड्डण्श्च) को छोड़ने के लिए अभी तैयार नहीं हैं। इस मामले में केवल महाराष्ट्र 14.6 प्रतिशत और दिल्ली 7.4 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ कुछ हद तक करीब नजर आते हैं। उत्तर प्रदेश में हाइब्रिड वाहनों की लोकप्रियता के पीछे सबसे बड़ा कारण राज्य की वित्तीय नीति रही। राज्य की ईवी नीति के तहत रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में छूट दी गई थी, जो 13 अक्तूबर तक लागू रही। आम तौर पर यूपी में 10 लाख रुपये से कम कीमत वाली कारों पर 8 प्रतिशत और इससे ऊपर की कारों पर 10 प्रतिशत रोड टैक्स लगता है। ऐसे में इस छूट ने खास तौर पर प्रीमियम हाइब्रिड कार खरीदने वालों को बड़ा फायदा पहुंचाया और मांग को तेज किया। दूसरी ओर, देश के कुछ हिस्सों में ट्रांजिशन की तस्वीर बिल्कुल अलग है। दिल्ली, कर्नाटक और चंडीगढ़ ईवी अपनाने के मामले में सबसे आगे हैं। दिल्ली में 2025 के दौरान कुल कार रजिस्ट्रेशन में ईवी की हिस्सेदारी 6.7 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले महज 0.3 प्रतिशत थी। चंडीगढ़ में यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जबकि कर्नाटक में ईवी की हिस्सेदारी 5.3 प्रतिशत रही, जो पिछले साल 1.5 प्रतिशत थी। ईवी अपनाने की दौड़ में आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु भी अहम योगदान दे रहे हैं। इन राज्यों में ईवी की हिस्सेदारी 4 से 5 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है। खास तौर पर दिल्ली में आने वाले समय में ईवी अपनाने की रफ्तार और तेज हो सकती है। क्योंकि राज्य सरकार नई ईवी नीति के जरिए प्रोत्साहन बढ़ाने और वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर लगाम लगाने की तैयारी में है। ये क्षेत्रीय अंतर साफ दिखाते हैं कि भारत में हरित मोबिलिटी की ओर बढ़त एक समान नहीं है। दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में, जहां चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर है और ड्राइविंग दूरी कम रहती है, वहां प्योर इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाया जा रहा है। वहीं, कर्नाटक जैसे राज्य उच्च आय और टेक-सेवी उपभोक्ताओं के दम पर ईवी ट्रांजिशन को आगे बढ़ा रहे हैं।

## मथुरा में सराफा कारोबारी की हत्या...घर में मिली खून से सनी लाश

मथुरा। मथुरा के थाना गोविंद नगर के तेलीपाड़ा, लाल दरवाजा इलाके में बुजुर्ग चांदी कारोबारी का शव घर में खून से लथपथ मिला। घर की सारी अलमारी खुली हुई थी और सामान अस्त-व्यस्त था। कारोबारी की कनपटी पर गोली लगने का निशान है। परिजनों का आरोप है की कारोबारी की गोली मारकर हत्या की गई है और घर में लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस वह फॉरेंसिक टीम घटना की जांच में जुट गई है। 60 वर्षीय चांदी कारोबारी सतीश चंद्र गर्ग अपने मकान में अकेले रहा करते थे। उनके तीन बेटे हैं जो कि बाहर रहकर नौकरी करते हैं। घर में उनके अलावा दो किराएदार भी रहते थे। रविवार सुबह जब उनकी सीढ़ियों का गेट नहीं खुला तो किराएदारों को शक हुआ। उन्होंने सतीश चंद्र के परिजनों को फोन के द्वारा सूचित किया। पुलिस के आने पर जब गेट खोल कर देखा गया तो चांदी कारोबारी अपने कमरे में पलंग पर मृत पड़े मिले।


**NAME CHANGE**
I, Nathawade Sunita Shrikant wife of JC-389546L Sub Nathawade Shrikant Shankar who's serving in 3 IDSR, c/o 56 APO declare that my name wrongly recorded in his service record as Nathawade Sunita Shrikant instead of SUNITA SHRIKANT NATHAWADE which is declared through Affidavit No IN-DL27302363691372Y dated 05/01/2026. I am applying for correction the same. Objection if any may convey to concern authority.

**NAME CHANGE**
I, NEETA TUKARAM JADHAV is legally Wife of No. 13627523A Rank-L/HAV Name-JADHAV TUKARAM RAMCHANDRA Presently resident of VILL-KHIRKHINDI, PO-EKAMBE, TEH-KOREGAON, DIST-SATARA (MAHARASHTRA)-415501, have changed my name from NEETA TUKARAM JADHAV to NITA TUKARAM JADHAV for all future purposes. vide affidavit dated 03.01.2025 Before Public Notary Delhi.

**NAME CHANGE**
I, PRAMILA is legally mother of No. 2809397M Rank HAV Name GAUTAM TENESH CHANDANLAL. presently residing VILL-HASARA POST-MITEWANI TEH-TUMSAR DIST-BHANDARA (MAHARASHTRA)-441912 have changed my name from PRAMILA to PRAMILA GOUTAM for all future purposes. Vide affidavit dated 12.12.2025 before Public Notary Delhi India.

**NAME CHANGE**
I, MAHADEO is a real father of No. 2803277X Rank HAV Name KURADE SANJAY MAHADEO presently residing VILL- KURADWADI POST- THIKPURLI TEH-RADHANAGARI DIST- KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416208,have changed my name from MAHADEO to MAHADEV SHANKAR KURADE and date of birth from 03/08/1952 to 12/08/1948 for all future purposes. Vide affidavit dated 02.01.2026 before Public Notary Delhi.

**NAME CHANGE**
I, PUSHPA is legally mother of No. 2813902F Rank HAV Name GHORPADE VIKRAM VASANT presently residing VILL- MATTYAPUR, POST-MAJGAON, TEH-SATARA, DIST - SATARA, (MAHARASHTRA)-415518 have changed my name from PUSHPA TO PUSHPA VASANT GHORPADE for all future purposes. Vide affidavit dated 03.01.2026 before Public Notary Delhi.

**सार्वजनिक सूचना**
यह सामान्य जानकारी के लिए है कि मुझे पहले नेहा डीक्रूज़ पुत्री रवि कुमार डीक्रूज़ के रूप में जाना जाता था, गली नंबर 11, 567/100 आनंद नगर आलमबाग लखनऊ 226005 और दिल्ली में पंजीकृत चिकित्सक की देखरेख में लिंग परिवर्तन चिकित्सा के बाद, मैंने अपना लिंग पुरुष के रूप में बदल लिया है, अब मुझे नेहाल डीक्रूज़ पुत्र रवि कुमार डीक्रूज़ 567/100 आनंद नगर आलमबाग लखनऊ 226005 के रूप में जाना जाता है। यह प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस संबंध में अन्य कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है। मेरे द्वारा दिया गया उपरोक्त कथन मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है। यदि किसी भी स्तर पर इस संबंध में कोई कानूनी मुद्दा उठता है तो मैं व्यक्तिगत रूप से इसके लिए जिम्मेदार रहूंगा और प्रकाशन विभाग इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले किसी भी परिणाम के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

**NAME CHANGE**
I GAUTAM S/O KISHAN KAPOOR R/O H NO-F-55,GALI NO-1, SUBHASH VIHAR NORTH GHONDA,,NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME TO GAUTAM KAPOOR

**NAME CHANGE**
I, AARTI W/o Kamal Kishor R/o 204/1, O-Block, Geeta Enclave Hastsal, Uttam Nagar, Delhi-110059, have changed my name to AARTI DUGGAL permanently

**NAME CHANGE**
I, Mohammed Zakir s/o Abdul Waheed R/o 70, Masjid Rasale Wali, Deen Dayal Sharma Marg, Timarpur, Delhi-110054 have changed my name to Mohd Zakirul Waheedi for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, NEERAJ S/o HAZARI LAL R/o C-8, GALI NO.4, EAST VINOD NAGAR, DELHI-110091 have changed my name to NEERAJ CHAUDHARY.

**Public Notice**
I hitherto known as SAHIL alias MAYANK SINDHU S/O SATISH KUMAR R/o HOUSE NO.1665, NEAR KHERI CHOWK, KHANDA KHERI(67), HISAR HARYANA-125038 have changed my name and shall hereafter be known as MAYANK SINDHU. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

**NAME CHANGE**
I, BHOITE HANAMANT MAHADEV is legally father of No. 2823576X Rank- SEP Name-BHOITE RUSHIKESH HANAMANT R/O VILL-SHERESHINDEWADI, POST-VADALE, TEH-PHALTAN, DIST-SATARA (MAHARASHTRA)-415523 have changed my name from BHOITE HANAMANT MAHADEV TO HANAMANT MAHADEV BHOITE and date of birth from 01/01/1959 to 01/06/1959 for all future purposes. Vide affidavit dated 03.01.2026 before Public Notary Delhi.

**NAME CHANGE**
I, SAKHUBAI is a real mother of No. 2803277X Rank HAV Name KURADE SANJAY MAHADEO presently residing VILL-KURADWADI POST-THIKPURLI TEH-RADHANAGARI DIST-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416208 have changed my name from SAKHUBAI to SAKHUBAI MAHADEV KURADE and date of birth from 03/08/1957 to 01/01/1958 for all future purposes. Vide affidavit dated 02.01.2026 before Public Notary Delhi India.

**NAME CHANGE**
I, HEM RAJ THAPA is legally father of No. 13778078K Rank- RFN Name-ARUN THAPA R/o VILL-RUSHA-FARM GUMANIWALA, PO-GUMANIWALA, TEH-RISHIKESH, DISTT-DEHRADUN, (UTTARAKHAND)-249204 Have Changed My Name From HEM RAJ THAPA TO HEMRAJ THAPA for all future purposes. Vide Affidavit Dated 05/01/2026 before Notary Public New Delhi

**NAME CHANGE**
I, SHREYA MANGESH NANDRNKAR is legally Wife of No. 14893649A Rank-SEP Name-MANGESH NANDRANKAR Presently resident of VPO-SHIROLI, TEH-KHANAPUR, DIST-BELAGAVI (KARNATAKA)-591302 have changed my name from SHREYA MANGESH NANDRNKAR to SHREYA MANGESH NANDRANKAR for all future purposes. Vide Affidavit Dated 05/01/2026 before Notary Public New Delhi.

**सार्वजनिक सूचना**
मेरी मुवक्किला शहनाज पत्नी नूर मौहम्मद निवासी D-364, फेस-2, जे0 जे0 कालोनी, मदनपुर बादर, सरिता विहार, नई दिल्ली - 110076, ने अपने पुत्र वाजिद एवं उसकी पत्नी सन्नों को उनके गलत आचरण व दुर्व्यवहार के कारण उनसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर उनसे अपने सभी प्रकार के पारिवारिक सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। भविष्य में इनके किसी भी कार्य के लिए मैं व मेरे परिवार का कोई भी सदस्य किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं होगा।
**मुकुल कुमार एडवोकेट**
Chamber No.371
Saket Court Complex New Delhi-110017

**NAME CHANGE**
I SUSHIL KUMAR TIWARI S/O RAMASHANKAR TIWARI R/O C-135-OLD NO-C-33-A JAWAHAR PARK DEOLI ROAD GROUND FLOOR KHANPUR DELHI- 110062, I have changed my name to SUSHEEL KUMAR Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I AASHISH CHADHA S/O BHARAT BHUSHAN R/O A- 55, AMAR COLONY QMARUDDIN NAGAR NANGLOI DELHI-110041, I have changed my name to AASHISH CHADDHA Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I BHARAT BHUSAN S/O RAMESH CHAND R/O 55 AMAR COLONY QMARUDDIN NAGAR NANGLOI DELHI-110041, I have changed my name to BHARAT BHUSHAN Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I MD YAMIN AND MOHD YAMEEN KHAN S/O MOHD YASEEN R/O H.NO 301/302, 2ND FLOOR KATRA SUJAN RAI BAZAR DELHI GATE DARYA GANJ DELHI- 110002, I have changed my name to MOHAMMAD YAMEEN Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I GAZALA GULNAR D/O ISRAIL UDDIN R/O VILLAGE WEST RAGHOPUR P.S. BAKHITYAR PUR PATNA BIHAR - 803212, I have changed my name to GAZALA GULNAZ Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I Nitesh Soni S/o Bhawani Shankar, R/o House No. 810-A, Ward No 8 , Bawari Gate Bhiwani, Dist Bhiwani, Haryana - 127021 have changed my name to Nitesh Kumar for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I hitherto know as Archana Ramchandra Gaikwad alias Archana Gaikwad D/O Laxman Patil W/O Ram Kumar Gaikwad R/O 2/51, GEETA COLONY, Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi 110031, have changed my name and shall after be known as Archana Gaikwad.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as Shyam Kumar Gaikwad alias Maruti Jagannath Gaikward S/O: Jagannath Gaikwad, R/O 8/130 G/F, Block-8, VTC: Geeta Colony, PO: Gandhi Nagar, Gandhi Nagar, East Delhi, Delhi- 110031,have change my name and shall hereafter be known as Shyam Kumar Gaikwad

**NAME CHANGE**
I hitherto known as Ram Kumar Gaikwad alias Ramchandra Jagannath Gaikwad S/O: Jagan Nath Gaikwad, R/O 2/51, Geeta Colony, VTC: Gandhi Nagar, PO: Gandhi Nagar, Gandhi Nagar, East Delhi,Delhi, 110031, have change my name and shall hereafter be known as RAM KUMAR GAIKWAD.

**NAME CHANGE**
I, Dhruv Sangari S/o Mahendra Sangari R/o I-6 Jangpura Extension South Delhi 110014 have changed my name to Dhruv Bhanu Sangari permanently

**NAME CHANGE**
I Sahabudeen S/O Ishak, R/o Rigarh(105). Mewat, Haryana-122104 have changed my name to Sahabuddin for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, hitherto known as Bhavya Upadhyaya D/o Dushyant Upadhyaya, R/o F-3, 611, Mahalaxmi Appartment, Rose Park, Shalimar Garden Extension-1, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201005, have changed my name and shall hereafter be known as Shlokaa Upadhyaya.

**NAME CHANGE**
I, DYAMAPPA GOUDAPPA KELAGERI Father of No-16133904X Rank-SPR Name-BHEEMAPPA DYAMAPPA KELAGERI Presently residing at VPO-DODAWAD, TEH-BHAILAHONGAL, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591104, have changed my name from DYAMAPPA GOUDAPPA KELAGERI to DYAMANNA GOUDAPPA KELAGERI for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, KASTURI DYAMAPPA KELAGERI Mother of No-16133904X Rank-SPR Name-BHEEMAPPA DYAMAPPA KELAGERI Presently residing at VPO-DODAWAD, TEH-BHAILAHONGAL, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591104, have changed my name from KASTURI DYAMAPPA KELAGERI to KASTURI DYAMANNA KELAGERI for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, JC-442078A Rank-SUB Name-SUSHANTH E residing at ELLATH-HOUSE, PURAKKAD-POST, THIKKODI- VILL, KOZHIKODE-DIST, KERALA-673522, have changed my wife's name from SHYJA P P to SHYJA for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, Manish S/O Darav Singh R/O 335,nagriya Kaulara,kalan Kundol,, Kolara Kalan, Fatehabad, Agra, Agra, Uttar Pradesh 283111 Have Changed My Name to Manish Yadav for All Future Purposes.

**NAME CHANGE**
I, JC-473217A Rank-SUB Name-BALRAM SINGH SISODIYA Father of ARSHITA Presently residing at VPO-RINDA, TEH+DIST-MANDSAUR, MADHYA PRADESH- 458667, have changed my minor daughter's name from ARSHITA to ARSHITA KUNWAR SISODIYA for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I Dhanwant Singh Gabri S/o Ranjeet Singh, R/o B1/214 Janakpuri, West Delhi, Delhi-110058 have changed my name to Dhanwant Singh for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I Jaspreet Kaur Gabri W/o Dhanwant Singh, R/o B1/214 Janakpuri, West Delhi, Delhi-110058 have changed my name to Jaspreet Kaur for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I, Mohd Rashid Hussain S/o Ali Hussain R/o B-82/A, First Floor, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, Okhla, Delhi-110025 have changed my name to Rashid Hussain.

**NAME CHANGE**
I, MUJEEB HILAL KHAN S/O HILAL AHMED KHAN R/O HOUSE NO. 1617, GALI TAJRAN, SUIWALAN, DARYA GANJ, NEW DELHI -110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM MUJEEB HILAL TO MUJEEB HILAL KHAN FOR ALL PURPOSES.

**NAME CHANGE**
I, FARZANA MUJEEB W/O MUJEEB HILAL KHAN R/O HOUSE NO. 1617, GALI TAJRAN, SUIWALAN, DARYA GANJ, NEW DELHI - 110002, HAVE CHANGED MY NAME FROM FARZANA TO FARZANA MUJEEB FOR ALL PURPOSES.

**NAME CHANGE**
I, MANJU wife of NO-16012046X, Rank-HAV, Name-DARA SINGH residing at VILL-DOOMERA, PO-KHEDLY SHYYAD, TEHSIL & DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301030, have changed my name from MANJU to MANJU DEVI for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/02/1983 instead of my correct date of birth as 02/01/1983 Vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, DEVI SINGH DALAL Son of NO-16012046X, Rank-HAV, Name-DARA SINGH residing at VILL-DOOMERA, PO-KHEDLY SHYYAD, TEHSIL & DIST-ALWAR, RAJASTHAN-301030, have changed my name from DEVI SINGH DALAL to DEVI SINGH for all future purposes Vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public Delhi.

**NAME CHANGE**
I, KUSHABRATA DAS S/O KAMAL DAS R/O Flat No-608 Tower A3, Panchsheel Green 1, Sec 16B Greater Noida West, Bishrakh, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201306 have changed the name of my minor son ADVIK DAS aged 4 years and he shall hereafter be known as AYUSHMAN DAS.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as NISHA PANWAR alias NISHA RAWAT D/O MADAN SINGH RAWAT W/O CHANDER KANT R/O G16B Tower-16 Gulmohar Greens, Near Hindon Airforce, Mohan Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201007 have changed my name and shall hereafter be known as NISHA PANWAR.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as SUMIT S/O BALBIR R/o B-36 A, Phase-1, Budh Vihar, Delhi-110086 have changed my name and shall hereafter be known as SUMIT SAXENA.

**NAME CHANGE**
I RADHIKA AGARWAL D/O RAJ KUMAR AGARWAL R/O House Number 2ND C/211, Nehru Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201001, do hereby solemnly affirm and declare that, I have embraced HINDUISM Religion and renounced JAINSIM Religion with effect from 25.08.2025. I have changed only my religion not my name.

**NAME CHANGE**
I hitherto known as VIJENDER SINGH S/O NAIN SINGH R/O 604, SECTOR-2B, VASUNDHRA, PO VASUNDHRA, DISTRICT GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201012, have changed my name and shall hereafter be known as BIJENDRA PAL.

**NAME CHANGE**
I, Saurabh Bhardwaj S/o Rajesh Kumar Bhardwaj R/o House No.1493, Gali No.5, Wazir Nagar Mubarakpur Kotla, Lodhi Road, Delhi-110003 have changed the name of my minor son from Shorya Bhardwaj to Shaurya Bhardwaj.

**NAME CHANGE**
I, Bhawna Bhardwaj W/o Saurabh Bhardwaj R/o House No.1493, Gali No.5, Wazir Nagar Mubarakpur Kotla, Lodhi Road, Delhi-110003 have changed my name to Bhavna Bhardwaj.

**NAME CHANGE**
I,Narender Kumar S/O Ascharaj Lal Arora R/O 305/9 1st Floor Amrit puri B Garhi East Of Kailash New Delhi 110065 changed my name to Narender Kumar Arora.

**NAME CHANGE**
I VIKASH GOYAL S/O HARIPAL GOYAL R/O 52/8 GROUND FLOOR, OLD RAJINDER NAGAR, DELHI-110060 have changed my name to VIKAS GOYAL for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I,Shahzabi W/O Mohammad Rashid R/O B-264, main 33 futa road bhagirathi vihar mustafabad delhi 110094 changed my name to Shahjabi.

**NAME CHANGE**
I MOMINA KHATOON W/O KAFIL AHMED R/O C-144 RAJDHANI PARK MUNDKA NANGLOI DELHI-110041, I have changed my name to MOMINA Permanently for all Future purpose

**NAME CHANGE**
I, Anita Rawt W/O Jasveer Singh R/O E304 Trident Embassy, Sector-01, Greater Noida West, Surajpur, Gautam Budha Nagar, Up - 201306 Have Changed My Name to Anita Rawat for All Future Purposes.

**NAME CHANGE**
I, Manish S/O Darav Singh R/O 335,nagriya Kaulara,kalan Kundol,, Kolara Kalan, Fatehabad, Agra, Agra, Uttar Pradesh 283111 Have Changed My Name to Manish Yadav for All Future Purposes.

**NAME CHANGE**
I, TINTU VIJO wife No.-15701165K, Rank-HAV, Name-VIJO C VARGHESE residing at CHERUVATHUR HOUSE, MANNARKKAD 1, PO-MANNARKKAD COLLEGE, KUMARAMPUTHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678583, have changed my name from TINTU VIJO to TINTU KUNHUKUNHAN C V for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I,Satya Prasad Lakhera.s/o. Govind Ram R/O.B-97/2 sangam park khora colony ghaziabad.201001.Have changed my name to Satya Prasad all future purpose.

**NAME CHANGE**
It is for general information that I SEEMA D/O LACHHU RAIKWAR R/O N-71, A-455, First Floor, Magzine Road, Harijan Basti, Old Civil Lines, North Delhi, Delhi-110054, declare that name of my father and my mother have been wrongly written as LAKSHMAN and PARVATI in my 10th and 12th Class educational documents. The actual name of my fathar and my mother are LACHHU RAIKWAR and SHUDDHAN RAIKWAR respectively, which may be amended accordingly.

**NAME CHANGE**
I Kuldeep Pal S/o Jeevan Lal R/o Gaus Nagar, Madiyaon, Lucknow, PO- Jankipuram, Dist- Lucknow, Uttar Pradesh - 226021, have changed my name to Arjun Pal.

**Public Notice**
It is for general information that I, YASH PAL ARORA S/o CHUNI LAL ARORA, R/o 706, Orchid Tower, Fragrance Homes, Siddharth Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201009, declare that name of mine has been wrongly written as Y P ARORA in my wife namely Late. REKHA ARORA Northern Railway Pention Payment Order No. 20150301000466. The actual name of mine is YASH PAL ARORA, which may be amended accordingly.

**PUBLIC NOTICE**
I/we (1) NARESH KUMAR s/o Amar Singh and (2) RAJ KUMARI W/o Shri Naresh Kumar, both r/o H.Ho. 4/2389, Gali No.11, Bihari Colony, Shahdara, Delhi-32. Has severed all relationship with his/her son VIKAS KUMAR his wife PINKI also children THUSHAR (Minor) and has DEBARRED & DISOWNED them from all our move able and immoveable properties. Due to their misconduct/mis-behaviour absolutely & forver anybody dealing with him shall do so at his/her own cost and risk.

**NAME CHANGE**
I, Nishar Mohd s/o Shah Mohammad R/o H No.B-14/89, Gali No.13, Near Noorani Masjid, Subhash Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Nisar Mohd all future purposes.

**NAME CHANGE**
I DELIP KUMAR KHANDELWAL S/O CHANDA LAL KHANDELWAL R/O FLAT N0-1 NE-5 QUEENS PARK BALLYGUNGE KOLKATA WEST BENGAL-700019 HAVE CHANGE MY NAME TO DILIP KUMAR KHANDELWAL FOR ALL PURPOSE

**NAME CHANGE**
I CHARAN SINGH S/O CHITTER SINGH R/O 1004 SECTOR-7 RK PURAM SOUTH WEST DELHI-110022 HAVE CHANGE MY NAME TO CHARAN SINGH NIM FOR ALL PURPOSE.

**NAME CHANGE**
I, MOHAMMAD DANISH S/o MOHAMMED ASLAM R/o House No 1502 SARAI KHALIL SADAR BAZAR Delhi- 110006 have changed my name to DANISH KHAN S/o ASLAM KHAN for all future purposes

**NAME CHANGE**
I PRAVIN S/O MAN SINGH R/O D-61 BLOCK D JAWAHAR PARK DEOLI ROAD KHANPUR PUSHPA BHAWAN SOUTH DELHI 110062 HAVE CHANGED MY NAME TO PRAVEEN KUMAR

**NAME CHANGE**
I SHAHNAWAZ S/O SHAKEEL AHMAD R/O E-93 GALI NO-4 CHAND BAGH KARAWAL NAGAR NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD SHAHNAWAZ

**NAME CHANGE**
I SHAKEEL S/O NATTHU KHAN R/O H NO-E-93,GALI NO-4, CHAND BAGH,KARAWAL NAGAR ,NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAKEEL AHMAD

**NAME CHANGE**
I, BHAGWATI ADHIKARI D/O DHAN SINGH ADHIKARI W/O DAYAL SINGH, R/O R-5-33/B, GALI NO-4, MOHAN GARDEN, D.K. MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110059, have changed my name from BHAGWATI ADHIKARI D/O DHAN SINGH ADHIKARI W/O DAYAL SINGH, to BHAWNA SHAHI D/O DHAN SINGH ADHIKARI W/O DAYAL SINGH for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I Panmasawari Devi w/o Ranbir singh R/o D-32 Green Valley Apartment, Sector 18, Rohini Sector 15 S.o, North West Delhi, Delhi, 110089 have changed my name to Panmeshwari for All future purposes.

**NAME CHANGE**
I, Raj kumar Arora So Rattan Chand Arora R/o H.No.52/1, Old Rajender Nagar, Rajender Nagar, Delhi-110030 have changed my name to Raj Kumar.

**NAME CHANGE**
I, Raj Shri Arora W/o Raj kumar Arora R/o H.No.52/1, Old Rajender Nagar, Rajender Nagar, Delhi-110030 have changed my name to Rajshree Arora.

**NAME CHANGE**
I Dev Kumar S/0 Praveen Kumar Yadav Add 6112/3 D-6 Santushti Apartments Near Flyover Vasant Kunj New Delhi 110070 changed my name Dev Kumar Yadav

**NAME CHANGE**
I Harish Chand S/0 Ram Gulam Add. B-16 South Anarkali Gali No 8 Near Baba Balaknath Krishna Nagar Delhi 110051 Changed my name Harish Chander

**NAME CHANGE**
I Paruti W/0 Harish Chander Add. B-16 South Anarkali Gali No 8 Near Baba Balaknath Krishna Nagar delhi 110051 Changed my name Parbati

**NAME CHANGE**
I Sanjay Singh Rawat S/0 Late Nandan Singh Rawat Add.1601B/13 5th Floor Govindpuri Kalkaji New Delhi 110019 Changed my name Sanjay Singh

**NAME CHANGE**
I Manish Jain S/O Vimal Kumar Jain, B-35, Tarang Apartments, 19, I. P. 2 Extension, Patparganj, Shakarpur, East Delhi, Delhi, 110092, have change the name of my minor daughter Mokshita Jain aged 2 years and she shall hereafter be known as AARADHYA JAIN.

**NAME CHANGE**
I Jyoti Rani W/O Parveen Kumar R/O. G-55, DESI Colony, Delhi-110007 changed my name to Jyoti for all purpose.

**NAME CHANGE**
I Manas Kumar Tripathy S/o Parshuram Tripathy r/o Flat no. A-4, Osho Driver,Green Valley Apartment,Gadaipur South Delhi do hereby inform/declare you all that my Son name has been changed from Anshuman Padhy to Anshuman Tripathy s/o Manas Kumar Tripathy for all future purposes.

**NAME CHANGE**
I Vicky s/o Amarpal R/o H.N.75 Jonapur South Delhi 110047 hereby inform/declare you all that my son name has been changed Dipanshu to Dipansh Ambawtaa s/o Vicky for all future

**NAME CHANGE**
I, Preeti Tyagi W/o Vaibhav Gupta R/o Site No.11, Plot No.3, Upper Ground floor, West Patel Nagar, Delhi-110008, have changed my name from Preeti Tyagi to Preeti Gupta for all future purpose.

**NAME CHANGE**
I, KAVITA W/O Vijay Kumar R/o H.No. 2254/10, Ram Gopal Colony, Rohtak, Haryana-124001, have changed my minor Daughter name from CHHAVI to CHHAVI KADYAN Permanently.

**NAME CHANGE**
I, ASGHAR ALI S/O NAZMOOL HUDA RESIDING AT HOUSE NO. B-336, MAIN ROAD NEAR BULAND MASJID SHASTRI PARK THEKA DELHI 110053 HAVE CHANGED MY NAME FROM ASGHAR ALI TO MOHD KAMALUDDIN FOR ALL FUTURE PURPOSE.

**NAME CHANGE**
I, KUMARI SUMAN YADAV Wife of No-8038893A Rank-L/NK Name-NIKESH YADAV Presently residing at AMARA URF JHULANIPUR, MAHARAJGANJ, UTTAR PRADESH-273304, have changed my name from KUMARI SUMAN YADAV to KM SUMAN YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2025 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, JC-314806K Rank-NB SUB Name-JOHNSON K R/o 18/82A, NANKAVILAI, METHUKUMMAL, SOORIACODE, VILAVANCODE, DIST- KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU-629153, have changed my minor daughter's name from JM NISHITHA to NISHITHA J M for all future purposes vide affidavit dated 05/01/2026 Before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, S SIVASAKTHI Wife of No-17022361X Rank-CFN Name-GOPALAKRISHNAN K Presently residing at H NO-168, PILLAIYAR KOIL STREET, VPO-SE. NACHIPATTU, TEH-CHENGAM, DIST-TIRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-606709, have changed my name from S SIVASAKTHI to SIVASAKTHI for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2025 before Notary Public, Delhi.

**NAME CHANGE**
I, CHANCHAL CHAUHAN wife of No.-15434190K, Rank-NK, Name-RAKESH CHAUHAN residing at VPO-MADHASIA, TEHSIL-NIZAMABAD, DIST-AZAMGARH, UTTAR PRADESH-276208, have changed my name from CHANCHAL CHAUHAN to CHANCHAL CHOUHAN for all future purposes vide Affidavit dated 05/01/2026 before Notary Public, Delhi.



**कौमी पत्रिका**
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
**Corporate Office:** 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
**E - mail address :** qpatrika@gmail.com
**Website:** www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
**Legal Advisors:**
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

# हरियाणा में बिगड़ती कानून-व्यवस्था चिंता का विषयः कुमारी सैलजा

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। प्रदेश में बढ़ते अपराध, लूटपाट, महिलाओं के खिलाफ जघन्य वारदातें और आम नागरिकों में फैलता भय इस बात का स्पष्ट संकेत है कि राज्य में कानून का शासन कमजोर पड़ चुका है। यह कहना है सिरसा की सांसद, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री कुमारी सैलजा का। कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कहा कि हाल ही में करनाल में सर्राफा व्यापारी पर हुए नृशंस हमले और पानीपत में महिला की निर्मम हत्या जैसी घटनाएं प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। अपराधी खुलेआम वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और आम आदमी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है, जबकि सरकार हालात पर नियंत्रण पाने में पूरी तरह विफल नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि गांव-शहर, बाजार-सड़क कोई भी जगह सुरक्षित नहीं रह गई है। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध समाज के लिए कलंक हैं और यह स्थिति हरियाणा जैसे प्रगतिशील प्रदेश के लिए अत्यंत चिंताजनक है। केवल बयानबाजी से नहीं, बल्कि ठोस और सख्त कार्रवाई से ही अपराध पर लगाम लगाई जा सकती है। खुद मुख्यमंत्री को इस ध्यान देकर स्थिति को संभालना होगा।

# वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के विरोध में माकपा का प्रदर्शन, पंचकूला में गूंजे साम्राज्यवाद विरोधी नारे

**पंचकूला।** भारत की मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी, सीलिया फ्लोरेस के अपहरण की कड़ी निंदा करती है। यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर का खुलेआम उल्लंघन है। क्योंकि यह एक संप्रभु राष्ट्र पर किया गया हमला है। माकपा कार्यकर्ताओं ने पंचकूला के 11/15 के शहीद भगत सिंह चौक पर प्रदर्शन कर साम्राज्यवादी अमरीका मुर्दाबाद, वेनेजुएला पर हमले बंद करो, राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी को रिहा करो के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों को सम्बोधित करते हुए माकपा जिला सचिव सतीश सेठी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तानाशाही बढ़ती जा रही है। यही नहीं ट्रम्प ने अपने संबोधन में कहा कि वे वेनेजुएला के तेल भंडार पर कब्जा कर लेंगे, जिससे इस हमले के पीछे की असली मंशा साफ हो गई है। यही नहीं अमेरिकी विदेश मंत्री, मार्को रुबियो ने तो एक कदम और आगे बढ़कर चेतावनी दी कि क्यूबा और मैक्सिको उनके अगले निशाने पर होंगे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति 2025 जारी होने के कुछ दिनों बाद आए ये बयान यह साफ करते हैं कि अमेरिकी साम्राज्यवाद पूरी दुनिया पर अपना दबदबा कायम करना चाहता है, भले ही इसके लिए सैन्य हमले करने पड़ें। अमेरिका बदनाम मोनरो सिद्धांत के ट्रंप संस्करण को थोपना चाहता है, जो पूरे पश्चिमी गोलार्ध को अपना पिछवाड़ा मानता है और अपनी मनमानी चलाना चाहता है।

# हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण केरल की 4 दिवसीय यात्रा पर

**चंडीगढ़।** हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण 4 दिवसीय केरल यात्रा के लिए रवाना हुए। इस यात्रा का उद्देश्य संसदीय परंपराओं का अध्ययन और विधायी कामकाज की बारीकियां साझा करना है। इस यात्रा के दौरान हरविन्द्र कल्याण केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके बाद वे केरल विधान सभा के अध्यक्ष ए.एन. शमसीर से संसदीय विषयों पर मुलाकात करेंगे। इस दौरान विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण केरल विधान सभा का भी अवलोकन करेंगे। केरल रवाना होने से पूर्व

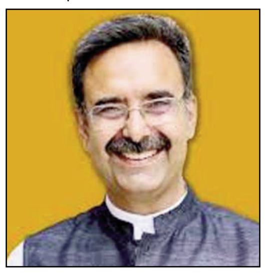

विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि उनकी यह केरल यात्रा हरियाणा और केरल के संसदीय अनुभवों का साझा करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

# सन्नी देओल व बॉबी देओल को पंजाब रॉयल्स टीम का बनाया जाएगा ब्रांड एम्बेसडर

**गुरुग्राम।** प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 की खिलाड़ी नीलामी में पंजाब रॉयल्स ने अपनी टीम को मजबूत बनाने के लिए कई दिग्गज पहलवानों पर बड़ा दांव लगाया। छह साल बाद वापसी कर रही इस लीग की नीलामी में पंजाब रॉयल्स ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय स्टार्स को शामिल कर एक संतुलित स्क्वाड तैयार किया है। पंजाब रॉयल्स के कॉ-ऑनर गुरुग्राम लोकसभा से चुनाव लड़ चुके धर्मपाल राठी के नेतृत्व में टीम दो बार खिताब जीत चुकी है। इस टीम के ब्रांड अम्बेस्टर फिल्म अभिनेता धर्मेन्द्र थे, लेकिन उनके निधन के बाद अब सनी देओल और बॉबी देओल को ब्रांड अम्बेस्टर बनाया जाएगा। नीलामी में पंजाब रॉयल्स ने कुल 12 पहलवानों को खरीदा, जिसमें पुरुष और महिला दोनों कैटेगरी के खिलाड़ी शामिल हैं। टीम के पुरुष वर्ग में चिराग छिक्कारा (भारत, 57 कि.ग्रा.), इस्लाम दुदाएव (अल्बानिया, 65 कि.ग्रा.), चंदर मोहन (भारत, 74 कि.ग्रा.), अदा बागोमेदोव (रूस, 86 कि.ग्रा.), दिनेश गुलिया (भारत, 125 कि.ग्रा.), अकाश (भारत, 125 कि.ग्रा.)। महिला वर्ग में मीनाक्षी (भारत, 53 कि.ग्रा.), रोकसाना जासिना (पोलैंड, 57 कि.ग्रा.) बेस प्राइस पर खरीदी। राजनीता (भारत, 57 कि.ग्रा.), एना गोदिनेज (कनाडा/प्यूर्टो रिको, 62 किग्रा), रौनक गुलिया (भारत, 62 कि.ग्रा.), प्रिया मलिक (भारत, 76 कि.ग्रा.) को खरीदा गया।

# हरियाणा में इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्क बनाने की योजना हो रही तैयार : नायब सैनी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक व्हीकल का है इसलिए सरकार इलेक्ट्रिक व्हीकल पार्क बनाने की योजना तैयार कर रही है। गुरूग्राम में इलेक्ट्रिक व्हीकल बेट्री की एक बड़ी इण्डस्ट्री लेकर आए है। सरकार उद्योगों को गति प्रदान करने के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चण्डीगढ़ निवास पर ओएसडी तरूण भण्डारी के नेतृत्व में आए पंजाब के उद्योगपतियों के प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के ओएसडी बीबी भारती भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मेक इन इंडिया, लोकल फोर वोकल - विषय के साथ भारत को गति से आगे ले जाने में देश में बने हुए सामान का उपयोग करने पर बल दिया। इसका श्रेय भी उद्योगपतियों को ही जाता है। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों ने उद्यमशीलता व नवाचार के साथ देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाया है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवस्थित ढंग से

उद्योगों को गति प्रदान की है, उनके सांझा विचारों के बेहतर परिणाम निकल कर सामने आए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया की 5वीं अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया था, जबकि भारत विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बन गया। इसके लिए सभी उद्योगपति बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की एमएसई-सीडीपी योजना के अलावा प्रदेश में मिनी क्लस्टर विकास योजना शुरू की गई है। इन योजनाओं के तहत 48 एमएसएमई क्लस्टरों में 170 करोड़ रूपए की योजनाओं पर काम चल रहा है। इनसे हरियाणा में 8 हजार से अधिक एमएसएमई लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में उद्योगपतियों के लिए व्यवस्था प्रणाली को दुरुस्त कर उद्योगों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों जापान दौरे के दौरान उद्योगपतियों का बहुत अच्छा रिस्पोंस मिला जिसमें 5000 करोड़ रुपए के निवेश में से 2000 करोड़ रुपए का निवेश शुरू हो गया है और कई उद्योगपतियों ने जमीन का चयन कर लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप उद्योगपतियों के हित में सुझावों को अमलीजामा पहना रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्री बजट बैठकें आयोजित कर सुझाव लिए जा रहे हैं और उन्हें बजट में समाहित किया जा रहा है। यदि कोई उद्योगपति उनसे मिलना चाहता है तो उनके द्वार सदैव खुले है। बेझिझक किसी भी समय कोई भी उनसे आकर मिल सकता है।

# नूंह जिला अध्यक्ष आस मोहम्मद की संयुक्त टीम की गरिमामयी उपस्थिति, केंद्रीय मंत्री को मेवात आने का दिया न्योता

एजेंसी

**नूंह।** हरियाणा यूनियन वर्किंग ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट संगठन की ओर से पलवल जिले में भव्य पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पलवल जिला अध्यक्ष भगत सिंह तेवतिया ने किया। समारोह में पलवल, नूंह और फरीदाबाद जिलों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया और पत्रकारिता की एकजुटता का परिचय दिया। इस गरिमामयी समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर रहे। वहीं पलवल जिले के उपायुक्त एवं पूर्व मंत्री हर्ष कुमार तथा पलवल के पूर्व विधायक दीपक मंगला भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हरियाणा यूनियन वर्किंग ऑफ जर्नलिस्ट संगठन के नूंह जिला अध्यक्ष आस मोहम्मद अपनी संयुक्त टीम के साथ मौजूद रहे, जिनकी सक्रिय भागीदारी सराहनीय रही।

समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने संगठन के कार्यों की प्रशंसा करते हुए पलवल जिला इकाई को 11 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। वहीं पूर्व मंत्री हर्ष कुमार ने संगठन को 1 लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा कर पत्रकार हितों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इन घोषणाओं से उपस्थित पत्रकारों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि पत्रकार समाज और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं। लोकतंत्र को मजबूत करने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता ही समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करती है।इस अवसर पर नूंह जिला अध्यक्ष आस मोहम्मद ने केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर को मेवात क्षेत्र में आने का औपचारिक न्योता दिया।

# कुरुक्षेत्र में पत्नी की हत्या के बाद पति ने किया सुसाइड, दो बच्चों के सिर से उठा माता-पिता का साया

एजेंसी

**कुरुक्षेत्र।** हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दबखेड़ा गांव में एक युवक ने पहले अपनी पत्नी की बेल्ट से गला घोंटकर हत्या कर दी और इसके बाद गांव के तालाब (जोहड़) में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना रविवार देर रात करीब एक बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस सोमवार तड़के मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लिया। गोताखोरों की मदद से करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद युवक का शव तालाब से बाहर निकाला गया। मृतकों की पहचान रणदीप सिंह (35) और उसकी पत्नी निशा (32) के रूप में हुई है। दंपती के दो छोटे बच्चे हैं। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल घटना के पीछे की असली वजह सामने नहीं आई है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला के मोबाइल फोन पर बार-बार कॉल और मैसेज आ रहे थे, जिसको लेकर पति-पत्नी के बीच अनबन की आशंका जताई जा रही है। साथ ही विदेशी नंबर से कॉल आने और पैसे ट्रांसफर किए जाने की बात भी सामने आई है, जिसकी जांच की जा रही है। गांव के सरपंच प्रतिनिधि स्वर्ण सिंह के अनुसार, घटना से एक दिन पहले रणदीप उनसे मिला था और पत्नी से तलाक लेने की बात कही थी। वह थाने भी गया था, लेकिन वहां कोई नहीं मिलने पर वापस लौट आया। सरपंच प्रतिनिधि ने बताया कि दंपती के बच्चों के अनुसार उनके बीच किसी तरह का झगड़ा नहीं हुआ था और वे गुरुद्वारे भी गए थे।

# सेवा और समर्पण का प्रतीक हैं भाजपा कार्यकर्ता : बड़ौली

## कांग्रेस छोड़कर आए सैकड़ों लोग भाजपा में हुए शामिल

एजेंसी

**सोनीपत।** सोनीपत में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने वार्ड नंबर एक स्थित प्रजापति धर्मशाला, जटवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस छोड़कर आए सैकड़ों लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई। यह कार्यक्रम महेश प्रजापति की अगुवाई में आयोजित किया गया। पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों का स्वागत करते हुए उन्हें भाजपा का पटका पहनाया गया और संगठन में पूरा मान-सम्मान दिए जाने का भरोसा दिलाया गया।

मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता

संगठन और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा समाज के सुख-दुख में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। सेवा और समर्पण भाजपा कार्यकर्ताओं की पहचान है, जो उन्हें अन्य दलों से अलग बनाती है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार लोककल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। सरकार का लक्ष्य सबका साथ और सबका विकास है। बिना भेदभाव के विकास कार्य कराए जा रहे हैं और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार मिल रहा है। आयुष्मान और चिरायु योजना के तहत गरीब परिवारों को निशुल्क उपचार की सुविधा दी जा रही है। बड़ौली ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूल मंत्र पर चलते हुए हरियाणा को विकसित राज्य बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में विधायक पवन खरखौदा, जिला महामंत्री तरुण देवीदास, प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार कटारिया, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

# झूठे वादों से सत्ता में आकर पंजाब का शोषण कर रही है आआपा सरकार : नायब सैनी

एजेंसी

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा पंजाब सरकार में शामिल लोगों ने झूठे वादे करके सत्ता तो हथिया ली, लेकिन चार साल बीतने के बावजूद लोगों के हित में काम करने की बजाए पंजाब का शोषण किया जा रहा है। सैनी ने हरियाणा-पंजाब सीमा के निकट स्थित पटियाला के घनौर की अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि पंजाब को नशाखोरी, बेरोजगारी और वादा खिलाफी ने बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा सरकार बनने पर हरियाणा की तर्ज पर विकास करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक समय में हरियाणा में भी कहा जाता था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का माहौल नहीं है। वर्ष 2014 के बाद ऐसा समय आया, आज वहां लगातार तीसरी बार

भाजपा की सरकार है। इसी तर्ज पर पंजाब में भी भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने सत्ता में आने से पहले पंजाब को नशामुक्त बनाने की बात कहकर यहां नशे को बढ़ा दिया है। युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था। हालात ये हैं कि आज चार साल बाद भी आम आदमी पार्टी की सरकार ने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। इन्होंने वादा किया था कि महिलाओं को एक हजार रुपये देंगे। आज तक नहीं दिए गए। बुजुर्गों को 2500 रुपये पेंशन देने की बात कही थी, आज तक भी 1500 रुपये दी जाती है, वह भी तीन से चार महीनों देरी से मिलती है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा में भाजपा ने वादा किया था कि सरकार बनने पर महिलाओं को पांच सौ रुपये में सिलेंडर और 2100 रुपये दिए जाएंगे। सरकार बनते ही हरियाणा में पांच सौ रुपये में सिलेंडर देने की योजना लागू कर दी गई और अब प्रदेश में लाडो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को 2100 रुपये देकर वादा पूरा कर दिया है। हरियाणा में बुजुर्गों को 3200 रुपये पेंशन दी जा रही है, जो पूरे देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस ने भर्ती पर रोक लगवा दी थी। इसके बाद उन्होंने युवाओं से वादा किया था कि वे शपथ बाद में लेंगे और युवाओं को नियुक्ति पत्र पहले देंगे। जैसे ही भाजपा की सरकार आई, शपथ बाद में ली और 25000 युवाओं को नियुक्ति पत्र देकर वादा पूरा किया। हरियाणा में किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। सैनी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा में प्रस्ताव पारित कर श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को नमन किया गया और उनके 350वें शहीदी साल को मनाते हुए एक माह तक लगातार प्रदेश में कार्यक्रम किए गए। उन्होंने कहा कि पंजाब में शाम पांच बजे के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार के दरवाजे बंद हो जाते हैं।

# 11 जनवरी को होने वाले स्कूल उद्घाटन से पहले भाजपा पार्षद तौफीक ने गवर्नमेंट स्कूल का किया गहनता से निरीक्षण

एजेंसी

**नूंह ।** 11 जनवरी को हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री महिपाल द्वारा प्रस्तावित गवर्नमेंट स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम से पहले भाजपा पार्षद तौफीक ने स्कूल परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं, साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। भाजपा पार्षद तौफीक ने स्कूल भवन, कक्षाओं, शौचालयों, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, खेल मैदान और स्कूल परिसर की स्वच्छता का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्कूल स्टाफ और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्घाटन कार्यक्रम से पहले सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं, ताकि कार्यक्रम सुचारु और गरिमापूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। निरीक्षण के दौरान पार्षद तौफीक ने शिक्षकों से विद्यार्थियों की उपस्थिति, पढ़ाई की स्थिति और स्कूल में उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है और सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। भाजपा पार्षद ने कहा कि शिक्षा मंत्री महिपाल द्वारा स्कूल का उद्घाटन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे स्थानीय बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें और शिक्षा के प्रति जागरूक रहें। निरीक्षण के दौरान स्कूल स्टाफ, स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने उद्घाटन कार्यक्रम को सफल बनाने और स्कूल के विकास में सहयोग देने का भरोसा दिलाया। स्कूल उद्घाटन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

# वर्षों से सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगी श्री अग्रवाल सेवा समिति : सावित्री जिंदल

## श्री अग्रवाल सेवा समिति के विशाल वार्षिक उत्सव में छात्र छात्राओं ने दी

एजेंसी

**हिसार।** श्री अग्रवाल सेवा समिति का 30 वां विशाल वार्षिक उत्सव अग्रसेन भवन में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने की जबकि विधायक सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि रही। नारायण दास बंसल, श्रीमती शकुंतला राजलीवाला, अंजनी खारिया वाला, पवन रावलवासिया, डाक्टर पुनीत गोयल, रामकुमार रावलवासिया, नीरज आर्य, विनोद जैन, शशि लोहिया, कृष्ण कुमार ऐरन, विवेक गोयल, विपिनगोयल, अमित सिंगल, अनिल गुप्ता, संजय गुप्ता, रामबाबू अग्रवाल, बलराज मित्तल, ईश्वर दास गर्ग विशिष्ट अतिथि थे। विधायक सावित्री जिंदल ने रविवार को कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीअग्रवाल सेवा समिति अनेक वर्षों से सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगी हुई है। समाज के जरूरतमंद परिवारों को राशन वितरण, दवाइयां, कन्याओं की शादी करने जैसे धार्मिक कार्य कर रही है, जो बहुत सराहनीय में लगी हुई है। समिति के प्रधान शिव कुमार गोयल ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और समिति के

कार्य है। समिति के माध्यम से सैकड़ों परिवारों को अनेक वर्षों से लाभ मिल रहा है। व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने संबोधित करते हुए कहा कि नर सेवा नारायण सेवा है। मानव सेवा से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि श्री अग्रवाल सेवा समिति महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलकर जनता की सेवा सारे लेखा-जोखा के बारे में बताया। कार्यक्रम पीजीएसडी शिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राओं ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, हरियाणवी, पंजाबी गीत, देशभक्ति व श्री राधा कृष्ण की सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत की। सावित्री जिंदल व बजरंग गर्ग ने स्कूल के छात्र-छात्रों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

# पानीपत में भारतीय खेत मजदूर संघ ने जलाई मनरेगा के नए कानून की प्रतियां

एजेंसी

**पानीपत।** पानीपत के ढोडपुर गांव में अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन ने केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए '' कानून वीबी जी राम जी का विरोध किया। यूनियन ने मनरेगा को बचाने और रोजगार के अधिकार की मांग करते हुए 'वीबी जी राम जी ' की प्रतियों को भी रूप में चूल्हे में जलाया। बैठक अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन की प्राथमिक इकाई और गांव कमेटी द्वारा सरोज देवी के आवास पर की गई। बैठक में यूनियन के राज्य संयुक्त सचिव राजेंद्र ने अपने संबोधन में कहा कि 'वीबी जी राम जी' कानून इस सरकार द्वारा जबरदस्ती थोपा गया कानून है। उन्होंने कानून के प्रावधानों और उसके प्रभावों के बारे में जानकारी दी। राजेंद्र ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करने के लिए 'वीबीग्रामजी' लेकर आई है। मनरेगा जहां वर्षभर रोजगार का अधिकार देता है, वहीं 'वीबी जी राम जी' में फसल सीजन के दौरान 60 दिनों तक काम पर रोक रहेगी। उन्होंने बताया कि मनरेगा में 90फीसदी बजट केंद्र सरकार देती है, जबकि 'वीबी जी राम जी' में 40फीसदी खर्च राज्य सरकारों को उठाना होगा, जिनके पास पहले से ही बजट की कमी है।

उन्होंने बताया कि मनरेगा में मजदूर न्यूनतम काम पूरा करने के बाद अपने घरेलू कार्यों में समय दे सकते हैं, लेकिन 'वीबी जी राम जी' में जियो ऐप पर ऑनलाइन हाजिरी लगाने के लिए सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक कार्यस्थल पर मौजूद रहना अनिवार्य होगा, जिससे मजदूरों पर अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा। यूनियन ने मांग की कि मनरेगा के तहत कार्य दिवस बढ़ाकर 200 दिन किए जाएं और मजदूरी 700 रुपये प्रतिदिन तय की जाए। बैठक के बाद खेत मजदूर यूनियन के कार्यकर्ताओं और गांव कमेटी के सदस्यों ने 'मनरेगा बचाओ, रोजगार बचाओ' के नारे लगाते हुए वीबी जी राम जी' की प्रतियों को सांकेतिक रूप से चूल्हे में जलाया। इस अवसर पर बैठक में रीना, सुमन, सावित्री, रजनी, सरोज, रामकिशन, माया और नीरज सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# हिसार पुलिस ने संपत्ति विरुद्ध अपराधों में 745 वारदातों को सुलझाया

## 6.68 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद

एजेंसी

**हिसार।** जिला पुलिस ने बीते वर्ष के दौरान जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने व संपत्ति विरुद्ध अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से निरंतर, सुनियोजित एवं सख्त कार्रवाई की। जिला पुलिस की सभी थाना, चौकी एवं अपराध शाखाओं ने समन्वय के साथ कार्य करते हुए चोरी, गृह भेदन, लूट, छीना-झपटी, डकैती एवं वाहन चोरी जैसे अपराधों में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने रविवार को बताया कि वर्ष 2025 में हिसार पुलिस ने संपत्ति विरुद्ध अपराधों की कुल 745 घटनाओं को सुलझाते हुए 6 करोड़ 68 लाख रुपये मूल्य की चोरीशुदा संपत्ति बरामद की जिससेआमजन में सुरक्षा की भावना भी और अधिक मजबूत हुई है। वर्ष 2025 में हिसार पुलिस ने चोरी की 340 घटनाओं

का खुलासा किया। इन मामलों में 414 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा उनसे 3 करोड़ 29 लाख 32 हजार रुपये मूल्य की चोरीशुदा संपत्ति बरामद की गई। पुलिस टीमों द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, सूचनाओं एवं सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामलों को सुलझाया गया। गृह भेदन की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष रणनीति अपनाते हुए पुलिस ने 172 मामलों का समाधान किया। इन मामलों में 250 आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की गई तथा उनसे 2 करोड़ 85 लाख रुपये की संपत्ति बरामद की गई।

रात्रि गश्त एवं संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी को विशेष रूप से सुदृढ़ किया गया। लूट के 19 मामलों को सुलझाते हुए 42 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और 28 ला 52 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की गई। डकैती की सभी 3 वारदातों का सफलतापूर्वक खुलासा कर 60 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। छीना-झपटी की 20 घटनाओं में 36 आरोपियों की गिरफ्तारी कर 2 लाख 74 हजार रुपये की संपत्ति बरामद की गई।

**NAME CHANGE**

I hitherto known as G PAUL alias G D PAUL alias GUNJAN DAMAN PAUL alias GUNJAN PAUL S/o SARVE DAMAN PAUL, R/o A-47/4, DLF City Phase-1, Chakarpur (74), Gurgaon, Haryana-122002, have changed my name and shall here-after be known as GUNJAN PAUL, for all future purposes.

# इब्राहिम इंजीनियर के पैतृक गांव बिसरू में उमड़ा जनसैलाब, पूर्व सांसद चौधरी बृजेंद्र सिंह का हुआ ऐतिहासिक स्वागत

एजेंसी

**नूंह ।** नूंह जिले की पुनहाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव बिसरू में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इब्राहिम इंजीनियर बिसरू के पैतृक गांव में पूर्व सांसद एवं पूर्व आईएएस अधिकारी चौधरी बृजेंद्र सिंह का भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और स्थानीय नेताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पूरे गांव में उत्सव और जोश का माहौल बन गया।

पूर्व सांसद चौधरी बृजेंद्र सिंह के गांव पहुंचते ही इब्राहिम इंजीनियर के नेतृत्व में स्वागत जुलूस निकाला गया। कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने फूल-मालाओं, नारों और मिठाइयों के साथ उनका जोरदार अभिनंदन किया। महिलाओं ने पारंपरिक गीत प्रस्तुत किए, बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया, जबकि बुजुर्गों ने चौधरी बृजेंद्र सिंह के राजनीतिक और प्रशासनिक योगदान को याद करते हुए उनकी सराहना की। कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री चौधरी वीरेंद्र सिंह तथा कांग्रेस जिला अध्यक्ष नूंह शहीदा खान विशेष रूप से मौजूद रहीं। इसके अलावा चौधरी बृजेंद्र सिंह की धर्मपत्नी, उनके पुत्र एवं पुत्री की भी उपस्थिति रही। सभी विशिष्ट अतिथियों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विकास, सामाजिक सौहार्द और संगठन की मजबूती पर बल दिया।

इस अवसर पर इब्राहिम इंजीनियर बिसरू ने कहा कि अपने पैतृक गांव में वरिष्ठ नेता चौधरी बृजेंद्र सिंह का स्वागत करना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की प्राथमिकता क्षेत्र का सर्वांगीण विकास, युवाओं को सशक्त बनाना तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण को हर व्यक्ति तक पहुंचाना है। पूर्व सांसद चौधरी बृजेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मेवात की जनता का यह स्नेह और सम्मान उनके लिए भावुक करने वाला है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए वे हमेशा क्षेत्र के हित में कार्य करते रहेंगे और विकास व सामाजिक न्याय के लिए अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

# बिना बिके घरों की संख्या में आया उछाल..........सबसे ज्यादा बुरी हालत बेंगलुरु के रियल एस्टेट बाजार की

**मुंबई ।**

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर के लिए साल 2025 का अंत मिला-जुला रहा, एक ओर जहां नए प्रोजेक्ट्स की बाढ़ आई, वहीं खरीदारों की मांग में आई नरमी ने बिना बिके घरों के आंकड़ों को ऊपर पहुंचा दिया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश के सात प्रमुख शहरों में बिना बिके घरों की संख्या में 4 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जिससे अब बाजार में करीब 5.77 लाख यूनिट्स खरीदारों का इंतजार कर रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु के रियल एस्टेट बाजार में सबसे ज्यादा असर दिखाई दिया है। यहां बिना बिके घरों के स्टॉक में 23 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी हुई है। यह दिखाता हैं कि नए प्रोजेक्ट्स की तुलना में खरीदारों की दिलचस्पी यहां कुछ कम हुई है। वहीं हैदराबाद और मुंबई (एमएमआर) में सकारात्मक संकेत मिले हैं। हैदराबाद में बिना बिके घरों में 2 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण नए प्रोजेक्ट्स की सप्लाई पर लगाम लगना है। साल 2024 के अंत में यहां 97,765 यूनिट्स थीं, जो 2025 के अंत तक घटकर 96,140 रह गईं। मुंबई देश के सबसे महंगे रियल एस्टेट बाजार में भी स्टॉक में 1 प्रतिशत की मामूली कमी देखी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में दिल्ली-एनसीआर भारत के टॉप 7 शहरों में आवासीय कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज करने वाला क्षेत्र बना हुआ है। यहां घरों की औसत कीमतों में 23 प्रतिशत रिकॉर्ड उछाल आया, जो साल 2024 के 7,550 प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 के अंत तक 9,300 प्रति वर्ग फुट पहुंच गया। हालांकि, देश के अन्य प्रमुख शहरों में कीमतों की यह बढ़त पिछले साल (2024) की 13-27 प्रतिशत की तुलना में इस बार महज 4 से 9 प्रतिशत के बीच ही सिमटी गई।

# एनएससी में 2,50,000 जमा करके पाएं 1,16,062 का फिक्स रिटर्न

**- योजना पर मिलता है सालाना 7.7 प्रतिशत ब्याज**

**मुंबई ।**

नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी) भारत सरकार द्वारा समर्थित एक ऐसा निवेश विकल्प है, जो जोखिम-मुक्त होने के साथ निवेशकों को निश्चित रिटर्न देता है। वर्तमान में इस योजना पर सालाना 7.7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। ब्याज दर निवेश के समय तय होती है और पूरे निवेश अवधि के लिए स्थिर रहती है। ब्याज की गणना सालाना होती है, लेकिन भुगतान मैच्योरिटी पर एक साथ किया जाता है।

एनएससी में निवेश करने का एक और प्रमुख फायदा यह है कि यह धारा 80सी के तहत टैक्स बचत का अवसर देता है। हर साल का ब्याज (अंतिम वर्ष को छोड़कर) भी टैक्स छूट के अंतर्गत आता है, जिससे निवेशक अपनी टैक्स प्लानिंग को बेहतर बना सकते हैं। इस योजना में हर साल मिलने वाला ब्याज फिर से निवेश माना जाता है, जिससे कंपाउंडिंग के आधार पर कुल रिटर्न बढ़ता है। एनएससी में सभी भारतीय नागरिक निवेश कर सकते हैं। हालांकि एनआरआई इसमें निवेश नहीं कर सकते। यदि कोई निवेशक निवेश के बाद एनआरआई बन जाता है, तो वह मैच्योरिटी तक सर्टिफिकेट अपने पास रख सकता है। वयस्क अपने नाम पर, अभिभावक नाबालिग या मानसिक रूप से असमर्थ व्यक्ति के नाम पर, और 10 वर्ष से अधिक उम्र के नाबालिग स्वयं भी निवेश कर सकते हैं। यदि कोई निवेशक 2,50,000 एकमुश्त निवेश करता है, तो 5 साल में कुल रिटर्न लगभग 1,16,062 रुपए होगा।

इस प्रकार मैच्योरिटी पर कुल राशि लगभग 3,66,062 रुपए हो जाती है।

# आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन देने रेपो रेट में कटौती का निर्णय लिया

**महंगाई दर नियंत्रित, आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने की संभावना**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने हाल ही में आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रेपो रेट में कटौती का निर्णय लिया है।

समिति के एक सदस्य ने कहा कि महंगाई दर उम्मीद के अनुसार बनी हुई है और वर्तमान में कम स्तर पर है। अक्टूबर 2025 में समग्र महंगाई दर केवल 0.3 प्रतिशत थी, जबकि पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित महंगाई दर 2 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि पिछले चरणबद्ध कटौती के असर से ऋण और जमा दरों में बदलाव महसूस किया गया है, और मौजूदा आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देने के लिए 25 आधार अंक और कटौती की संभावना दिखाई दी। उन्होंने यह भी कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च ट्रंप शुल्क के कारण कारोबार पर असर पड़ रहा है। ऐसे माहौल में नीतिगत कदम लेने से आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। समिति का यह निर्णय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और निवेश एवं व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है, जबकि महंगाई दर नियंत्रण में बनी हुई है।

# माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पेश किया 500 रुपए का कॉम्बो ऑफर

*भक्तों को कम खर्च में व्यवस्थित और सुविधाजनक दर्शन मिलेंगे*

**जम्मू ।**

नए साल 2026 की शुरुआत माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए विशेष सौगात के रूप में हुई है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रद्धालुओं की सुविधा और यात्रा को और अधिक यादगार बनाने के लिए एक बजट फ्रेंडली कॉम्बो ऑफर पेश किया है। यह पैक केवल 500 रुपए में उपलब्ध है और इसका उद्देश्य भक्तों को कम खर्च में व्यवस्थित और सुविधाजनक दर्शन का अनुभव देना है। श्राइन बोर्ड ने इस पैक में भक्तों की यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुविधाएं जोड़ी हैं। इसमें विशेष आरती के समय उचित प्रबंधन के साथ शामिल होने का अवसर, माता के दरबार से मिलने वाला पवित्र प्रसाद, और लंबी चढ़ाई के बाद आराम करने के लिए डॉरमेट्री या विश्राम गृह की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, यात्रियों के लिए पौष्टिक भोजन और जलपान की व्यवस्था भी इस पैक में शामिल है। नए साल के दौरान कटरा और मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। श्राइन बोर्ड का उद्देश्य भक्तों को अलग-अलग सुविधाओं के लिए लंबी लाइन में न खड़ा होना पड़े और सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर आसानी से मिल जाएं। इस सोच के तहत यह कदम उठाया गया है। भक्त माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर इस 500 रुपए वाले कॉम्बो की अग्रिम बुकिंग कर सकते हैं। इसके अलावा कटरा में निहारिका परिसर और अन्य काउंटर पर भी इसकी जानकारी और बुकिंग उपलब्ध है।

# वेनेजुएला के तेल संकट पर अमेरिका की नजर, भारत के लिए अवसर भी

**- देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन में गिरावट**

**नई दिल्ली ।** वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की 3 जनवरी को गिरफ्तारी के बाद देश के तेल सेक्टर पर चर्चा तेज हो गई है। देश के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है, लगभग 303 अरब बैरल, लेकिन उत्पादन लगातार गिरता रहा है। 2010 में रोजाना लगभग 20 लाख बैरल तेल निकाला जाता था, जबकि नवंबर 2025 में यह घटकर केवल 9 लाख बैरल प्रति दिन रह गया। विशेषज्ञों के अनुसार वेनेजुएला में तेल उत्पादन तेजी से बढ़ाना आसान नहीं है। सरकारी तेल कंपनी पीडीवीएसए में लंबे समय से निवेश की कमी और खराब इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण 2026 में केवल 1.5 लाख बैरल प्रति दिन की बढ़ोतरी संभव है। बंदरगाहों पर जहाजों को तेल भरने में पांच दिन लगते हैं, पाइपलाइन लीकेज हो रही हैं और कई रिफाइनरी बंद हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए अगले 10 साल में करीब 100 अरब डॉलर निवेश की जरूरत होगी। अमेरिका की तेल कंपनियां भारी कच्चा तेल निकालने में दिलचस्पी दिखा सकती हैं। हालांकि, स्थिरता और सुरक्षा न होने के कारण बड़े निवेश में हिचकिचाहट है। भारत की कुछ सरकारी तेल कंपनियां पहले से पीडीवीएसए के साथ काम कर रही हैं। अगर निवेश और मशीनरी आसानी से मिलें, तो उत्पादन बढ़ सकता है। भारत पहले वेनेजुएला से रोजाना लगभग 4 लाख बैरल तेल मंगाता था, जो सस्ता और भारी कच्चा तेल होने के कारण रिफाइनरियों के लिए लाभकारी है।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.30 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया चार पैसे टूटकर 90.24 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से रुपये में गिरावट आने के आसार हैं हालांकि कच्चे तेल की कम कीमतें कुछ हद तक राहत प्रदान कर सकती हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.21 पर खुला। शुरुआती कारोबार में और टूटकर 90.24 प्रति डॉलर पर आ गया। रुपया शुक्रवार को 22 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.20 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.36 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.50 पर रहा।

## उड़ान के दौरान कोई भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चार्ज करना प्रतिबंधित- डीजीसीए

**विमान में सीट में लगे पावर सॉकेट से भी पावर बैंक चार्ज करने की अनुमति नहीं**

**नई दिल्ली ।** विमानन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए डीजीसीए ने पावर बैंक और लिथियम बैटरी वाले उपकरणों से जुड़े नियमों को सख्त कर दिया है। नए नियमों के तहत उड़ान के दौरान पावर बैंक से मोबाइल, लैपटॉप या किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को चार्ज करना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। अब विमान में सीट में लगे पावर सॉकेट से पावर बैंक चार्ज करना की भी अनुमे ति नहीं होगी। केवल हैंडबैग में पावर बैंक और अतिरिक्त बैटरियां ले जाने की अनुमति होगी। इन्हें चेक-इन बैगेज या ओवरहेड बिन में रखने की अनुमति नहीं है। डीजीसीए ने एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे यात्रियों को नए नियमों के बारे में उड़ान से पहले अवगत कराएं। यदि किसी डिवाइस में अत्यधिक गर्मी, धुआं, आग या अजीब गंध महसूस हो, तो यात्री को तुरंत केबिन क्रू को सूचित करना होगा। साथ ही, लिथियम बैटरी से जुड़ी किसी भी सुरक्षा घटना की रिपोर्ट डीजीसीए को तुरंत देना एयरलाइंस के लिए अनिवार्य होगी। एविएशन एक्सपर्ट्स का कहना है कि एक यात्री, एक हैंडबैग नियम को सख्ती से लागू करना जरूरी है। ओवरहेड बिन में हैंडबैग भर जाने पर एयरलाइंस अक्सर उन्हें कार्गो होल्ड में रख देती हैं, जिससे लिथियम बैटरी के कारण जोखिम बढ़ सकता है। एमिरेट्स एयरलाइंस और सिंगापुर एयरलाइंस ने पहले ही उड़ान के दौरान पावर बैंक के इस्तेमाल और चार्जिंग पर रोक लगा दी थी। नियम के अनुसार यात्रियों को केवल 100 वाट-घंटे से कम क्षमता वाले पावर बैंक ही ले जाने की अनुमति है।

## कैथे कार्गो ने भारत को रणनीतिक बाजार बताया

**कंपनी हैदराबाद, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे प्रमुख केंद्रों पर सेवाएं बढ़ाएगी**

**हांगकांग ।** हांगकांग स्थित हवाई मालवाहक संचालक कैथे कार्गो ने भारत को अपने लिए रणनीतिक बाजार बताया है। कंपनी वर्तमान में प्रति सप्ताह 13 मालवाहक उड़ानें संचालित कर रही है- दिल्ली और चेन्नई के लिए पांच-पांच तथा मुंबई के लिए तीन। कैथे कार्गो के दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया और अफ्रीका खंड के प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि भारत के वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने के साथ कंपनी भारत में निवेश बढ़ाने की योजना बना रही है। उन्होंने भारत में 1953 से अपनी सेवाएं शुरू करने और 2000 में मालवाहक संचालन बढ़ाने का जिक्र किया। उन्होंने मेक इन इंडिया और प्रधानमंत्री गति शक्ति जैसी पहलों को निवेशकों के लिए मार्ग प्रशस्त करने वाला बताया। लॉजिस्टिक क्षेत्र में विस्तार और लागत कम करने के अवसरों को भी उन्होंने रेखांकित किया। कैथे कार्गो के निर्देशक ने कहा कि को-टर्मिनलाइजेशन के माध्यम से कंपनी हैदराबाद, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे प्रमुख केंद्रों तक सेवाएं बढ़ा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत में मांग बढ़ रही है और व्यवसाय के अवसर भी लगातार मजबूत हो रहे हैं।

## बैंक ऑफ महाराष्ट्र का कुल ऋण 19.61 फीसदी बढ़ा

**- कुल कारोबार 5.95 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा**

**नई दिल्ली ।** बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने अक्टूबर-दिसंबर 2025 की तिमाही में कुल ऋण में 19.61 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। इस दौरान बैंक का कुल बकाया ऋण बढ़कर 2.73 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 2.29 लाख करोड़ रुपये था। कुल ऋण में कॉरपोरेट ऋण 1.02 लाख करोड़ और खुदरा, कृषि एवं एमएसएमई (आरएएम) ऋण 1.71 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। बीओएम का कुल कारोबार, यानी कुल ऋण और जमा, 17.24 प्रतिशत बढ़कर` 5.95 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल दिसंबर के अंत में यह 5.08 लाख करोड़ रुपये था। चालू खाते और बचत खाते में भी मजबूत वृद्धि देखी गई। यह सालाना आधार पर 15.93 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 1.37 लाख करोड़ रुपये था।

# अवांसे फाइनेंशियल ने 1200 करोड़ राइट्स इश्यू के जरिए जुटाए

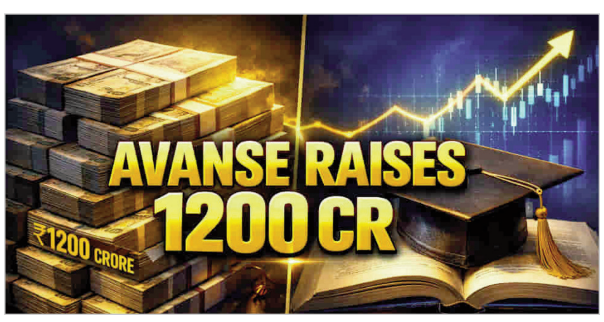


**नई दिल्ली।**

अवांसे फाइनेंशियल सर्विसेज, एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) ने मौजूदा शेयरधारकों वारबर्ग पिंकस, केदारा कैपिटल और अल्फा इन्वेस्टमेंट कंपनी एलएलसी से 1200 करोड़ रुपये जुटाए हैं। यह राइट्स इश्यू के माध्यम से हुआ। कंपनी का कहना है कि यह कदम शेयरधारकों के मजबूत विश्वास और विविध वित्तपोषण आधार को दर्शाता है। अवांसे सतत विकास, जोखिम प्रबंधन और निष्पादन क्षमता पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय छात्रों की शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा करने में सक्रिय है। नए जुटाए गए धन का उपयोग शिक्षा ऋण वितरण बढ़ाने, शैक्षणिक अवसंरचना सुधारने और संस्थागत साझेदारियों को मजबूत करने के लिए किया जाएगा। कंपनी का उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में विस्तार और दीर्घकालिक विकास सुनिश्चित करना है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**सेंसेक्स 322, निफ्टी 78 अंक गिरा**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान गैस उर्जा और आईटी शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी जिससे भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 322.39 अंक नीचे आकर 85,439.62 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 78.25 अंक फिसलकर 26,250.30 पर बंद हुआ। आज निफ्टी रियल्टी,, निफ्टी इंडिया डिफेंस 2.04 , निफ्टी कंज्यूमर, निफ्टी एफएमसीजी में तेजी रही जबकि

निफ्टी आईटी , निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.32 शेयरों में गिरावट रही।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एसबीआई के शेयर उछले जबकि एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एचसीएलटेक, बजाज फाइनेंस, टीसीएस और महिंद्रा के शेयर गिरे। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 100.20 अंक टूटकर 61,265.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 94.35 अंक फिसलकर 17,926.40 पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार कमजोर शुरुआत के साथ गिरावट पर खुले। सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 85,640 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वहीं एनएसई का निफ्टी लगभग सपाट रुख के साथ 26,333 अंक पर खुला और 32.50 अंक की गिरावट के साथ 26,296 अंक पर ट्रेड करता दिखा। वहीं एशियाई शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिली। जापान को छोड़कर एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एमएससीआई इंडेक्स 1.2 फीसदी चढ़ा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 2.8 फीसदी उछलकर करीब दो महीने पहले बने रिकॉर्ड स्तर के पास पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ताइवान का शेयर बाजार भी 2 फीसदी से अधिक की तेजी के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। चीन के बाजारों में सुस्ती बनी रही। हैंग सेंग इंडेक्स में केवल 0.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

# वेनेजुएला में संकट के चलते शेयर बाजार में ऑयल कंपनियों के शेयरों में तेजी

**मुकेश अंबानी को सबसे ज्यादा फायदा, रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर शिखर पर पहुंचे**

**नई दिल्ली।**

वेनेजुएला पर अमेरिका हमले के बाद सोमवार को शेयर बाजार में ऑयल कंपनियों के शेयरों में तेजी रही, खासतौर पर मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को वेनेजुएला संकट का सबसे ज्यादा फायदा मिल रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर शिखर पर पहुंच गए हैं और नया रिकॉर्ड बनाया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर एक फीसदी से ज़्यादा चढ़कर 1,611.8 रुपए प्रति शेयर के नए 52 हफ़्ते के हाई पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा ओएनजीसी के शेयरों ने भी 2 फीसदी की तेजी दिखाई, लेकिन बाद में गिर गए। ऑयल मार्केटिंग कंपनीज- आईओसी, बीपीसीएल, और एचपीसएल के शेयरों भी शुरुआती बढ़त के बाद गिरावट देखी गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका द्वारा वेनेजुएला पर हमले के बाद सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें थोड़ी बढ़ गईं, क्योंकि निवेशक यह सोच रहे थे कि ओपीईसी सदस्य वेनेजुएला में राजनीतिक उथल-पुथल से सप्लाई वाले बाज़ार में शिपमेंट में कोई रुकावट आएगी। वहीं, कुछ एनालिस्ट्स को उम्मीद है कि इस डेवलपमेंट से तेल की कीमतें कम होंगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि संभावित अमेरिकी अधिग्रहण से वेनेज़ुएला के कच्चे तेल के एक्सपोर्ट पर लगे प्रतिबंध हट सकते हैं। ऐसे में रिलायंस इंडस्ट्रीज़ ब्रेंट के मुकाबले डिस्काउंट पर कच्चा तेल खरीद सकती है, जिससे कंपनी

का ग्रॉस रेवेन्यू मार्जिन बढ़ेगा। बता दें रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में तेजी का सिलसिला जारी है। पिछले एक साल में इस स्टॉक ने 30 फीसदी से ज्यादा की तेजी दिखी, जबकि पांच साल में यह शेयर 65 फीसदी रिटर्न दे चुका है। हाल ही में रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों पर ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने ओवरवेट की रेटिंग के साथ प्रति शेयर पर 1,847 का टारगेट प्राइस दिया था।

## भारत के आठ बड़े शहरों में ऑफिस स्पेस की मांग 25 फीसदी बढ़ी

**नई दिल्ली ।** एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में भारत के आठ प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थान की मांग 25 फीसदी बढ़कर 6.14 करोड़ वर्गफुट हो गई। पिछले साल यह मांग 4.91 करोड़ वर्गफुट थी। बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, दिल्ली-एनसीआर और चेन्नई में शुद्ध ऑफिस पट्टे की मांग बढ़ी, जबकि मुंबई, कोलकाता और अहमदाबाद में गिरावट दर्ज की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि घरेलू और विदेशी कंपनियों की बढ़ती गतिविधियाँ, वैश्विक क्षमता केंद्रों का विस्तार और तकनीकी अपनाने में वृद्धि प्रमुख कारण हैं। रिपोर्ट के अनुसार यह आंकड़े केवल संख्याएं नहीं बल्कि दीर्घकालिक मजबूती और स्थायी वृद्धि का संकेत हैं। 2026 में भी ऑफिस स्पेस की मांग मजबूत रहने की संभावना है।

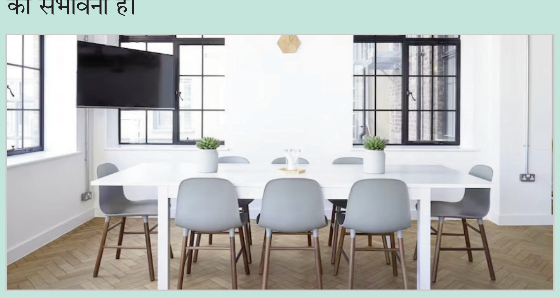

# गिग-वर्कर्स: डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ललित गर्ग

**भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं।**

ऑनलाइन बाजार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाजार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि जरा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्रायः असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के जरिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोजमर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज या अन्य ऐप्स के जरिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन। इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्जी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।

निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है। हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे।

भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल कागजी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता।

31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि नीति-निमार्ता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है।

तेजी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग-वर्कर्स की कार्य-सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निर्णायक हस्तक्षेप करना ही होगा। मुनाफे की अंधी दौड़ में लगी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को यह समझना होगा कि श्रम केवल लागत नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा है; शोषण की मानसिकता छोड़कर संवेदनशीलता और जवाबदेही अपनाए बिना कोई भी डिजिटल विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि गिग-वर्क को गरिमा, सुरक्षा और स्थायित्व के साथ विकसित किया जाए, तो यही सेवाएँ मजबूरी का प्रतीक नहीं, बल्कि रोजगार की एक आदर्श और मानवीय व्यवस्था बन सकती हैं, जहाँ सुविधा केवल उपभोक्ता को नहीं, सम्मान कामगार को भी मिले।

## संपादकीय

### एक राष्ट्रपति अमरीकी बंधक

अमरीका का राष्ट्रपति कोई भी हो, वह किसी भी देश पर हमला करा सकता है, किसी भी संप्रभु एवं स्वतंत्र देश के राष्ट्रपति को अगवा करा अमरीकी जेल में डाल सकता है अथवा फांसी पर लटका सकता है। अमरीकी राष्ट्रपति किसी भी देश के बेशकीमती संसाधनों, तेल एवं खनिज और सत्ता पर कब्जा कर सकता है। कोई भी देश, रूस और चीन भी, अमरीकी राष्ट्रपति को कोसते रहंए अथवा चेतावनियां जारी करते रहें, लेकिन अमरीका ही दुनिया का सबसे "खूंख्वार डॉन" है। उसके सामने संयुक्त राष्ट्र आम सभा और सुरक्षा परिषद बिल्कुल नपुंसक और बेमानी हैं। अमरीकी राष्ट्रपति का आदेश ही "वैश्विक कानून" है। अमरीकी राष्ट्रपति को वहां की संसद (कांग्रेस) और अदालत की भी परवाह नहीं है। वह ही "वैश्विक साम्राज्यवादी शासक" है। मौजूदा राष्ट्रपति ट्रंप ने वेनेजुएला पर गहरी रात में, करीब 2 बजे, चौतरफा हमले करा और वहां के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को उनके बेडरूम में ही बंधक बना कर साबित कर दिया है कि दुनिया अमरीका के मुताबिक ही चलेगी। अमरीकी सत्ता को कोई चुनौती नहीं दे सकता। राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार दोहराया कि जो मादुरो के साथ हुआ है, वह किसी के भी साथ हो सकता है! लिहाजा डर, खौफ और खतरा भांपते हुए ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने सेनाओं को अलर्ट कर दिया है और सीमाओं पर तैनाती के आदेश दिए हैं। क्या अगली बारी ईरान के सुप्रीम लीडर की है? बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने कथित तानाशाह मादुरो को हटाने और नार्को आतंकवाद के अपराध में दंडित करने के लिए ही वेनेजुएला के रक्षा मंत्री के आवास, हवाई अड्डे, एयरबेस, वायुसेना मुख्यालय, सैन्य रणनीतिक कार्यालय आदि पर बम-वर्षा के आदेश दिए हों, दरअसल ऐसा नहीं है।

अमरीका की नजरें वेनेजुएला के करीब 305 अरब बैरल तेल के भंडारों और 1.36 ट्रिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के बेशकीमती खनिजों पर थी। दुनिया के 20-22 फीसदी से अधिक तेल के भंडार वेनेजुएला में हैं। मादुरो को बंधक बनाने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें उन्होंने साफ ऐलान कर दिया कि अब वेनेजुएला पर अमरीका का कब्जा है। जो ऑपरेशन किया गया, वह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा ऑपरेशन था। अब वेनेजुएला के तेल कारोबार को अमरीकी कंपनियां देखेंगी। अमरीका खूब पैसा कमाएगा। मादुरो के शासन में अमरीकी तेल की चोरी की गई। अब मादुरो और उनकी पत्नी पर अमरीका में ही मुकदमा चलाया जाएगा। हम मादुरो को कड़ी सजा दिलवाएंगे। अमरीका ने पनामा के तानाशाह राष्ट्रपति मैनुअल नोरिएगा, ग्रेनेडा के शासक, इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन, लीबिया के तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी आदि को गिरफ्त में लेकर जो बर्ताव किया था, संभवतः वही नियति मादुरो की लगती है। अमरीकी विशेष कमांडोज ने ही अलकायदा के सरगना लादेन और आईएसआईएस के खलीफा सरगना बगदादी को भी खत्म किया था। दरअसल अमरीका के सामने वेनेजुएला "मेमना देश" है, लिहाजा वह क्या चुनौती देता! राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को "सेफ हाउस" से ही अगवा किया गया, तब पूरी सुरक्षा व्यवस्था क्या कर रही थी? वेनेजुएला के लाखों सैनिक और मिलिशिया कहां थे? राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी कहा कि हमने वेनेजुएला की सैन्य-क्षमता को बिल्कुल शक्तिहीन कर दिया। बेशक यूरोपीय संघ के अधिकतर देशों, रूस, चीन, ईरान, क्यूबा, ब्रिटेन, मेक्सिको, ब्राजील, कोलंबिया आदि ने अमरीकी हमले की निंदा की है। उसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करार दिया है। इन बयानों से क्या होगा?

#### चिंतन-मनन

### माँ है तो सबकुछ है

माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं। जो अपनी माँ को प्रसन्न रखता है, वह उसके आशीर्वाद का वरदान भी पाता है। ऐसी परम उपकारी वात्सल्य मूर्ति माँ की आँखों में कभी आँसू नहीं आने देना। जो विनयपूर्वक परमात्मा और सद्गुरु के चरणों में समर्पित हो जाता है, वह सबकुछ पा जाता है। सद्गुरु हमें ज्ञान देते हैं। सद्गुरुरूपी नाविक के साथ धर्मरूपी नौका में बैठकर इंसान संसार सागर को पार कर लेता है। आज व्यक्ति धन-वैभव का अहंकार करता है, परंतु वह अंत में धराशायी हो जाता है। जिसके जीवन में विनय का गुण है, वह ज्ञान प्राप्त कर सकता है। माँ एक गुरु के रूप में अपनी संतान को संस्कार देती है। माता जीवन का निर्माण करती है, तो पिता उसे उन्नति के शिखर तक ले जाता है। माँ है तो सबकुछ है और यदि माँ नहीं तो कुछ भी नहीं।

## वेनेजुएला को लेकर ट्रम्प की दादागिरी अमानवीय!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

प्रचीन ने अमेरिका से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करने की मांग की है। दोनों इस समय अमेरिका की हिरासत में हैं। अमेरिकी सेना उन्हें वेनेजुएला की राजधानी काराकस से पकड़कर अमेरिका ले गई थी। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि किसी देश के राष्ट्रपति को इस तरह अपने देश ले जाना गलत है। इस मुद्दे का हल बातचीत से होना चाहिए। इससे पहले भी चीन ने अमेरिका की कार्रवाई पर कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। वही उत्तर कोरिया ने भी वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई को गुंडागर्दी बताया है। उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका की यह कार्रवाई किसी भी देश की आजादी और संप्रभुता पर किया गया सबसे गंभीर हमला है। आपको बता दे ,अमेरिकी सैनिकों ने 2 जनवरी की रात वेनेजुएला पर हमला कर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया है, जहां उन्हें डिटेंशन सेंटर में रखा गया और फिर अमानवीय जेल में बंद कर दिया गया। उन पर अमेरिका में हथियार-ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाया जाएगा। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पाद्रीनो लोपेज ने अमेरिका की कार्रवाई को लेकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प का राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने का फैसला सिर्फ वेनेजुएला के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यह कदम ग्लोबल ऑर्डर के लिए गंभीर चुनौती है। उनका कहना है कि अगर आज ऐसा वेनेजुएला के साथ किया गया है, तो कल किसी भी देश के साथ ऐसा हो सकता है। उन्होंने इसे खतरनाक मिसाल बताया। वेनेजुएला के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी विदेश नीति की भी आलोचना की और कहा कि अमेरिका लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र में पुराने उपनिवेशवादी विचार थोपना चाहता है। वेनेजुएला इस सोच को पूरी तरह खारिज करता है। रूस के सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई पर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जो कदम उठाए हैं, वे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं। अमेरिका, लैटिन अमेरिका को हमेशा से अपने प्रभाव वाला इलाका मानता रहा है। वेनेजुएला के मामले में भी अमेरिका की नजर वहां के तेल पर है। अमेरिका की सोच दूसरे देशों के संसाधनों पर कब्जा करने की रही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की सबसे बदनाम जेलों में से एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। इस जेल की हालत इतनी खराब मानी जाती रही है कि कुछ अमेरिकी जजों ने यहां कैदियों को भेजने से तक इनकार कर दिया था। यह जेल सन 1990 के दशक में बनाई गई थी और यहां करीब 1,300 कैदी बंद हैं। आमतौर पर यह जेल उन लोगों के लिए इस्तेमाल होती है, जिनके खिलाफ न्यूयॉर्क की फेडरल अदालतों में मुकदमा चल रहा होता है। यहां गैंगस्टर और ड्रग तस्करों से लेकर सफेदपोश अपराधों के आरोपी तक रखे जाते हैं।

मादुरो इस जेल में बंद होने वाले पहले विदेशी राष्ट्रपति नहीं हैं। इससे पहले होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज को भी इसी जेल में रखा गया था। उन पर अमेरिका में कोकीन की तस्करी का मामला चला था। बाद में उन्हें 45 साल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन दिसंबर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें माफी देकर रिहा कर दिया। इस जेल में मेक्सिको के कुख्यात सिनालोआ ड्रग कार्टेल के को फाउंडर इस्माइल एल मायो जाम्बाडा भी बंद हैं। इसके अलावा एक कारोबारी की हत्या के आरोपी लुइजी मैनजियोने भी यहीं कैद हैं। कैदियों और उनके वकीलों ने लंबे समय से यहां हिंसा, बदसलूकी और अव्यवस्था की शिकायतें की हैं। साल 2024 में दो कैदियों की हत्या दूसरे कैदियों ने यहां कर दी थी। कुछ जेलकर्मियों पर रिश्वत लेने और जेल के अंदर गैरकानूनी सामान पहुंचाने के आरोप भी लगे हैं। सन 2019 की सर्दियों में यहां बिजली चली गई थी, जिससे यह जेल एक हफ्ते तक अंधेरे और ठंड में डूबी रही थी। ट्रंप ने वेनेजुएला के तेल पर कब्जा कर लिया है। ड्रग्स कारोबार की आड़ लेकर राष्ट्रपति मादुरो को बंधक बना लिया। उनकी पत्नी और मादुरो पर अमेरिका में मुकदमा चलेगा। अमेरिकी तेल व्यापारी अब वेनेजुएला की तमाम रिफाइनरी संभाल लेंगे। अमेरिका ने एक तरह से वेनेजुएला को गुलाम बना लिया है। हरिद्वार के वरिष्ठ पत्रकार कौशल सिखौला की माने तो वेनेजुएला के तेल पर निगाह रखने वाले ट्रंप के वेनेजुएला आने का खामियाजा भारत को भी उठाना पड़ेगा जो वेनेजुएला से खासे पैमाने पर तेल खरीदता है। ट्रंप की इस कार्रवाई की रूस और चीन सहित दुनियाभर के अनेक देशों ने निंदा की है। लेकिन भारत ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ट्रंप की इस कार्रवाई का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव पड़ेगा।

उनकी माने तो ट्रम्प अब अपने ही अमेरिकी देश मेक्सिको को निशाना बनाने की तैयारी में है? उनके शब्दो मे,अमेरिका की जो मंशा है वह चीन की हुआ करती है। चीन तमाम पड़ौसियों को हड़पना चाहता है। नया साल लगते ही तेल के लिए अमेरिका ने धावा बोल दिया। यहां याद रखिए कि वेनेजुएला से कच्चे तेल और एल्यूमिनियम का भारत बहुत बड़ा खरीदार है? तो क्या अमेरिका यहाँ भी भारत को चोट देना चाहता है? कहां तो ट्रंप पूरी दुनिया को शान्ति का संदेश दे रहे थे और कहां पड़ोसियों को अशांत कर दिया , खुद भी अशांत हो गए। ट्रंप की मंशा खोमेनई और किम जोंग को भी इसी तरह उठाने की है। कनाडा से भी ट्रंप खासे खफा हैं। समझ नहीं आता कि ट्रंप मानसिक रूप से ठीक हैं या पूरी तरह हिल गए हैं? इस घटना के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति के तेवर अभी और तल्ख होने बाकी हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार उल्लंघन व हठधर्मिता का यह मामला पूरी दुनिया देख रही है ,जिसे लेकर दुनिया के अन्य देशों को विरोध के स्वर बुलंद करने चाहिए।

(लेखक ज्वलंत मुद्दों के जानकार वरिष्ठ पत्रकार है)

## सरहदों की भेंट चढ़ता बचपन: जब जन्म देने वाली धरती ही पराई हो जाए

दिलीप कुमार पाठक

युद्ध अनाथों का विश्व दिवस प्रतिवर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका एकमात्र उद्देश्य दुनिया भर के उन निर्दोष बच्चों की व्यथा को वैश्विक मंच पर लाना है, जिन्होंने युद्ध की आग में अपने माता-पिता और अपना घर खो दिया है। जब दो देशों या गुटों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता है, तो उसकी सबसे भारी कीमत अक्सर बच्चे ही चुकाते हैं। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़ा जाता, बल्कि यह हजारों परिवारों को उजाड़ देता है और बच्चों को एक ऐसे अंधेरे भविष्य की ओर धकेल देता है जहाँ न तो सिर पर साया होता है और न ही मन में सुरक्षा का भाव। युद्ध के कारण अनाथ हुए इन बच्चों को विस्थापन की कड़वी सच्चाई का सामना करना पड़ता है, जहाँ उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी बनकर शिविरों में रहना पड़ता है। गरीबी और संसाधनों की कमी उनके जीवन का हिस्सा बन जाती है, जिससे उन्हें पर्याप्त भोजन, साफ पानी और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएँ भी नहीं मिल पातीं। शिक्षा, जो किसी भी बच्चे के विकास की नींव होती है, युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में पूरी तरह ठप हो जाती है, जिससे इन बच्चों का भविष्य और भी असुरक्षित हो जाता है।

युद्ध अनाथों के विश्व दिवस का प्राथमिक उद्देश्य उन मासूम बच्चों के अधिकारों के लिए पुरजोर तरीके से आवाज उठाना एवं उनके लिए संसाधनो को मुहैय्या कराने की ज़िम्मेदारी को उठाना जिनका जीवन युद्ध की विभीषिका ने पूरी तरह बदल दिया है। यह दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं है, बल्कि सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों और आम नागरिकों के लिए एक सामूहिक आह्वान है कि वे आगे आएं और इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए ठोस कदम उठाएं।

इस दिन का सबसे बड़ा लक्ष्य दुनिया को यह समझाना है कि युद्ध में अनाथ हुए बच्चे केवल भोजन या कपड़ों के मोहताज नहीं हैं, बल्कि उन्हें कानूनी सुरक्षा, नागरिकता की पहचान और एक गरिमापूर्ण जीवन जीने का पूरा अधिकार है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए 6 जनवरी को दुनिया भर में जागरूकता बढ़ाने वाले विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें सेमिनार, शांति मार्च और डिजिटल अभियान प्रमुख हैं। इन पहलों के जरिए उन चुनौतियों को उजागर किया जाता है जिनका सामना ये बच्चे हर दिन करते हैं, जैसे कि शिक्षा से वंचित रहना, जबरन मजदूरी में धकेला जाना या युद्ध अपराधी समूहों द्वारा उनका शोषण किया जाना।

आज जब हम आधुनिकता और मानवाधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, तब युद्ध झेल रहे मुल्कों की बदतर होती स्थिति हमारे दावों की पोल खोल देती है। मासूम बच्चे, जिनका राजनीति या सत्ता के संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं होता, सबसे ज्यादा प्रताड़ित होते हैं। वे या तो अपने ही देश में बने तंग राहत शिविरों में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, या फिर उन्हें शरणार्थी बनाकर उनके देश से निकाल दिया जाता है। यदि हम खुद को मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध कहते हैं और फिर भी इन बच्चों की पीड़ा को नजरअंदाज करते हैं, तो मूल्यांकन करने पर हम मानवता के पैमाने पर बहुत पीछे खड़े नजर आएंगे। यह एक यक्ष प्रश्न है कि यदि कोई बच्चा युद्ध की आग के कारण अपना घर, अपना बचपन और अपना मुल्क खो चुका है, तो क्या उसे केवल विदेशी या बोझ मानकर दर-दर भटकने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए? शरणार्थी संकट के दौरान अक्सर देशों की सीमाएं इन मासूमों के लिए बंद कर दी जाती हैं, जो कि नैतिकता की हार है। हमें यह सोचना होगा कि यदि ईश्वर ने उसे इस दुनिया में जन्म दिया है, तो क्या इस विशाल धरती पर उसके लिए दो गज जमीन और सर ढकने के लिए एक छत का भी अधिकार नहीं है? क्या किसी बच्चे का अस्तित्व केवल उसके पासपोर्ट या नागरिकता के दस्तावेजों तक सीमित है?

सच्चाई यह है कि धरती की कोई भी सीमा उस मानवीय अधिकार से बड़ी नहीं हो सकती, जो हर बच्चे को सुरक्षा और गरिमा प्रदान करती है। यदि हम ईश्वर की सत्ता में विश्वास रखते हैं, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि पूरी पृथ्वी ही ईश्वर का घर है और यहाँ जन्म लेने वाला प्रत्येक जीव यहाँ रहने का जन्मसिद्ध अधिकार रखता है। मानवीय मूल्यों का दिखावा करने के बजाय अब समय है कि दुनिया वसुधैव कुटुंबकम पूरी पृथ्वी एक परिवार है के सिद्धांत को धरातल पर उतारे। किसी भी बच्चे को केवल इसलिए नकारा नहीं जाना चाहिए क्योंकि उसका मुल्क युद्ध की भेंट चढ़ गया। उन्हें संरक्षण देना, उन्हें अपनाना और उनके जीवन को पुनः संवारना ही ईश्वर की सच्ची सेवा और मानवता की वास्तविक जीत है।

## संक्षिप्त समाचार

### उत्तरी कैलिफोर्निया में भारी बारिश और ऊंची ज्वार से बाढ़, सड़कें बंद

**कैलिफोर्निया, एजेंसी।** उत्तरी कैलिफोर्निया में शनिवार को भारी बारिश और बेहद ऊंची ज्वार (किंग टाइड्स) के कारण कई इलाकों में बाढ़ आ गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह स्थिति पिछले करीब 20 वर्षों में सबसे गंभीर मानी जा रही है। बाढ़ की वजह से कई सड़कें बंद करनी पड़ीं और पानी में फंसी गाड़ियों से लोगों को सुरक्षित निकाला गया। मैरिन काउंटी के शेरिफ कार्यालय के अनुसार, सॉसलिटो से सैन राफेल तक करीब 24 किलोमीटर लंबे इलाके में सड़कें पानी से भर गईं। कई जगहों पर पानी की ऊंचाई तीन से चार फीट तक पहुंच गई, जिससे गाड़ियां बीच रास्ते में फंस गईं। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। प्रभावित इलाके मैरिन काउंटी में प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जब तक पानी कम न हो जाए, घरों में ही रहें। कुछ लोग सामान्य तौर पर सड़क रहने वाले इलाकों में कयाक चलाते नजर आए, जबकि कई लोग घुटनों तक पानी में चलकर बाहर निकले। सैन फ्रांसिस्को क्षेत्र के लिए शनिवार दोपहर तक बाढ़ की चेतावनी और रविवार दोपहर तक बाढ़ की सलाह जारी की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि किंग टाइड्स तब आती हैं जब सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीध में होते हैं और चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होता है, जिससे समुद्र का जलस्तर असामान्य रूप से बढ़ जाता है।

### 14 साल बाद आयरलैंड के पीएम माइकल मार्टिन की चीन यात्रा

**डबलिन, एजेंसी।** आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन रविवार से चीन की पांच दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। पिछले 14 वर्षों में किसी आयरिश नेता की यह पहली चीन यात्रा है। चीनी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि मार्टिन बीजिंग के अलावा शंघाई भी जाएंगे। वे चीनी प्रमुख ली कियांग के निमंत्रण पर वहां जा रहे हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब यूरोपीय संघ और चीन के बीच डेयरी उत्पादों और इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैरिफ को लेकर तनाव बना हुआ है।

### यमन से अपने सैनिक वापस बुलाएगा यूएई

**अबू धाबी, एजेंसी।** पिछले कुछ दिनों से जारी तनाव के बीच यूएई ने यमन से अपनी सेना वापस बुलाने का फैसला किया है। यूएई ने कहा, वह यमन में चल रहे अपने आतंक-रोधी अभियान को खत्म कर रहा है। यह फैसला ऐसे समय किया गया है जब सऊदी अरब ने यूएई पर यमन के अलगाववादी गुट एसटीसी को समर्थन देने के आरोप लगाए हैं। इससे पहले यमन की विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार ने यूएई से कहा था कि वह 24 घंटे में अपनी सेना यमन से हटा ले। यमन की इस मांग को सऊदी अरब का भी समर्थन मिला। इसके कुछ ही समय बाद ही यूएई ने अपनी सेना वापस बुलाने की घोषणा कर दी। सऊदी अरब नेतृत्व वाले गठबंधन ने कल यमन के मुकल्ला पोर्ट पर हमला किया था। सऊदी का कहना था कि मुकल्ला पोर्ट पर जो जहाज पहुंचा था, उसमें यूएई से हथियार भेजे गए थे।

### मादुरो की तरह पुतिन का भी हो हाल? :जेलेंस्की

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिका की ओर से नाटकीय ढंग से पकड़े जाने के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वाशिंगटन अब तानाशाहों से निपटने के लिए आगे क्या करना है यह जानता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब जेलेंस्की से मादुरो की गिरफ्तारी पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा मैं क्या कह सकता हूं? अगर तानाशाहों के साथ ऐसा किया जा सकता है, तो अमेरिका जानता है कि अगला कदम क्या होना चाहिए। उनका यह बयान साफ तौर पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन की ओर संकेत माना जा रहा है। इस बीच रूस ने अमेरिका से मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को रिहा करने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मादुरो वेनेजुएला के वैध रूप से चुने गए राष्ट्रपति हैं और अमेरिका को उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए। रूस ने यह भी जोर दिया कि अमेरिका और वेनेजुएला के बीच विवादों का समाधान बातचीत के जरिए होना चाहिए।

### स्विस बार अग्निकांड : 48 घंटे बाद भी 6 घायलों की पहचान नहीं

**बर्न, एजेंसी।** स्विट्जरलैंड के आल्प्स स्थित स्की रिसॉर्ट में नए साल के जश्न के दौरान ले कॉन्स्टेलेशन बार में लगी भीषण आग में 40 लोगों की मौत के 48 घंटे बाद भी 6 घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। लापता लोगों के परिजनों की उम्मीदें अब इन्हीं पर टिकी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक, 119 घायलों में से 113 की पहचान हो चुकी है। भीषण रूप से जलने के कारण शवों और घायलों की पहचान मुश्किल हो गई है।

# कौन हैं वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति? मादुरो की करीबी डेल्सी रोड्रिग्ज को मिली जिम्मेदारी

**काराकास , एजेंसी।** अमेरिकी सेना द्वारा राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला में मचे भारी राजनीतिक घमासान के बीच देश के सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को देश की कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने का आदेश दिया है। अदालत का कहना है कि यह निर्णय देश की संप्रभुता और प्रशासनिक निरंतरता को बनाए रखने के लिए जरूरी है।

**कौन हैं डेल्सी रोड्रिग्ज :** 56 साल की डेल्सी रोड्रिग्ज वेनेजुएला की राजनीति का एक कद्दावर और अनुभवी चेहरा हैं। वे एक क्रांतिकारी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता, जॉर्ज एंटोनियो रोड्रिग्ज एक वामपंथी गुरिल्ला नेता थे। कानून की पढ़ाई करने वाली डेल्सी पिछले एक दशक में मादुरो सरकार की सबसे भरोसेमंद सहयोगी बनकर उभरी हैं। वह मादुरो सरकार की सशक्त समर्थक रही हैं। मादुरो ने अपनी सरकार का समर्थन करने के लिए डेल्सी को 'शेरनी' तक कहा था।

**डेल्सी रोड्रिग्ज का राजनीतिक सफर :** उन्होंने 2013 से 2017 के बीच सूचना और विदेश मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभाली। जून 2018 में मादुरो ने उन्हें देश का उपराष्ट्रपति नियुक्त किया। मादुरो अक्सर उन्हें 'हजारों लड़ाइयों में परखी हुई एक बहादुर क्रांतिकारी' कहते रहे हैं। अगस्त 2024 में उन्हें तेल मंत्री का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया था ताकि वे अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ देश की अर्थव्यवस्था को संभाल सकें।

**मादुरो को बताया देश का इकलौता राष्ट्रपति :** सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक ऑडियो संदेश में डेल्सी रोड्रिग्ज ने सख्त तेवर दिखाए। उन्होंने अमेरिकी हिरासत में मौजूद निकोलस मादुरो को ही देश का एकमात्र वैध राष्ट्रपति बताया और अमेरिका से उनके जिंदा होने के सबूत मांगे। उन्होंने कहा, 'इस देश का केवल एक ही राष्ट्रपति है और उनका नाम निकोलस मादुरो मोरोस है।

**ट्रंप के दावे और विरोधाभास :** डेल्सी का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के ठीक उलट है, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि रोड्रिग्ज ने राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली है और वे वाशिंगटन के साथ सहयोग करने को तैयार हैं। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया था कि अमेरिका फिलहाल वेनेजुएला का शासन चलाने की तैयारी में है। हालांकि, डेल्सी रोड्रिग्ज ने इन दावों को खारिज करते हुए इसे संप्रभुता पर हमला करार दिया है। फिलहाल कराकस से आ रही तस्वीरों में डेल्सी रोड्रिग्ज को देश के भीतर ही सक्रिय देखा गया है, जिसने उन अफवाहों पर विराम लगा दिया है जिनमें उनके रूस जाने की बात कही जा रही थी।

**वेनेजुएला की नई कार्यवाहक राष्ट्रपति :** डेल्सी रोड्रिग्ज (56) का जन्म 18 मई 1969 को वेनेजुएला की राजधानी काराकास में हुआ था। वह वामपंथी नेता और पूर्व गुरिल्ला जॉर्ज एंटोनियो रोड्रिगेज की बेटी हैं, जिन्होंने 1970 के दशक में क्रांतिकारी संगठन लीगा सोशलिस्टा की नींव रखी थी। डेल्सी रोड्रिग्ज को निकोलस मादुरो की सबसे भरोसेमंद नेताओं में गिना जाता है। वह अपने भाई जॉर्ज रोड्रिगेज, जो वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के प्रमुख हैं के साथ मिलकर लंबे समय से सरकार की अहम नीतियों पर काम करती रही हैं। डेल्सी रोड्रिग्ज ने अपने राजनीतिक करियर में सरकार के कई अहम पदों पर काम किया है। वर्ष 2013 से 2014 तक वह संचार और सूचना मंत्री रहीं, इसके बाद 2014 से 2017 तक उन्होंने विदेश मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। साल 2017 में उन्हें सरकार समर्थक संविधान सभा का प्रमुख बनाया गया, जिसने मादुरो सरकार की नीतियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जून 2018 में डेल्सी रोड्रिग्ज को वेनेजुएला का उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया। वहीं अगस्त 2024 में उन्हें तेल मंत्रालय की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने अमेरिका के बढ़ते प्रतिबंधों के बीच देश के सबसे अहम उद्योग को संभालने और उसे स्थिर रखने की कोशिश की।

पेशे से वकील डेल्सी रोड्रिग्ज ने सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ वेनेजुएला से पढ़ाई की है। अपने स्टाइल और डिजाइनर फैशन के शौक के लिए भी वह जानी जाती हैं। पिछले एक दशक में उन्होंने तेजी से राजनीतिक ऊंचाइयां हासिल कीं और आज वेनेजुएला की सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हैं। मौजूदा राजनीतिक संकट के बीच उन्होंने एक ऑडियो संदेश जारी कर अमेरिका से निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के सुरक्षित होने का सबूत देने की मांग भी की थी।

## उत्तर कोरिया ने जापान के इलाके में बैलिस्टिक मिसाइल दागीं, टोक्यो ने इमरजेंसी अलर्ट जारी किया

**टोक्यो, एजेंसी।** उत्तर कोरिया ने रविवार को जापान के इलाके में बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। जापान के पीएम ऑफिस ने इसे लेकर एक इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। स्थानीय समाचार संगठन द जापान टाइम्स ने रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के बयान के हवाले से बताया कि उत्तर कोरिया ने कम से कम दो मिसाइलें दागी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये दोनों मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरीं। जापान का यह विशेष आर्थिक क्षेत्र उसके तट से 200 नॉटिकल मील यानी करीब 370 किलोमीटर तक फैला हुआ है और मिसाइलें जापान सागर में गिरीं। इसी रिपोर्ट में रक्षा मंत्री कोइजुमी के हवाले से आगे कहा गया, 'उत्तर कोरिया की बार-बार की जा रही बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च जैसी कार्रवाइयां हमारे क्षेत्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' अधिकारी ने यह भी दावा किया कि मिसाइलों ने करीब 950 किलोमीटर की दूरी तय की। इसका मतलब यह है कि दक्षिणी जापान का बड़ा हिस्सा इनकी मारक दूरी में आ जाता है, जिसमें अमेरिका और जापान की सेल्फ-डिफेंस फोर्सेज के अहम सैन्य अड्डे भी शामिल हैं।

**दक्षिण कोरिया की सेना की पुष्टि :** दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बयान जारी कर कहा, 'उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर की ओर एक अज्ञात बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है.' फिलहाल मिसाइल की रेंज और प्रकार को लेकर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है.

**जापान ने भी दी जानकारी :** जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी उत्तर कोरिया द्वारा संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने की पुष्टि की है. हालांकि, अभी तक किसी तरह के नुकसान या आपात स्थिति की कोई सूचना नहीं दी गई है.

**हथियार उत्पादन बढ़ाने के निर्देश :** इस मिसाइल परीक्षण से पहले उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने एक हथियार निर्माण फैक्ट्री का दौरा किया था. सरकारी मीडिया के अनुसार, किम ने सामरिक निर्देशित हथियारों के उत्पादन को मौजूदा स्तर से दोगुना से भी अधिक बढ़ाने का आह्वान किया है.हाल के हफ्तों में किम जोंग उन लगातार हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों का दौरा कर रहे हैं. इसके अलावा उन्होंने एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी का निरीक्षण भी किया।

## गिरफ्तारी से पहले मादुरो ने इंटरव्यू में ट्रंप के साथ तेल व्यापार और ड्रग तस्करी पर चर्चा करने की इच्छा जताई थी

**काराकास , एजेंसी।** वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी सेना की ओर से गिरफ्तार किए जाने से महज 48 घंटे पहले इंटरव्यू दिया था। इसमें उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ तेल व्यापार और ड्रग तस्करी पर चर्चा करने की इच्छा जताई थी। मैक्सिकन अखबार ला जोर्नाडा में प्रकाशित और नए साल के दिन वेनेजुएला के सरकारी टीवी पर प्रसारित इंटरव्यू में उन्होंने कई अहम बयान दिए। मादुरो ने कहा कि दोनों देशों को तथ्यों के आधार पर गंभीर बातचीत शुरू करनी चाहिए। उन्होंने खुलासा किया कि ट्रंप ने 21 नवंबर को व्हाइट हाउस से उन्हें फोन किया था और दोनों के बीच 10 मिनट की सम्मानजनक बातचीत हुई थी। यह साक्षात्कार अब इसलिए सुर्खियों में है क्योंकि शनिवार को अमेरिकी सेना रात की कार्रवाई में मादुरो को काराकास से गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले गई। निकोलस मादुरो ने इंटरव्यू में अमेरिका को बातचीत का प्रस्ताव देते हुए कहा, 'अगर वे ड्रग तस्करी के खिलाफ समझौता चाहते हैं तो वेनेजुएला तैयार है।' साथ ही, उन्होंने तेल के लिए अमेरिकी निवेश को स्वीकार करने की बात कही, जैसे शेवरॉन कंपनी के साथ पहले हो चुका है। उन्होंने इसे लेकर कहा कि जब चाहें, जहां चाहें और जैसे चाहें। मादुरो ने अमेरिकी दबाव को वेनेजुएला के विशाल प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर तेल, सोना और दुर्लभ खनिजों पर कब्जा करने की कोशिश बताया। ड्रग तस्करी के अमेरिकी आरोपों को खारिज करते हुए मादुरो ने कहा कि कोकेन की तस्करी पड़ोसी कोलंबिया से होती है और वेनेजुएला का मॉडल इससे लड़ने में सबसे प्रभावी है। निकोलस मादुरो यह इंटरव्यू अमेरिकी हमलों के बीच आया था, जहां राष्ट्रपति ट्रंप ने ड्रग लोडिंग डॉक पर हमले का दावा किया। मादुरो ने इसे सीधे स्वीकार नहीं किया, लेकिन कहा कि उनकी रक्षा व्यवस्था देश की अखंडता और शांति सुनिश्चित कर रही है। गिरफ्तारी के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका फिलहाल वेनेजुएला को संभालेगा, जबकि मादुरो पर नार्को-टेररिज्म के आरोपों में मुकदमा चलेगा। इस घटना से लैटिन अमेरिका में तनाव बढ़ सकता है।

## वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई पर संयुक्त राष्ट्र की सख्त चेतावनी, गुटेरेस बोले- बन सकती है खतरनाक मिसाल

**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** अमेरिका के तरफ से वेनेजुएला पर की गई कार्रवाई को लेकर वैश्विक राजनीति में हलचल तेज है। इसी बीच अब संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने अमेरिका के इस सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर गहरी चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए एक खतरनाक मिसाल बन सकता है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता की ओर से जारी बयान में कहा गया कि महासचिव वेनेजुएला में हालिया घटनाओं से बेहद चिंतित और परेशान हैं। बयान में कहा गया कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई से न सिर्फ वेनेजुएला, बल्कि पूरे क्षेत्र में हालात बिगड़ सकते हैं।

इस दौरान गुटेरेस ने साफ कहा कि वेनेजुएला की स्थिति चाहे जैसी भी हो, किसी देश में इस तरह की सैन्य दखल अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों के खिलाफ है। उन्होंने चिंता जताई कि इस पूरे घटनाक्रम में संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान नहीं किया गया।

**यूएन महासचिव की अपील :** महासचिव ने सभी पक्षों से अपील की कि वेनेजुएला में बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाए, जिसमें सभी को शामिल किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस सभी प्रक्रियाओं में मानवाधिकारों और कानून के शासन का पूरी तरह पालन होना चाहिए।

**मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने भी जताई चिंता :** वहीं, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने भी अमेरिका की कार्रवाई पर चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सभी देशों को संयम बरतना चाहिए और ह चार्टर व अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनों का सम्मान करना चाहिए।

वोल्कर तुर्क ने कहा कि वेनेजुएला के आम लोगों की सुरक्षा सबसे अहम है और आगे होने वाली किसी भी कार्रवाई में लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस बयान के बाद साफ है कि वेनेजुएला में अमेरिकी दखल को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं और संयुक्त राष्ट्र इस पूरे मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

**वेनेजुएला पर अमेरिका की कार्रवाई :** गौरतलब है कई महीनों से अमेरिका और वेनेजुएला के बीच जारी तनाव ने एक बड़ा रूप तब ले लिया, जब वेनेजुएला की राजधानी काराकास शुक्रवार देर रात (स्थानीय समयानुसार) अमेरिकी हमलों से दहल उठी। अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को बंधक बना लिया। इसके बाद ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि वेनेजुएला पर अब अमेरिका का नियंत्रण होगा, जब तक वहां शांति स्थापित नहीं हो जाती।

# मादुरो की गिरफ्तारी पर न्यूयॉर्क के मेयर ममदानी बोले- यह युद्ध की कार्रवाई और कानून का उल्लंघन

**न्यूयॉर्क , एजेंसी।** अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर लिया है, जिसे न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान मामदानी ने युद्ध की कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है। मामदानी ने कहा कि यह कदम संघीय और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और इससे न्यूयॉर्क में रहने वाले हजारों वेनेजुएलाइयों पर असर पड़ सकता है। एक्स पर एक पोस्ट में मामदानी ने लिखा, 'अमेरिकी सेना की ओर से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी मिली। साथ ही, उन्हें न्यूयॉर्क शहर में संघीय हिरासत में रखने का प्लान है। एक संप्रभु राष्ट्र पर एकतरफा हमला युद्ध की कार्रवाई है और संघीय व अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। जोहरान मामदानी ने कहा कि यह शासन परिवर्तन की कोशिश न केवल विदेशों में प्रभाव डालती है, बल्कि न्यूयॉर्क में रहने वाले हजारों वेनेजुएलाइयों सहित सभी न्यूयॉर्कवासियों की सुरक्षा पर सीधा असर डालती है। उनका प्रशासन स्थिति पर नजर रखेगा और जरूरी दिशानिर्देश जारी करेगा।' वेनेजुएला की राजधानी काराकास में खुफिया एजेंसियों और अमेरिकी सेना की संयुक्त कार्रवाई में मादुरो व फ्लोर्स को गिरफ्तार किया गया और उन्हें देश से बाहर ले जाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मादुरो और उनकी पत्नी पर न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में ड्रग ट्रैफिकिंग और नार्को-टेररिज्म षड्यंत्र के आरोप लगाए गए हैं। वे मुकदमे का सामना करेंगे।

**अमेरिकी सेना का वेनेजुएला पर बड़ा सैन्य हमला :** डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर बड़ा सैन्य हमला किया और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो व उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर लिया। ट्रंप के अनुसार, यह ऑपरेशन रात में किया गया, जिसमें वेनेजुएला की सैन्य क्षमताओं को निष्क्रिय कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं कर सकता जो अमेरिका ने हासिल किया। मादुरो दंपति को अमेरिका ले जाया जा रहा है, जहां वे ड्रग तस्करी और नार्को-टेररिज्म के आरोपों में मुकदमा का सामना करेंगे। मुकदमा न्यूयॉर्क या फ्लोरिडा में हो सकता है। ट्रंप ने इसे अमेरिकी सेना की बहादुरी का नतीजा बताया है।

## 'दंगाईयों को उनकी जगह दिखाओ', विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की धमकी

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान सामने आया है। खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को धमकी दी है और सुरक्षाबलों को सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया है। खामेनेई ने कहा कि जो दंगाई हैं, उन्हें उनकी जगह दिखाई जाए। खामेनेई का बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर बीते कई दिनों से विरोध प्रदर्शन जारी हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। खामेनेई के इस बयान को ईरान के सुरक्षा बलों के लिए खुली छूट माना जा रहा है और अब वे प्रदर्शनकारियों पर और सख्ती बढ़ा सकते हैं।

**खामेनेई ने विदेशी ताकतों पर लगाए साजिश रचने के आरोप :** ईरान के राष्ट्रीय टीवी पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का बयान जारी किया गया। इस बयान में खामेनेई ने कहा, 'हम प्रदर्शनकारियों से बात कर रहे हैं, अधिकारियों को भी प्रदर्शनकारियों से बात करनी चाहिए, लेकिन बात करने से कोई फायदा नहीं होगा। दंगाइयों को उनकी जगह पर पहुंचा देना चाहिए।' खामेनेई ने विरोध प्रदर्शन के पीछे विदेशी ताकतों के हाथ होने का दावा किया। उन्होंने कहा, 'दुश्मनों द्वारा खरीदे गए कुछ लोग इस विरोध प्रदर्शन के पीछे हैं, जो दुकानदारों और प्रदर्शनकारी लोगों के पीछे से ईरान, ईरानी गणतंत्र और इस्लाम के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं।'

**अमेरिका ने प्रदर्शनकारियों का किया समर्थन :** ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन के अभी थमने के आसार नहीं लग रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि अगर ईरान की सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा करती है तो अमेरिका उनके बचाव में आएगा। ट्रंप के इस बयान पर ईरान की सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरान ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैनिकों पर हमले की धमकी दी। ईरान में साल 2022 में भी एक 22 वर्षीय युवती महसा अमीनी की मौत के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। महसा अमीनी को बुर्का न पहनने के लिए प्रताड़ित किया गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। 2022 के बाद ईरान में अब इतने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

ईरान के कट्टरपंथी नेता प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजेश्कियन प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने के पक्ष में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान में साल 2019 में ईंधन की बढ़ती कीमतों के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में 300 लोगों की मौत हुई थी। वहीं महसा अमीनी की मौत के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में 500 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 22 हजार से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया था।

# दक्षिण अमेरिकी देशों पर कब्जे की तैयारी में ट्रंप? वेनेजुएला के बाद क्यूबा को भी धमकी

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** वेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद अब अमेरिका की ट्रंप सरकार के हौसलें बुलंद हैं और अब वे दक्षिण अमेरिका के अन्य देशों को भी धमकाने पर उतर आए हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा के नेता को चेतावनी देते हुए कहा कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी के बाद अगर मैं क्यूबा की सरकार में होता तो यकीनन मुझे चिंता होती।

**मार्को रुबियो ने क्यूबा को दी चेतावनी :** अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'क्यूबा पूरी तरह से तबाह है। इसे पूरी तरह से अयोग्य सरकार और इसे एक वृद्ध व्यक्ति द्वारा चलाया जा रहा है। इसकी कोई अर्थव्यवस्था नहीं बची है। यह पूरी तरह से तबाह देश हैं। मादुरो की सुरक्षा में लगे सभी गार्ड भी क्यूबा के थे। क्यूबा ने कुछ मामलों में वेनेजुएला पर कब्जा किया हुआ है। क्यूबा ने वेनेजुएला को अपनी कालोनी बनाने की कोशिश की। अगर हम सुरक्षा के लिहाज से देखें तो अगर मैं हवाना में रह रहा होता और मैं सरकार में होता तो में घटनाक्रम से थोड़ा चिंतित तो जरूर होता।'

अमेरिका और क्यूबा के बीच रिश्ते दशकों से तनावपूर्ण हैं। दोनों देशों के संबंधों में तनाव 1960 के दशक से है, जब फिदेल कास्त्रों की सरकार के साथ अमेरिका के संबंध बिगड़े और अमेरिका ने क्यूबा पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। बराक ओबामा के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध सुधारने की कोशिश हुई, लेकिन ट्रंप और बाइडन सरकार में फिर से संबंध तनावपूर्ण हो गए।

**ट्रंप ने भी दिए संकेत :** गौरतलब है कि

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी क्यूबा की आलोचना की और इसे एक असफल राष्ट्र बताया। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा के नागरिकों और क्यूबा छोड़ चुके लोगों की मदद करना अमेरिका का लक्ष्य है। ट्रंप ने कहा, 'क्यूबा एक रोचक मामला है। क्यूबा की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। क्यूबा के लोग वर्षों से परेशानी झेल रहे हैं। मुझे लगता है कि क्यूबा एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर हम आगे चर्चा करेंगे क्योंकि क्यूबा एक असफल राष्ट्र है। हम क्यूबा के लोगों की मदद करना चाहते हैं।'

अमेरिका की खुफिया एजेंसियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर शनिवार को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया और उन्हें अमेरिका ले जाया गया है। अमेरिका की अटॉर्नी जनरल पाम बोन्डी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, नशीली दवाओं की तस्करी और नार्को आतंकवाद की साजिश रचने के आरोप में दोनों को गिरफ्तार किया गया है।

**जापानी पीएम के ताइवान रुख से चीन के साथ तनाव बढ़ा : टोक्यो, एजेंसी।** जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान आपातकाल में जापान की संभावित भूमिका पर दिए गए बयानों ने चीन के साथ तनाव बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ताकाइची के कट्टरपंथी रुख को रोकने वाले संतुलित स्वरों की कमी जापान की कूटनीति को प्रभावित कर सकती है।

पूर्व पीएम शिंजो आबे की राजनीतिक उत्तराधिकारी मानी जाने वाली ताकाइची पर आम सहमति बनाने में कम कुशल होने के आरोप लग रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि रूढ़िवादी पार्टी के साथ गठबंधन के बाद उनके कट्टरपंथी फैसलों पर अंकुश लगाना मुश्किल हो गया है।

# सेलिब्रिटीज के लुक की चाहत

**इन** दिनों एस्थेटिक सर्जनों द्वारा नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है, जिसमें लोग मॉडल्स और सेलिब्रिटीज के लुक्स और लाइफस्टाइल को कॉपी करने करने की चाह रखने लगे हैं। इन 'अनरियलिस्टिक एक्सपेक्टेशन' के कारण सर्जन्स ऑपरेशन करने से दूर भाग रहे हैं। इसका मुख्य कारण वे सेलिब्रिटीज हो सकते हैं, जो सर्जरी करवाने के बाद मीडिया में घोषित भी करते हैं। इस वजह से सर्जरी की मुफ्त में मार्केटिंग भी हो जाती है। इस वजह से महिलाएं और लड़कियां यह सोचने लगी हैं, कॉस्मेटिक सर्जरी के बाद उनकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जन्स द्वारा किये गये सर्वे के अनुसार 'अनरियलिस्टिक एक्सपेक्टेशंस के कारण नवयुवकों में सेलिब्रिटीज की तरह दिखने की इच्छा बलवती होने लगी है। इस वजह से सर्जनों द्वारा मना करना जारी है। सर्जरी के लिए मना करने का दूसरा महत्वपूर्ण कारण यह है कि आज का युवा इसका प्रयोग करके किसी भी लाभ को हाथ से नहीं जाने देना चाहता। साथ ही इस प्रक्रिया से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान को भी देखते हुए सर्जन क्लाइंट्स को मनाकर रहे हैं।'

लंदन के सर्जन एडम सीयरले का कहना है कि उनके पास आने वाले क्लाइंट्स किसी सेलिब्रिटी की फोटो लेकर आते हैं। दरअसल उनका इरादा वैसे फीचर्स पाना नहीं बल्कि उस लाइफ स्टाइल को अपनाना है। इंद्रप्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के कॉस्मेटिक सर्जरी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अनूप धीर के अनुसार, अनरियलिस्टिक एक्सपेक्टेशन के कारण व्यक्ति स्वयं के लुक में कमी महसूस करता है। इसके चलते कई लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी व सामाजिक रिश्तो को निभाने में भी कठिनाई महसूस करते है। वे सोचते है कि सर्जरी के बाद वे बेहतर हो जाएंगे। डॉ धीर का कहना है कि वे उन लोगों के खिलाफ हैं, जो अपनी पार्टनर को अपनी फैंटेसी वूमेन की तरह देखना चाहते हैं। इसी धोखे में कई बार ऐसे लोग गलत सर्जन के हाथ पड़ जाते हैं।

# टेरेस गार्डेन

**मौसम** के बदलते मिजाज से चारों तरफ धुला-धुला व खुशनुमा माहौल छा गया है। यही मौका है, जब आप अपने लॉन को नए-नए पौधों व फूलों से सजा-संवार सकते हैं। अपार्टमेंट कल्चर में संभव नहीं है कि हर कोई ग्राउंड गार्डेन मेंटेन कर सके, लेकिन आप अपना शौक टेरेस गार्डेन से पूरा कर सकते हैं। बाल्कोनी भी अच्छा ऑप्शन है। आप अपने टेरेस में तरह-तरह के गमलों में मनचाहे फूल-पौधे लगाकर यह शौक पूरा कर सकते हैं। धूप की तेजी में आई नरमी और बरखा की दस्तक से अब ऐसा होना मुश्किल भी नहीं है। मार्केट में तरह-तरह के शेप, साइज व डिजाइन के गमले मौजूद हैं। हैंगिंग गमलों की भी कई डिजाइन मार्केट में है। इन खूबसूरत हैंगिंग गमलों से आप बाल्कोनी व टेरेस को कोमल बेलों व सुन्दर फूलों से सजा सकते हैं।

टैरेस गार्डेन को सजाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आपकी गार्डनिंग का शौक व मेहनत सच्चा रंग व खुशबू बिखेरें।

- इस मौसम में लगाने वाले प्लांट्स की जानकारी नर्सरी से लेकर की प्लांटिंग करें।
- फ्लॉवर प्लांट्स में गेंदे की दो किस्में— मेरी गोल्ड व इन्का इस मौसम में काफी खुशनुमा खिलते हैं।
- गुलमेंहदी, कार्नेशन, गुलदाऊदी, राजनिया, पेंजी, सनानेनिया आदि किस्में इस मौसम में लगायी जा सकती हैं।
- खर-पतवार ज्यादा व जल्दी निकलते रहें, ताकि पौधों को सही बढ़त मिले।
- शो प्लांट के लिए नीम-सरसों खली, हड्डी व डीएपी खाद चारों का मिश्रण सही रहता है।
- नया पौधा लगाने के एक दिन बाद ही पानी दें।
- जब गमले की मिट्टी चिकनी होने लगे, तब गुड़ाई कर दें।
- हैगिंग गमले में मिट्टी की सेटिंग करने में सबसे पहले मौस ग्रास, नेट, खाद-मिट्टी पौधा फिर ऊपर से मौस ग्रास लगाएं। मौस ग्रास के कारण कम पानी ही पर्याप्त होता है और वाटर लीकेज भी नहीं होता।
- बारिश की फुहारें ही पौधों को साफ- सुथरा कर देती हैं, लेकिन पौधों को कभी-कभी वाटर स्प्रे से क्लीन करते रहना चाहिए।
- बाल्कोनी व टैरेस में लगी बेलें हरा-भरा माहौल बनाती हैं। पर्दा बेल ब्यूटी के साथ शेडों का काम भी करती हैं।
- गमलों के नीचे ट्रे लगा दें, ताकि लीकेज वाटर बाल्कोनी को गंदा ना करे। ट्रे को समय-समय पर साफ करते रहें।

# पनीर पाइनेप्पल संदेश

**सामग्री:** अनन्नास के 6 स्लाइस, 250 ग्राम मैश(मसला) किया हुआ पनीर, 2 टेबलस्पून पिसी हुई शक्कर, चुटकीभर केसर (हल्के गर्म पानी में भिगाकर रखें), सजावट के लिए कटे हुए बादाम और पिस्ते।

**विधि:** एक डिश में अनन्नास के स्लाइस रख दें। शक्कर और मसले हुए पनीर को अच्छी तरह से मिला लें। इस मिश्रण को अनन्नास के स्लाइस पर डालें। अब इसके ऊपर केसर डालकर बादाम और पिस्ते के टुकड़ों से सजा दें। ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें।

# चिन्टू का कमरा

**अपने** नन्हे के कमरे को पेंट करवाना आपको बहुत भारी काम लगता है। समझ में ही नहीं आता कि आखिर कौन सा रंग बच्चे को पसंद आएगा और वह स्फूर्तिवान महसूस करेगा। लेकिन यदि आप इस बारे में थोड़ा सोचेंगी तो इसे मजेदार पाएंगी। चाहें तो किसी पेंटर से उसका कमरे पेंट करवाएं लेकिन उसमें पर्सनल टच देने का अलग ही मजा है। खुद ही पेंट ब्रश उठा लीजिए, अपने बच्चे के कमरे को कोजी बनाने के लिए आपके पास कई विकल्प हैं, शुरूआत ऐसे कीजिए-

**रंगों का मेल-** कमरे में एक ही रंग क्यों चाहती हैं, जब आपके पास रंग के विकल्प हैं। मिक्स एंड मैच करके आप बच्चे के कमरे को खूबसूरत लुक दे सकती हैं। चाहें तो दो या अनेक रंगों का इस्तेमाल कीजिए। चाहें तो एक ही रंग के दो-तीन शेड्स का प्रयोग कर सकती हैं। दीवार के ऊपरी हिस्से को गहरे शेड दीजिए और नीचे वाले को हल्के।

**थीम-** यदि आपने कोई थीम सोच ली है तो काम बहुत आसान हो सकता है। इससे आपको बेसिक आइडिया मिल जाता है कि आपको कौन से रंग का इस्तेमाल करना है और कौन से नहीं। फूल-पत्ते, टेडी बियर, डॉल, समुद्र, महल, जहाज कोई भी थीम ले सकती हैं।

**म्यूरल-** म्यूरल्स का प्रयोग करके भी आप बच्चों के कमरे को नया लुक दे सकती हैं। इससे कमरे में नाटकीयता भी आती है। कमरा फैंटेसी में भी तब्दील हो सकता है। एक दीवार पर म्यूरल्स लगाइए और दूसरे को रंगों से रंग दीजिए। चाहें तो किसी म्यूरलिस्ट को भी इस काम में लगा सकती हैं।

**स्टेंसिल-** अपने प्यार को शब्दों से जाहिर कीजिए। अपने नन्हे के लिए आपके मन में जो प्यार है, उसे दीवारों पर लिख डालिए। इसके लिए स्टेंसिल का इस्तेमाल कीजिए। चाहें तो कुछ कविताएं और नर्सरी राइम भी लिख सकती हैं। इससे कमरे को व्यक्तिगत अहसास मिलेगा।

**प्रिंट-** किसी फूल, चिड़िया या मछली का कटआउट काट लीजिए। अब दीवार पर बेसिक कलर कीजिए। इसके बाद कटआउट को दीवार पर रखिए और दूसरे कलर से भर दीजिए। इन दिनों बाजार में चांद-सितारे, बार्बी, फूल आदि के स्टिकर भी मौजूद हैं, जिन्हें दीवार पर लगाने से ये रात में चमक उठते हैं।

**स्केच-** दीवार पर बेसिक कलर करने के बाद किसी पेड़ या फूल या जानवर की ड्राइंग बना दीजिए। आपके बच्चे का कमरा तैयार है।

**चॉकबोर्ड-** इन दिनों बाजार में वॉशेबल पेंट उपलब्ध हैं। बेसिक कलर करवाने के बाद थोड़ी जगह इनके लिए रहने दीजिए। आपका नन्हा अपनी कल्पनाओं को उतारने के लिए हमेशा उत्सुक रहता है तो क्यों न थोड़ी जगह उसके लिए छोड़ दी जाए।

# सफाई रसोईघर की

**तंदुरूस्ती** के लिए सफाई उतनी ही जरूरी है जितना जीने के लिए खाना। बात जब खाने की हो तो सबसे पहले ध्यान रसोईघर की ओर जाना स्वाभाविक ही है। घर की व्यवस्था को ठीक ढंग से चलाने में रसोईघर की भूमिका अहम होती है। अगर रसोईघर ही साफ-सुथरा व व्यवस्थित न हो तो वहां तैयार होने वाला भोजन कैसे साफ-सुथरा रह सकता है।

रसोईघर की सफाई के लिए महत्वपूर्ण बातों में सर्वप्रमुख सफाई के लिए आवश्यक सामानों जैसे कूड़ादाम, झाड़ू, विम पाऊडर, साबुन, नाइलोन का ब्रश, नारियल का कूचा और साफ कपड़ा रसोईघर में बराबर उपलब्ध होना आवश्यक है। प्राय: यह देखा जाता है कि गृहिणी खाना पकाने की अपनी जिम्मेदारी तो पूरा कर लेती है लेकिन रसोईघर का सामान अव्यवस्थित पड़ा रहत है अत: रसोईघर में सफाई एवं सामान व्यवस्थित करने की आदत का होना अति आवश्यक है। रसोईघर के आवश्यक सामानों को जब बाजार से खरीदकर लाएं तो संबंधित जार या बर्तन को भली-भांति साफ कर ही उसमें रखें। रसोईघर में अगर जगह कम हो तो बर्तन रखने के लिए दीवार में स्टैंड लगवा लें। इससे बर्तन रखने में काफी सुविधा होगी। अन्य वस्तुओं को भी क्रम से डिब्बे या शीशे के पात्र में सजाकर रखें। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं सुनिश्चित स्थान पर ही रखनी चाहिएं जैसे चाकू, कैंची, चिमटा, माचिस, लाइटर, मोमबत्ती इत्यादि।

रसोईघर के एक कोने में बंद कूड़ेदान का होना भी नितान्त आवश्यक है। खाना बनाने की प्रक्रिया में जो भी कचरा-छिलका आदि हो उसे कूड़ेदान में डालते जाएं। खाना बनाने के उपरांत कूडेदान के कचरे को यथाशीघ्र बाहर उचित स्थान पर डालें अन्यथा उसमें कीटाणु पैदा हो जाएंगे। रसोईघर में पानी की टंकी या नल भी लगा होना चाहिए ताकि बार-बार पानी लाने के लिए रसोई से बाहर न जाना पड़े।

रसोईघर में ढीले-ढाले व फैलावदार वस्त्र पहनकर काम नहीं करना चाहिए। नाइलोन या टैरीलीन की साड़ी पहनकर खाना कभी न बनाएं और न ही शाल या चादर ओढ़कर खाना बनाना चाहिए।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

**वृष** — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

**मिथुन** — का की कू घ ड छ के को हा
अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

**कर्क** — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

**सिंह** — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

**कन्या** — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

**तुला** — रा री रु रे रो ता ती तू ते
शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

**वृश्चिक** — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

**धनु** — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

**मकर** — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

**कुंभ** — गू गे गो सा सी सू से सो दा
बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

**मीन** — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

## काकुरो पहेली - 1920

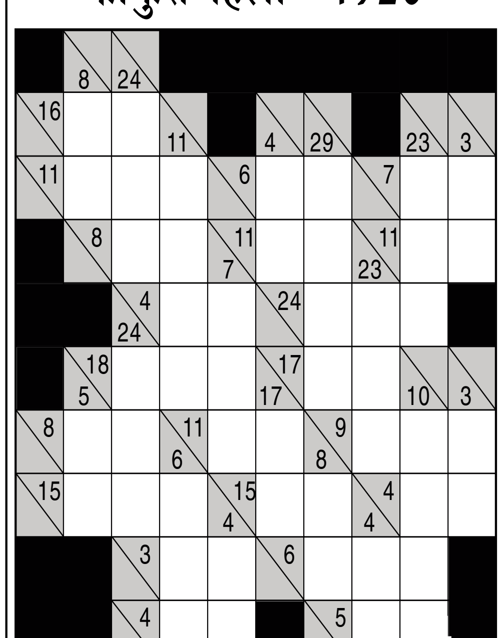

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

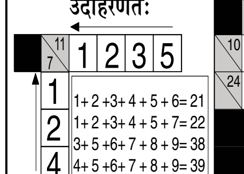

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

**काकुरो - 1919 का हल**

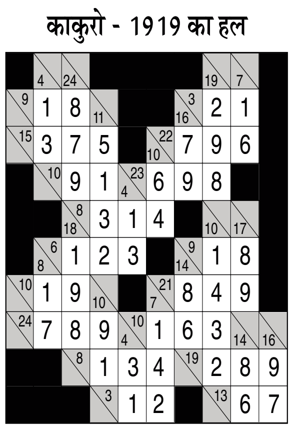

## हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से ), "सुनाओ दोस्त क्या हाल है?"

हरीश, "बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ."

राज, "मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है."

▯ ▯ ▯

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, "जीजा जी, दीदी कैसी लगी?"

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, "मीडियम फास्ट."

▯ ▯ ▯

विजय लक्ष्मी (शारदा से), "मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?" शारदा, "वह कैसे."

विजय लक्ष्मी, "मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया."

▯ ▯ ▯

## फिल्म वर्ग पहेली- 1920

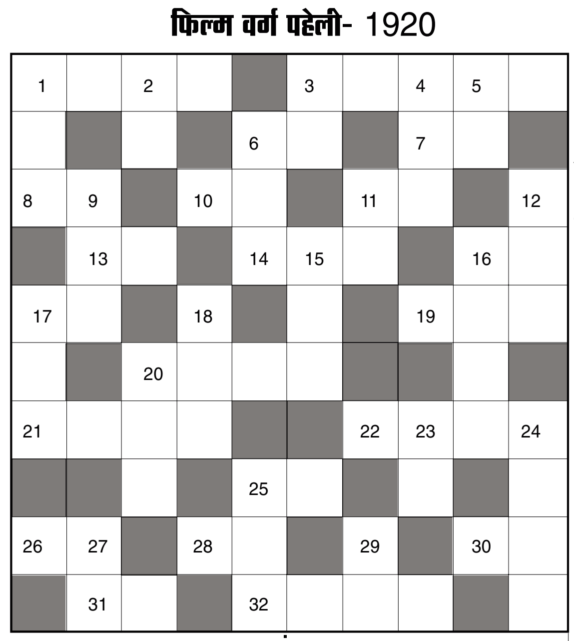

**बायें से दायें:-**

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

**ऊपर से नीचे:-**

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 1919**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्रि | मि | न | ल | | प | र | व | रि | श |
| श | | ती | | डो | र | | र | | मा |
| | अ | जा | म | | दे | व | दा | स | |
| का | श | | ह | व | स | | न | म | क |
| ला | | ला | ल | च | | अ | | झौ | |
| पा | य | ल | | न | सी | म | | ता | ल |
| नी | | कि | ला | | आ | ला | प | | ड़ा |
| | त | ला | श | | ई | | रि | हा | ई |
| तु | म | | | मं | डी | | णी | | |
| | ना | | रा | जू | | गी | ता | बा | ली |

## सूडोकु -1920

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | | 3 | | | 8 | 7 |
| 8 | 7 | | 1 | | 5 | | | |
| | | 2 | | | 9 | | | 4 |
| | 6 | | | | 2 | | 3 | 5 |
| 3 | 8 | | 4 | 1 | 7 | | 2 | 9 |
| 2 | 4 | | 6 | | | | 1 | |
| 7 | | | 3 | | | 8 | | |
| | | | 5 | | 8 | | 7 | 3 |
| 9 | 3 | | | 2 | | | 6 | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -1919 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 5 | 6 |
| 2 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 | 2 | 9 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 6 | 9 | 3 | 1 | 2 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 5 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 2 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 6 | 7 | 1 | 3 | 5 | 8 | 4 |
| 1 | 5 | 3 | 9 | 4 | 8 | 2 | 6 | 7 |

## शब्द पहेली - 1920

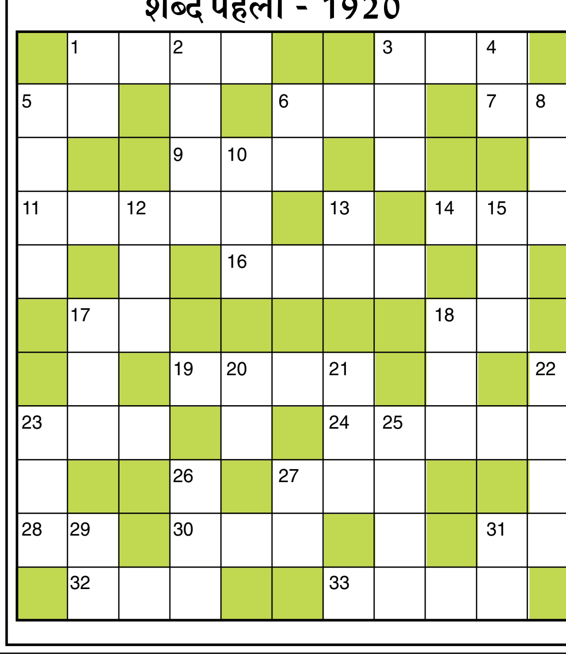

**बाएँ से दाएँ**

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

**ऊपर से नीचे**

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

**शब्द पहेली - 1919 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | अ | स | ह | यो | ग | | अ | दा | व | त |
| र | क्स | | रा | | ग | रु | ड़ | | न | र |
| ख | | स | ना | त | न | | ना | म | | क |
| र | फ्ता | र | | | चुं | गी | | त | म | स |
| खा | | मा | | चा | बी | | सी | | ही | |
| व | ल | या | का | र | | प | रा | या | प | न |
| | क | | या | | का | ल | | द | | क |
| द | वा | त | | भ | ला | | | गा | य | ब |
| र | | र | ज | | बा | जी | ग | र | | ज |
| क | र | | ल | ह | जा | | र्ज | | खा | न |
| ना | जा | य | ज | | र | घु | ना | य | क | |

## असम में 5.1 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

**गुवाहाटी।** पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 04.17.40 बजे आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.1 मापी गई। लोगों के बीच दहशत फैल गई। झटके काफी समय तक महसूस किए गए।असम समेत पड़ोसी राज्यों मेघालय, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम के साथ ही भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, भूटान और चीन में इस मध्यम तीव्रता के भूकंप का असर रहा। हालांकि भूकंप से किसी नुकसान की खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने कहा कि भूकंप का केंद्र असम के मोरीगांव जिले से 14 किलोमीटर दूर 50 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप का एपिक सेंटर 26.37 उत्तरी अक्षांश और 92.29 पूर्वी देशांतर पर रहा।

## उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को केन्द्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने दी श्रद्धांजलि

**भुवनेश्वर।** केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को जयंती पर नमन करते हुए अपनी प्रधान ने सोशल मीडिया पर लिखा, पद्म विभूषण' श्रद्धेय कल्याण सिंह जी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को निर्भीकता, सुशासन और नैतिक, दृढ़ता की नई दिशा दी। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने सत्ता को सेवा का माध्यम बनाया और भय-भ्रष्टाचार से मुक्त प्रशासन की मिसाल कायम की। उनका व्यक्तित्व ऐसा था, जिसने संगठन को वैचारिक मजबूती दी और भाजपा को समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक जोड़ने का कार्य किया। रामजन्मभूमि आंदोलन में उनका योगदान राष्ट्र के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है। सिद्धांतों के प्रति अडिग, निर्णयों में स्पष्ट और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित 'बाबूजी' का जीवन करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज हैं। ऐसे महान राष्ट्रसेवक को उनकी जयंती पर कोटिशः नमन।

## ओडिशा के खदान विस्फोट हादसे पर धर्मेंद्र प्रधान ने जताया शोक

**भुवनेश्वर।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के ढेंकानाल जिले के मोटंगा क्षेत्र में एक पत्थर खदान में हुए विस्फोट में श्रमिकों की मृत्यु पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है। सोशल मीडिया पर लिखे अपने शोक संदेश में प्रधान ने कहा कि इस दुखद घटना की सूचना से वे अत्यंत मर्माहत हैं। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। केंद्रीय मंत्री ने ईश्वर से इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों को असीम धैर्य और साहस प्रदान करने की कामना की। साथ ही उन्होंने हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

## संभल में अवैध मस्जिद हटाकर कब्जा मुक्त जमीन को 20 गरीबों की गई आवंटित

**संभल।** उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में असमोली थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर में सरकारी ज़मीन पर बनी मस्जिद को मस्जिद कमेटी के खुद ध्वस्त करने के बाद जमीन को जिला प्रशासन ने 20 गरीब व बेसहारा लोगों को आवंटित कर दिया गया। इस अवैध रूप से बनी मस्जिद को ध्वस्त करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से आज तक के लिए समय दिया था। प्रशासन से नोटिस मिलने के बाद खुद ही हथौड़ा चलाकर ध्वस्त कर दिया और मलबे को भी हटवा दिया। रविवार को शासन की टीम गांव पहुंची। टीम ने वहां पर सरकारी ज़मीन पर बने मदरसे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मुक्त जमीन को गरीब तथा बेसहारा 20 पात्र लोगों को आवंटित किया गया। कार्रवाई के दौरान जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के साथ काफी संख्या में पुलिस कर्मी तथा प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। इस संबंध में जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि अवैध रूप से किया गया निर्माण कभी न कभी हटता ही हटता है। यहां पर भी धारा 67 के अंतर्गत तहसीलदार न्यायालय के आदेश पर कार्रवाई की गई है। इसी क्रम में आज यहां जो मदरसा 4000 वर्ग मीटर में से 1500 स्क्वायर मीटर में बना हुआ था और दुकानें बनाकर कमर्शियल एक्टिविटीज भी की जा रही थी।

## सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद की केंद्र सरकार की अपील- राहवीर बन जान बचाएं, 25 हजार रुपये व कानूनी सुरक्षा पाएं

**नई दिल्ली।** सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों को बचाने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने लोगों से बिना डरे आगे आने की अपील की है। सड़क दुर्घटना के शुरुआती एक घंटे (गोल्डन आवर) में घायलों की मदद करने वाले राहवीर (गुड समेरिटन) को कानूनी कार्रवाई, पुलिस हिरासत और व्यक्तिगत विवरण साझा करने की बाध्यता से पूर्ण संरक्षण प्राप्त है। सरकार ऐसे मददगारों को घायल को समय पर अस्पताल पहुंचाने पर 25000 रुपये नकद पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाणपत्र दे रही है। एक व्यक्ति को साल में 5 बार तक यह सम्मान दिया जा सकता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 2020 में मोटर व्हीकल्स (संशोधन) अधिनियम, 2019 की धारा 134ए के तहत राह वीर नियम अधिसूचित किए थे। इन नियमों के तहत मदद करने वाले व्यक्ति को सिविल या क्रिमिनल दायित्व से मुक्त रखा गया है। नियमों के अनुसार, मदद के दौरान राहवीर को नाम, पता या फोन नंबर बताने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का किया उद्घाटन

एजेंसी

**वाराणसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में आयोजित 72वें राष्ट्रीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का वर्चुअली उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने भारत की आर्थिक प्रगति का जिक्र करते हुए कहा कि आजकल दुनिया में भारत की ग्रोथ की भूरि भूरि प्रशंसा हो रही है। उन्होंने वॉलीबॉल को साधारण खेल नहीं बल्कि संतुलन और सहयोग का खेल बताया। डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को एक हजार से अधिक खिलाड़ियों, उनके कोच को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी के सांसद के तौर पर स्वागत किया और उन्हें शानदार खेल और प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब आप सभी बनारस पहुंच गए हैं तो यहां की संस्कृति को भी समझ जाएंगे। आप सभी को यहां उत्साह बढ़ाने वाले दर्शक

मिलेंगे। वॉलीबॉल खेल का जिक्र कर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वॉलीबॉल साधारण खेल नहीं है। यह संतुलन और सहयोग का खेल है। इसमें संकल्प शक्ति भी दिखती है। वॉलीबॉल हमें टीम स्पिरिट से जोड़ती है। हर खिलाड़ी का मंत्र होता है 'टीम फर्स्ट'। सभी खिलाड़ी अपनी टीम की जीत के लिए खेलते हैं। हमारी जीत हमारे कोआर्डिनेशन, विश्वास और टीम की तत्परता पर निर्भर करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश भी इसी तरह आगे बढ़ रहा है। स्वच्छता से लेकर डिजिटल पेमेंट तक, और एक पेड़ मां के नाम से लेकर विकसित भारत के अभियान तक, हम इसलिए प्रगति कर रहे हैं क्योंकि देश का हर एक नागरिक सामूहिक चेतना से 'इंडिया फर्स्ट' की भावना से काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की आर्थिक प्रगति का जिक्र कर कहा कि आजकल दुनिया में भारत की ग्रोथ की भूरी भूरी प्रशंसा हो रही है, लेकिन जब देश विकास करता है, तो यह प्रगति सिर्फ आर्थिक रूप से सीमित नहीं रहती। यह आत्मविश्वास खेल के मैदान पर भी दिखता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत का प्रदर्शन विभिन्न खेलों में लगातार बेहतर हुआ है। हमें गर्व होता है जब हम खेल के मैदान पर तिरंगा फहराते देखते हैं। प्रधानमंत्री ने नमः पार्वती पतये हर-हर महादेव के जयघोष के साथ संबोधन की शुरूआत की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश का हर सेक्टर रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है और स्पोर्ट्स सेक्टर में भी बड़े रिफॉर्म्स हो रहे हैं।

## हिमाचल प्रदेश के सीएम ने महिला कॉलेज छात्रा के लिए न्याय का आश्वासन दिया

एजेंसी

**शिमला।** हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने धर्मशाला के सरकारी डिग्री कॉलेज की एक छात्रा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता दर्शाते हुए मुख्यमंत्री ने छात्रा के माता-पिता से फोन पर बात की और गहरी संवेदना और समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।उन्होंने बताया कि एसोसिएट प्रोफेसर अशोक कुमार और तीन अन्य छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए प्रारंभिक उपाय के तौर पर, एसोसिएट प्रोफेसर को जांच के नतीजे आने और अनुशासनात्मक कार्रवाई होने तक निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने परिवार को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार पारदर्शी, गहन और समयबद्ध जांच के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोहराया कि सरकार परिवार के साथ पूरी तरह से खड़ी है और यह सुनिश्चित करेगी कि सभी दोषियों को कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाए। एक दिन पहले, सरकार ने विभागीय जांच के नतीजे आने तक एसोसिएट प्रोफेसर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया था। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं और हिमाचल प्रदेश शैक्षणिक संस्थान (रैगिंग निषेध) अधिनियम, 2009 की धारा 3 के तहत अशोक कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। आदेशों में कहा गया है कि निलंबन की अवधि के दौरान अशोक कुमार का मुख्यालय शिमला स्थित उच्च शिक्षा निदेशालय में रहेगा और वे उच्च अधिकारियों से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

## बेंगलुरु में धार्मिक जुलूस पर पथराव से कई घायल, थाना के बाहर प्रदर्शन, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

**बेंगलुरु।** सिलीकॉन सिटी के जेजे नगर इलाके में वीएस पार्क के पास रविवार की रात निकल रहे ओम शक्ति मालाधारियों के जुलूस पर अचानक पथराव होने से भगदड़ मच गई। पथराव से कई लोग घायल हो हुए है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और आक्रोशित लोगों ने जेजे नगर पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन कर उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग की। घटना को लेकर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।क्षेत्रीय सांसद ने घटनास्थल का दौरा कर धार्मिक आयोजन में बाधा डालने पर आपत्ति जताई। इस मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग लड़कों को गिरफ्तार किया है। जेजे नगर पुलिस स्टेशन के वीएस पार्क के पास ओम शक्ति मालाधारी समुदाय के लोग जुलूस निकाल रहे थे। तभी अचानक कुछ लोगों ने जुलूस में शामिल लोगों पर पथराव कर दिया। अंधेरे से सड़क पर चल रहे जुलूसियों पर पथराव से लोगों की चीख-पुकार मच गई और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पथराव से कई लोगों को चोटें आई हैं। जिनमें दो युवतियों के सिर फटने से खून बहने लगा। इन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के तुरंत बाद आक्रोशित ओम शक्ति मालाधारी समुदाय के लोगों ने जेजे नगर पुलिस स्टेशन के सामने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शकारी उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। उनका आरोप था कि अन्य समुदायों के लोगों ने जानबूझकर पत्थर फेंके हैं। एक प्रदर्शन कारी का कहना है कि इस इलाकें में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां लोगों को हर दिन भय में जीना पड़ता है। उपद्रवियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। घायल युवती के एक रिश्तेदार ने बताया कि अंधेरे में पत्थरबाजी होने के कारण आरोपितों की पहचान करना संभव नहीं था। घटना को लेकर ओम शक्ति मालधारी के अध्यक्ष शशि कुमार की शिकायत के आधार पर जेजे नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। सोमवार को बेंगलुरु में राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा कि पुलिस ने जेजे नगर के वीएस गार्डन स्थित ओम शक्ति मंदिर के पास हुई पत्थरबाजी की घटना के संबंध में तीन नाबालिग लड़कों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि रविवार शाम को जब ओम शक्ति मालधारी देवी का रथ के साथ जुलूस निकाला जा रहा था, तभी कुछ उपद्रवियों ने जुलूस पर पत्थर फेंके। इस घटना में 15 से 17 वर्ष की आयु के तीन नाबालिग लड़कें शामिल थे, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह मामला किशोर अपराध अधिनियम के अंतर्गत आता है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई करेगी। सांसद पीसी मोहन ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि इस क्षेत्र में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जहां लोग भय के साये में जी रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि धार्मिक अनुष्ठानों में भी बाधा क्यों डाली जा रही है। बेंगलुरु पश्चिम डिवीजन के डीसीपी यतीश ने बताया कि मामले की जांच के लिए दो निरीक्षकों की एक टीम गठित की गई है।

## सिलीगुड़ी में केंद्रीय मंत्री मांडविया की बैठक, चाय उद्योग व सिनकोना बागान के पुनरुद्धार पर जोर

एजेंसी

**सिलीगुड़ी।** केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में दार्जिलिंग के चाय उद्योग एवं सिनकोना बागान से जुड़े हितधारकों के साथ सिलीगुड़ी स्थित उत्तर बंग मारवाड़ी भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट, अलीपुरद्वार के सांसद मनोज तिग्गा सहित स्थानीय नेता मौजूद थे।

बैठक में चाय उद्योग और सिनकोना बागान के पुनर्जीवन व सशक्तिकरण के लिए त्वरित और प्रभावी कदम उठाने तथा श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा की आवश्यकता पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए श्रम संहिता दार्जिलिंग पहाड़ियों, तराई और डुआर्स क्षेत्रों में चाय व सिनकोना श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से बनाए गए हैं। वेतन संहिता के तहत श्रमिकों को सम्मानजनक और समय पर वेतन, पुरुष-महिला के लिए समान वेतन

तथा अत्यधिक कटौतियों में कमी सुनिश्चित की जाएगी। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने स्पष्ट किया कि न्यूनतम वेतन से कम किसी भी श्रमिक को भुगतान नहीं किया जा सकेगा और पश्चिम बंगाल सरकार को भी इसे अनिवार्य रूप से लागू करना होगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता के माध्यम से भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा, मातृत्व लाभ, पेंशन और दुर्घटना बीमा का दायरा श्रमिकों तक बढ़ाया जाएगा। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता से बागानों में कार्य और आवासीय परिस्थितियों में सुधार होगा, जबकि औद्योगिक संबंध संहिता श्रमिकों और प्रबंधन के बीच पारदर्शी व संतुलित संबंधों को बढ़ावा देगी। इसके अलावा, श्रमिकों की मांग पर केंद्रीय मंत्री ने दार्जिलिंग में शीघ्र ही श्रम न्यायालय स्थापित करने का आश्वासन भी दिया।

## कोलकाता-दिल्ली से विशेषज्ञ डॉक्टरर्स की टीम पहुंची इंदौर, भागीरथपुरा में करेगी पानी की जांच

एजेंसरी

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 16 मौतों के बाद क्षेत्र में पानी की टेस्टिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कोलकत्ता, दिल्ली और भोपाल से विशेषज्ञ डॉक्टर्स की टीम इंदौर पहुंची और घटना को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा के साथ बैठक की। कोलकत्ता से आई टीम में वैज्ञानिक डॉ. प्रमित घोष, वैज्ञानिक डॉ.गौतम चौधरी और दिल्ली के एनसीडीसी के डॉ.अनुभव शामिल हैं। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने भागीरथपुरा क्षेत्र में स्थित सभी बोरिंगों का क्लोरिनेशन किया जायेगा। साथ ही घरों में बेसमेंट में बने होज को क्लीन कर उसका भी क्लोरिनेशन किया जायेगा। उसके बाद ही क्षेत्र के नागरिक बोरिंगों के पानी का इस्तेमाल करेंगे। इस अवसर पर अपर कलेक्टर नवजीवन पंवार, मुख्य चिकित्सा

एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव प्रसाद हसानी, डॉ.अश्विन भागवत, डॉ.अभिजीत प्रकार, डॉ.सविता अखण्ड डॉ. सैलविया, शैलेन्द्र कुमार, डॉ.अंशुल मिश्रा,डॉ.रूपामी जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।कलेक्टर वर्मा ने कहा कि शहर में जीबीएस (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) बीमारी का कोई भी मरीज नहीं पाया गया। भागीरथपुरा क्षेत्र में कोलकत्ता, दिल्ली और भोपाल से आई टीम, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और संबंधित विभागों के साथ मिलकर पानी की जाँच कर रही है। जहाँ पर दूषित पानी पाया जाएगा,उसे चिन्हित कर उचित प्रबंध किया जायेगा। साथ ही क्षेत्रीय नागरिकों को भी जागरुक किया जा रहा है कि वे अपने बोरिंग और होज का क्लोरिनेशन कराने में सहयोग दें। इसके लिये भागीरथपुरा के पूरे क्षेत्र को 30 से अधिक बीटों में बांटा किया गया। हर बीट में कर्मचारियों और नागरिकों के साथ मिलकर क्लोरिनेशन का कार्य किया जायेगा। इसके लिये पूरे क्षेत्र को अवगत कराया जा रहा है। कोलकत्ता से आई वैज्ञानिक और डॉक्टरों की टीम दूषित पानी की जाँच करेगीकलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि कोलकत्ता से आये वैज्ञानिक डॉ.प्रमित घोष और वैज्ञानिक डॉ. गौतम चौधरी दूषित जल के सेम्पल लेकर उसका वैज्ञानिक तरीके से जाँच करेगी।

## गायक हंसराज रघुवंशी के भजनों के साथ 'दिल्ली शब्दोत्सव 2026' का भव्य समापन

एजेंसरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली में तीन दिवसीय 'शब्दोत्सव 2026' का भव्य समापन साधो बैंड और गायक हंसराज रघुवंशी के भजनों की प्रस्तुति के साथ हुआ। तीन दिवसीय चले इस कार्यक्रम के समापन पर काफी संख्या में लोग एकत्रित हुए। अलग-अलग मंचों से पुस्तक लोकार्पण, कवि सम्मेलन, मीडिया और सोशल मीडिया पर विचार, राजनीति मुद्दों सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। इसमें कई छात्रों ने चित्रकला, मूर्तिकला और संस्कृति श्लोक गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। इस दौरान यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों से आये छात्रों ने कई विषयों पर चित्र बनाएं, तो किसी ने मूर्ति बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन अन्य सत्रों, कवि सम्मेलनों से लेकर पुस्तक लोकार्पण, दक्षिणपथ मुद्दे और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं की भीड़ जुटी। इस मौके पर तीन दिन में 40 से अधिक पुस्तकों का लोकार्पण, छह बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम, दो बड़े कवि सम्मेलन, ओपन माइक (युवाओं के लिए), विभिन्न प्रकाशनों के बुक स्टॉल (सुरुचि, प्रभात, गरुण आदि), भोजन के फूड स्टॉल, 100 से अधिक वक्ता और कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्र शामिल हुए।

## सेना की नई 'भैरव फोर्स' राजस्थान में तैनात, कमांडो को दी गई ऑपरेशन की ट्रेनिंग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश की सुरक्षा और आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय सेना ने एक स्पेशल फोर्स तैयार की है, जिसका नाम 'भैरव' रखा गया है। राजस्थान के नसीराबाद में तैनात यह फोर्स एक लाख से ज्यादा ड्रोन संचालित करेगी, जिसके लिए कमांडो को तैयार किया गया है। इन्हें ड्रोन संचालित करने और दुश्मन के ठिकानों पर हमला करने की ट्रेनिंग दी गई है, जिससे आज के समय के युद्ध के हालात में भारतीय सेना की काबिलियत बढ़ती है।

नसीराबाद में तैनात भैरव बटालियन के एक कमांडिंग ऑफिसर का कहना है कि आजकल की लड़ाई बहुत तेजी से बदल रही है। आज की लड़ाइयां हाइब्रिड होती हैं और चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक से पूरी तरह लैस होना जरूरी है। इसीलिए भैरव बटालियन को आधुनिक तकनीक, नई सोच और नई ऑपरेशनल जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। भारतीय सेना ने आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए एक लाख से ज्यादा ड्रोन संचालकों का समूह बनाया है। भैरव बटालियन जयपुर में इस साल 14 जनवरी को सेना दिवस परेड में अपने प्रदर्शन की तैयारी कर रही है।

उन्होंने बताया कि भैरव बटालियन को युद्ध के नए तौर-तरीकों के लिए प्रशिक्षित किया गया है। बटालियन में विशेष रूप से प्रशिक्षित घातक कमांडो इकाइयां हैं, जिन्हें पारंपरिक पैदल सेना और विशिष्ट पैरा-स्पेशल फोर्सेज के बीच की खाई को पाटने के लिए बनाया गया है, ताकि वे चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर तेज, उच्च-प्रभाव वाले और क्रॉस-बॉर्डर ऑपरेशन कर सकें। इनमें आधुनिक तकनीक और ड्रोनों (जैसे अस्त्रों) का इस्तेमाल किया जाता है। ये बटालियन दुश्मन के ठिकानों पर डीप स्ट्राइक करने, टोही और घुसपैठ करने में माहिर होती हैं, जिससे एलीट स्पेशल फोर्सेज को अधिक जटिल मिशनों के लिए मुक्त रखा जा सके। भारतीय सेना 25 भैरव बटालियन बना रही है, जिनमें से पहली बटालियन पिछले साल नवंबर में तैनाती के लिए तैयार हो गई थी और बाकी को तैयार किया जा रहा है। सामान्य तौर पर सेनाओं में अलग-अलग हथियारों, सिग्नल आदि की अलग-अलग इकाइयां होती हैं, जिन्हें युद्ध के दौरान सभी को साजो-सामान लेकर डटना होता है। अब नई बनाई गई प्रत्येक भैरव बटालियन में लगभग 250 सैनिक होंगे, जिनमें पैदल सेना, तोपखाने, सिग्नल और वायु रक्षा जैसी विभिन्न शाखाओं के जवान शामिल होंगे। यह जवान विशेष रूप से प्रशिक्षित और सुसज्जित सैनिक तोपखाने से लैस होंगे और उनके पास विमान-रोधी मिसाइलें भी होंगी।

सेना की इन्फैंट्री के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने बताया कि भारत अगले छह महीनों में 25 उत्कृष्ट भैरव बटालियन स्थापित करेगा। पांच भैरव बटालियन गठित कर दी गई हैं और उन्हें इच्छित परिचालन क्षेत्रों में तैनात कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह बल पैदल सेना बटालियनों और विशेष बलों, कमांडो बटालियनों के बीच की खाई को पाटने, चुनौतियों का सामना करने और कार्य को अंजाम देने के लिए बनाया गया है।

### वाराणसी एयरपोर्ट पर यात्री के हैंडबैग से छह जिंदा कारतूस बरामद, सीआईएसएफ ने पुलिस को सौंपा

एजेंसी

**वाराणसी।** वाराणसी बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपराह्न सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ के जवानों ने एक यात्री के हैंडबैग से .32 बोर के छह जिंदा कारतूस और एक मैगजीन बरामद की। बरामदगी के बाद सीआईएसएफ ने यात्री भुवनेश्वर नाथ तिवारी, निवासी ग्राम बरौधा, थाना कोतवाली कटरा, जनपद मिर्जापुर को पूछताछ के लिए रोका। यात्री एयर इंडिया की उड़ान से दिल्ली जा रहा था। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि बरामद कारतूस उसकी लाइसेंसी .32 बोर पिस्टल के हैं। सीआईएसएफ ने आवश्यक कार्रवाई के बाद यात्री को फूलपुर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। यात्री ने यह भी बताया कि वह दिल्ली में पूर्व जिलाधिकारी मिर्जापुर सुशील पटेल से मिलने जा रहा था। अधिकारियों के अनुसार, कारतूस हवाई यात्रा में लाने के मामले को लेकर विभिन्न एजेंसियां जांच कर रही हैं। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

## उत्तराखंड सरकार सांस्कृतिक पहचान और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

एजेंसरी

**नई दिल्ली।** उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि सरकार उत्तराखंड की सांस्कृतिक जड़ों की रक्षा, आपसी भाईचारे को बढ़ावा और कानून का राज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुष्कर धामी ने यह बात नई दिल्ली स्थित मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में आयोजित 'शब्दोत्सव' कार्यक्रम के अंतिम दिन पंचम सत्र 'धर्मरक्षक धामी' कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखण्ड की मूल सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक समरसता और विधिसम्मत शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने बताया कि सरकारी भूमि पर सुनियोजित रूप से अवैध कब्जा करने वाले समूहों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक 10,000 एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार के निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि 01 जुलाई, 2026 के बाद केवल वही मदरसे संचालित हो सकेंगे जो राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का पालन करेंगे। शिक्षा की गुणवत्ता,

पारदर्शिता और बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अब तक 250 से अधिक ऐसे मदरसों को बंद किया जा चुका है, जो नियमों और मानकों का पालन नहीं कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह निर्णय किसी को निशाना बनाने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में किसी भी प्रकार की कट्टरवादी मानसिकता को पनपने नहीं दिया जाएगा और शिक्षा के मंदिर स्थापित किए जाएंगे।विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विषय केवल मतदाता सूची तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे राज्य की विभिन्न योजनाओं की पारदर्शिता और वित्तीय प्रबंधन भी जुड़ा है। उन्होंने बताया कि राज्य में पहले ही राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर कार्ड के सत्यापन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है और इसका उद्देश्य किसी विशेष वर्ग को लक्षित करना नहीं, बल्कि प्रणाली को दुरुस्त करना है। इसके अलावा,अब तक लगभग 600 अवैध ढांचों को हटाया गया है, जिनमें किसी प्रकार के वैध अवशेष नहीं पाए गए। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण के प्रयासों को सख्ती से रोका गया है।

आगामी विधानसभा चुनावों के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में संगठन और सरकार निरंतर सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने समान नागरिक संहिता, नकल विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून तथा मदरसा बोर्ड को समाप्त कर नया अधिनियम लागू किए जाने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में केंद्र और राज्य सरकार की दो लाख से अधिक विकास योजनाएं संचालित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) इंडेक्स में उत्तराखण्ड ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

## छत्तीसगढ़ के बीजापुर-सुकमा में मारे गए 14 इनामी नक्सलियों की हुई शिनाख्त

एजेंसी

**सुकमा।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिले में हुई मुठभेड़ में मारे गए 14 नक्सलियों की शिनाख्त हो गई है। इन नक्सलियोंपर 70 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें एसीएम और पीपीसीएम कैडर के नक्सली शामिल थे। सुकमा के किस्टाराम इलाके में शनिवार को 12 और बीजापुर में दो नक्सली मारे गए थे। बीजपुर मुठभेड़ में मारे गये दोनों नक्सलियों की शिनाख्त पांच लाख के इनामी हुंगा मड़कम ऊर्फ पंचुगा, निवासी ग्राम पूवर्ती थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, पदनाम-एसीएम पामेड़ एरिया कमेटी और पांच लाख के इनामी आयती मुचाकी ऊर्फ जोगी, निवासी ग्राम पीनाचन्दा थाना पामेड़ जिला बीजापुर, पदनाम-पीपीसीएम पामेड़ एरिया कमेटी के रूप में हुई थी। सुकमा जिले में मारे गए 12 नक्सलियों की शिनाख्त आज रविवार को हुई, जिसमें सीवाईपीसी एक, डीवीसीएम एक, एसीएम सात, पीएम तीन, कैडर के कुल 60 लाख के इनामी नक्सली मारे गये हैं। सुकमा में मारे गए नक्सली, बलिदानी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे की आईईडी विस्फोट हत्याकांड की साजिश में शामिल थे। आतंक के पर्याय कुख्यात नक्सली डीव्हीसीएम वेट्टी मंगडू ऊर्फ मुक्का सुकमा जिले के 41 मामले में एवं माड़वी हितेश (एसीएम) 14 मामले में वांछित थे। दोनों नक्सली अपने टीम के अन्य नक्सलियों के साथ कई बड़ी वारदातों और निर्दोष ग्रामीणों के हत्याओं में शामिल रहे हैं। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि सुकमा जिले के दक्षिणी क्षेत्र किस्टाराम थाना क्षेत्राधिकार अंतर्गत पामलूर के जंगलों में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के आधार पर सुकमा डीआरजी द्वारा सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। अभियान के तहत सुकमा के दक्षिण क्षेत्र में डीआरजी की टीमें रवाना की गई थीं। मुठभेड़ के बाद सर्च ऑपरेशन के दौरान मुठभेड़ स्थल से कुल 12 नक्सलियों के शव हथियार सहित बरामद किए गए हैं, जिनमें 5 महिला नक्सलियों के शव भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से बरामद हथियार सामग्रियों में एके 47 रायफल एक, मय मैगजीन 30 राउंड, एसएलआर रायफल एक मय मैगजीन 10 राउंड, इंसास रायफल एक, मय मैगजीन 26 राउंड , बीजीएल लॉन्चर चार मय बीजीएल सेल 11 नग, 12 बोर रायफल तीन, मय राउंड 8 नग, वायरलेस सेट एक, कैनर सेट 2 नग बरामद किया गया। सुकमा एसपी चौव्हाण ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में शांति और स्थिरता की दिशा में निरंतर एवं निर्णायक प्रगति हो रही है। हमारा स्पष्ट संदेश है कि हिंसा का कोई भविष्य नहीं है और संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के माध्यम से ही बस्तर आगे बढ़ सकता है।

# दिग्गज ऑलराउंडर ने भारत की अगली कप्तान की भविष्यवाणी की, मंधाना की जगह इस पर दिखाया भरोसा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत की ऐतिहासिक महिला विश्व कप 2025 जीत के बाद अब चर्चा का केंद्र टीम का भविष्य और नेतृत्व है। मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत कौर 36 वर्ष की हो चुकी हैं और उनके शानदार करियर के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही उत्तराधिकारी की खोज तेज हो गई है। जहां स्मृति मंधाना को लंबे समय से अगला कप्तान माना जा रहा था, वहीं दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज ऑलराउंडर मैरिज़ेन कैप ने एक अलग नाम आगे बढ़ाकर बहस को नया मोड़ दे दिया है। उनका मानना है कि भारत को ऐसा लीडर चाहिए जो टीम को जोड़कर रख सके।

### हरमनप्रीत कौर के बाद कौन? लीडरशिप पर नई बहस

विश्व कप जीत के बाद भारतीय महिला टीम स्थिरता और निरंतरता के दौर में है, लेकिन कप्तानी का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। हरमनप्रीत ने कई सालों तक टीम का नेतृत्व किया है, पर उम्र और भविष्य की योजना को देखते हुए बीसीसीआई को दीर्घकालिक विकल्प की ज़रूरत है। ऐसे में लीडरशिप सिर्फ रणनीति तक सीमित नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को साथ लेकर चलने की क्षमता भी अहम बन गई है।

### मैरिज़ेन कैप का चौंकाने वाला समर्थन

5 जनवरी 2026 को दिए एक इंटरव्यू में मैरिज़ेन कैप ने जेमिमा रोड्रिग्स को भारत की अगली कप्तान के रूप में देखने की इच्छा जताई। कैप के अनुसार, जेमिमा में वर्षों से लीडरशिप के गुण दिखाई देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कप्तानी केवल फील्ड सेटिंग और फैसलों तक सीमित नहीं होती, बल्कि टीम के भीतर विश्वास और एकता बनाना भी उतना ही जरूरी है—और जेमिमा इसमें स्वाभाविक रूप से आगे हैं।

### पर्सनैलिटी और परफॉर्मेंस का सही संतुलन

कैप ने ज़ोर देकर कहा कि जेमिमा की सबसे बड़ी ताकत उनकी पर्सनैलिटी है। वह खिलाड़ियों को जोड़ती हैं, माहौल को सकारात्मक रखती हैं और हर खिलाड़ी की परवाह करती हैं। हाल ही में विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ खेली गई उनकी नाबाद 127 रनों की पारी ने यह भी साबित किया कि वह बड़े मंच और दबाव को संभाल सकती हैं। 25 साल की उम्र में इस तरह की परिपक्वता उन्हें नेतृत्व के लिए तैयार बनाती है।

### WPL 2026: जेमिमा के लिए लीडरशिप की अग्निपरीक्षा

जेमिमा रोड्रिग्स को WPL 2026 सीज़न के लिए दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी सौंपी जाने के साथ ही यह चर्चा और मजबूत हो गई है। वह अनुभवी मेग लैनिंग की जगह ले रही हैं, जो अब क्वारियर्ज का नेतृत्व करेंगी। इस बदलाव को भारतीय क्रिकेट में एक रणनीतिक प्रयोग के तौर पर देखा जा रहा है, जहां जेमिमा की कप्तानी को हाई-प्रेशर लीग में परखा जाएगा।

### दिल्ली कैपिटल्स और भविष्य की राह

दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर पार्थ जिंदल ने जेमिमा पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि टीम की पहली पिक से कप्तान बनने तक का उनका सफ़र प्रेरणादायक है। जब DC 10 जनवरी को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी, तो सभी की निगाहें जेमिमा पर होंगी। अगर वह टीम को पहला WPL खिताब दिलाने में सफल रहती हैं, तो भारत की अगली महिला कप्तान के रूप में उनका दावा और भी मजबूत हो जाएगा।

# ह्यूबर्ट हुरकाज ने यूनाइटेड कप में ज्वेरेव को हराया, चोट के बाद दमदार वापसी

**सिडनी (एजेंसी)।** पोलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी ह्यूबर्ट हरकाज ने चोट से उबरने के बाद शानदार वापसी करते हुए यूनाइटेड कप में बड़ा उलटफेर किया है। करीब सात महीने बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटे हरकाज ने सोमवार को विश्व नंबर तीन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को सीधे सेटों में हराकर अपने इरादे साफ कर दिए।

यह मुकाबला सिडनी में खेला गया, जहां हरकाज ने जर्मनी के दिग्गज खिलाड़ी ज्वेरेव को 6-3, 6-4 से मात दी। पूरे मैच के दौरान हरकाज ने दमदार सर्विस, सटीक ग्राउंडस्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि उन्होंने दबाव के क्षणों में भी संयम बनाए रखा और ज्वेरेव को लय में आने का मौका नहीं दिया।

### चोट के बाद मानसिक और शारीरिक परीक्षा

मैच के बाद हरकाज ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा, 'काफी समय हो गया था जब मैंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। लगभग सात महीने तक मैं कोर्ट से दूर रहा। यह दौर मेरे लिए और टीम के लिए काफ़ी मुश्किल था, लेकिन सभी ने मेरा पूरा समर्थन किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम लंबे समय तक यह भी नहीं जानते थे कि मैं दोबारा कब कोर्ट पर लौट पाऊंगा। आज मैं बस हर पल का आनंद लेने की कोशिश कर रहा था।'

### आत्मविश्वास की वापसी का संकेत

हरकाज की यह जीत न केवल पोलैंड के लिए यूनाइटेड कप में अहम साबित हुई, बल्कि यह भी दिखाती है कि चोट के बाद वह धीरे-धीरे अपनी पुरानी लय और आत्मविश्वास हासिल कर रहे हैं। ज्वेरेव जैसे शीर्ष खिलाड़ी को हराना आने वाले बड़े टूर्नामेंटों से पहले हरकाज के लिए मनोबल बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

यूनाइटेड कप जैसे मिश्रित टीम टूर्नामेंट में इस तरह की जीत से पोलैंड की टीम को भी मजबूती मिली है और हरकाज ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तरह फिट होकर फिर से शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हैं।

# विजय हजारे ट्रॉफी : वापसी की चर्चा के बीच विराट कोहली दिल्ली के लिए नहीं खेलेंगे अगला मैच

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली रेलवे के खिलाफ होने वाला विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का मैच नहीं खेलेंगे। दोनों राज्य एसोसिएशन BCCI के प्रमुख 50 ओवर के टूर्नामेंट के पांचवें राउंड में 6 जनवरी को आमने-सामने होने वाले थे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विराट KSCA क्रिकेट ग्राउंड पर रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच के लिए सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। रिपोर्ट में विराट की गैरमौजूदगी का कारण नहीं बताया गया है।

खास बात यह है कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने दिल्ली के लिए पहले दो मैच खेले और एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। हालांकि वह अपने परिवार के पास लौट गए और पिछले दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं खेले। 37 साल के यह खिलाड़ी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल होने से पहले एक और VHT मैच खेलने वाले थे। हालांकि अब यह भारतीय स्टार 11 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में सीधे न्यूजीलैंड के खिलाफ एक्शन में दिखेंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले बोर्ड ने भारत के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वाले खिलाड़ियों को निर्देश दिया था कि अगर उन्हें वनडे के लिए टीम में बने रहना है तो उन्हें कम से कम दो विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलने होंगे। इसलिए रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या और सभी बड़े खिलाड़ियों ने इस दिसंबर विंडो में अपने राज्य एसोसिएशन की जर्सी पहनी।

दिल्ली के लिए विराट कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने सबसे पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ मैच खेला और शानदार 131 (101) रन बनाए जिसमें 14 चौके और तीन छक्के शामिल थे। इसके बाद उन्होंने गुजरात का सामना किया और 77 (61) रन बनाए। अगर विराट अब आने वाला विजय हजारे ट्रॉफी मैच नहीं भी खेलते हैं, तो BCCI की तरफ से कोई दबाव नहीं होगा, क्योंकि उन्होंने पहले ही उनकी बात मान ली है।

# दक्षिण अफ्रीका में भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की दहाड़, सिर्फ 24 गेंदों में ठोके 68 रन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय अंडर-19 टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही वनडे सीरीज के दूसरे मैच में उसी टीम का सामना किया। दोनों टीमें 5 जनवरी को बेनोनी के विलोमूर पार्क में आमने-सामने थीं। मैच की शुरुआत दक्षिण अफ्रीका के पहले बल्लेबाजी करने से हुई। दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 245 रन बनाए और जैसे ही रन चेज़ शुरू हुआ, भारतीय कप्तान वैभव सूर्यवंशी ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस युवा खिलाड़ी ने भारतीय टीम के लिए पारी की शुरुआत की और विरोधी टीम के बल्लेबाजों की जमकर धुनाई की।

सूर्यवंशी ने मात्र 24 गेंदों में 68 रन बनाए, जिसमें 10 छक्के और एक चौका शामिल था। उनकी तेज शुरुआत ने भारतीय अंडर-19 टीम को मैच में वह शानदार शुरुआत दिलाई जिसकी उन्हें जरूरत थी। उन्होंने आरोन जॉर्ज के साथ पारी की शुरुआत की, जो रन चेज़ के शुरुआती चरण में ही 20 रन बनाकर आउट हो गए। मैच की बात करें तो, दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 ने पहले बल्लेबाजी की। जोरिच वैन शाल्कविक और अदनान लगडियन ने क्रमशः 10 और 25 रन बनाकर पारी की शुरुआत की। कप्तान मोहम्मद बुलबुलिया भी मात्र 14 रन बनाकर आउट हो गए।

जेसन रोल्स की शानदार पारी ने दक्षिण अफ्रीका को अपनी पारी को संभालने में मदद की। इस स्टार बल्लेबाज ने 113 गेंदों में 114 रन बनाए, जबकि डेनियल बोसमैन ने 63 गेंदों में 31 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका पहली पारी में 245 रनों पर सिमट गई, और इसका श्रेय किशन सिंह की गेंदबाजी को जाता है। पहली पारी में 8.3 ओवर गेंदबाजी करते हुए किशन सिंह ने चार विकेट लिए और 46 रन दिए। इसके अलावा, आरएस अंबरीश ने दो विकेट लिए, वहीं दीपेश देवेंद्रन, कनिष्क चौहान और खिलन पटेल ने एक-एक विकेट लिया।

# गिल के टीम से बाहर होने पर हैरान रिकी पोंटिंग... लेकिन भारतीय क्रिकेट की इस बात से खुश

नई दिल्ली।टी-20 वर्ल्डकप 2026 के लिए भारत की टीम में शुभमन गिल को जगह नहीं मिली, जो सितंबर 2025 में एशिया कप से पहले टी20 टीम के आधिकारिक तौर पर उपकप्तान थे। खराब फॉर्म की वजह से चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से बाहर रखा है। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रिकी पोंटिंग चयनकर्ताओं के फैसले से हैरान हैं। हालांकि, उन्होंने भारतीय क्रिकेट की तारीफ की। उनका कहना है कि जब आप गिल जैसे खिलाड़ी को बाहर करते हैं, तब पता चलता है कि आपके पास टैलेंट की कमी नहीं है। आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने गिल को ड्रॉप करने को लेकर कहा, 卐मुझे यकीन नहीं हुआ। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनका हालिया फॉर्म बहुत अच्छा नहीं रहा है। लेकिन पिछली बार जब मैंने उन्हें सच में अच्छा खेलते देखा था, तब वह यूके में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज थी, जहां उन्होंने इतनी अच्छी बैटिंग की जितनी मैंने कभी किसी को करते नहीं देखा। मुझे लगता है, पहली बात यह कि मैं हैरान हूं, लेकिन दूसरी बात यह कि, यह इंडियन क्रिकेट की डेप्थ को दिखाता है। उन्होंने कहा, अगर आप सोच सकते हैं कि गिल जैसे अच्छे खिलाड़ी को वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया, तब इससे पता चलता है कि भारत के पास कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम का ऐलान कर गिल को लेकर कहा था, 卐हम जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है, लेकिन शायद इस समय वह थोड़े रन नहीं बना पाया है। पिछले वर्ल्ड कप में भी बाहर रहना दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे, लेकिन यह किसी भी चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की बात हैज्जब आप 15 खिलाड़ी चुनते हैं तब किसी को बाहर रहना ही पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय गिल हैं। हम कॉम्बिनेशन देख रहे हैं।

# शार्दुल और सरफराज के चोटिल होने से मुम्बई की मुश्किलें बढ़ीं, मंगलवार को हिमाचल के खिलाफ मैच में इन दोनो के बिना ही उतरना होगा

मुम्बई।कप्तान शार्दुल ठाकुर और बल्लेबाज सरफराज खान के चोटिल होने की विजय हजारे ट्रॉफी खेल रही मुंबई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। मुंबई की टीम ने ग्रुप सी में

अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया है। मुम्बई ने अपने 5 मैचों में से 4 जीते है जबकि एक में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसे अभी दो लीग चरण के मैच खेलने हैं। ऐसे में अब नॉकआउट मैचों में प्रवेश के लिए मुंबई को कम से कम एक मुकाबला जीतना होगा और नेट रन रेट को भी बेहतर बनाये रखना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार शार्दुल ठाकुर पूरे टूर्नामेंट से भी बाहर हो सकते हैं। जयपुर में महाराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह पूरे ओवर भी नहीं फेंक पाये थे। मुंबई की टीम को अपना अगला मैच 6 जनवरी को हिमाचल प्रदेश से खेलना है। शार्दुल अगर अगले मैचों के लिए बाहर हुए तो ये मुंबई के लिए करारा झटका होगा। उनके अलावा बल्लेबाज सरफराज का खेलना भी मुश्किल है। ऐसे में दो अनुभवी खिलाड़ियों की कमी पूरी करना मुम्बई के लिए कठिन होगा। राहत की बात है कि बल्लेबाज श्रेयस अय्यर टीम से जुड़ रहे हैं।

# बांग्लादेश के टी20 विश्वकप मैचों को कोलंबो स्थानांतरित कर सकता है आईसीसी

दुबई।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह शुरु हो रहे टी20 विश्वकप में बांग्लादेश के सभी मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर सकता है। इसका कारण है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि सुरक्षा कारणों से वह अपनी टीम भारत नहीं भेजे सकता है। इसी को देखते हुए बांग्लादेश ने आईसीसी से अपने ग्रुप स्तर के मैचों को दूसरे स्थलों पर अन्य देश में कराने को कहा है। वहीं रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान हालातों को देखते हुए आईसीसी इस अनुरोध पर विचार कर रही है और माना जा रहा है कि इस मैच में शीघ्र ही कोई फैसला आ सकता है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से बाहर कर दिया। बीसीसीआई के इस फैसले के बाद बीसीबी ने कहा था कि ये कदम सुरक्षा कारणों से भारतीय बोर्ड ने उठाया है। ऐसे में हमारी टीम की सुरक्षा भी वहां खतरे में पड़ जाएगी। इसलिए टीम को भारत नहीं भेजा जा सकता है। तय कार्यक्रम के अनुसार विश्कप के मैच 7 फरवरी से 8 मार्च 2026 तक भारत और श्रीलंका में खेले जाने हैं। वर्तमान कार्यक्रम के तहत बांग्लादेश को अपने चार ग्रुप मैचों में से तीन मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने हैं, जबकि एक मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में नेपाल से खेलना है। अब ये सभी मैच सहमेजबान श्रीलंका को स्थानांतरित किये जा सकते हैं। अगर आईसीसी बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में आयोजित करता है तो श्रीलंका में मैचों के कार्यक्रम में बदलाव करना होगा। इसके अलावा टीमों के रहने और अन्य सुविधाओं की भी व्यवस्था करना होगा।

# हॉकी लीग के जरिये फिर खुद को साबित करना चाहते हैं 'पोस्टर ब्वॉय' रहे हरजीत सिंह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिये ही नही, खुद उनके लिये भी हैरानी का सबब रहा। हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने भाषा से खास बातचीत में कहा, 'हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।'

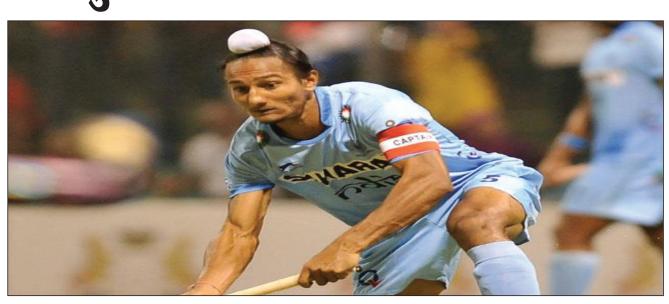

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी। हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे।

जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे। हरजीत ने कहा, 'मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है।' 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत के लिए करीब 50 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैने कइयों से पूछा लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया।' उन्होंने कहा, 'हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था।मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली।'

उनकी तुलना अक्सर जूनियर विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान उन्मुक्त चंद से की जाती है जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर टीम के साथ दोहरा नहीं सके और अचानक परिदृश्य से गायब हो गए। भारत पेट्रोलियम के लिए विभागीय हॉकी खेलने के अलावा हरजीत ने नीदरलैंड में डच लीग में एचजीसी और ब्रिटेन में इंडियन जिमखाना के लिए खेला। पंजाब के मोहाली के कुराली गांव से निकले इस खिलाड़ी ने कहा, 'मैं काफी समय इन चीजों से बाहर नहीं निकल सका। पिंड गया तो वहां भी सभी पूछते थे कि वापिस कब खेलेगा तो मेरा वहां भी रहने का मन नहीं करता था। धीरे धीरे मैने विभागीय हॉकी और दूसरे देशों में लीग खेलनी शुरू की।'

उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था मानो सभी के पास मेरे लिये एक ही सवाल था कि मैं कब दोबारा भारत के लिये खेलूंगा। मैं अपनी ओर से पॉजीटिव रहने की पूरी कोशिश करता था। खेलों की बायोपिक देखकर प्रेरणा लेता था।' हॉकी इंडिया लीग में हरमनप्रीत की कप्तानी वाली जेएसडब्ल्यू सूरमा टीम के लिये खेल रहे हरजीत ने कहा, 'मैं दिल से सूरमा (योद्धा) हूं और टीम का काफी सहयोग मिला है चूंकि इसमें जूनियर सीनियर का कोई भेद नहीं है।%

उन्होंने कहा, 'जूनियर विश्व कप के साथी हरमनप्रीत, आकाशदीप, गुरजंत, विवेक सागर प्रसाद टीम में हैं जो अच्छी बात है। हरमनप्रीत टीम को साथ में लेकर चलता है और ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी अच्छा रहता है।' हॉकी किट और अच्छी खुराक के लालच में खेलना शुरू करने वाले हरजीत 2007 में जालंधर की सुरजीत अकादमी चले गए और 2011 में भारतीय टीम के शिविर में चयन हुआ था।

# सविता पूनिया की नजरें एशियाई खेल स्वर्ण के जरिए ओलंपिक क्वालीफिकेशन पर

नई दिल्ली।भारत की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की नजरें खेल को अलविदा कहने से पहले इस साल एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करने पर लगी हैं। सविता ने कहा कि वह फिलहाल लॉस एंजिलिस ओलंपिक से आगे नहीं सोच रही हैं। राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता और तीन बार एशियाई खेलों में पदक जीत चुकी सविता ने कहा, 'मुझे लगने लगा है कि अब परिवार के साथ और समय बिताना है। सभी को कभी न कभी रिटायर होना है लेकिन मैं अच्छे समय पर यह फैसला लेना चाहती हूं। एशियाई खेल हो या 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक।' उन्होंने कहा, 'अभी ओलंपिक में समय है तो मैं कुछ कह नहीं सकती। मेरा फोकस एशियाई खेलों पर है और उससे आगे के बारे में नहीं सोच रही। मैं एशियाई खेलों के बाद संन्यास का फैसला लूंगी। अगर हम वहीं से ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करते हैं तो बहुत अच्छा होगा ताकि क्वालीफायर का दबाव नहीं झेलना पड़े।' हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिये खेल रही सविता ने कहा कि वह एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश करेंगी। उन्होंने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। मैं हमेशा लक्ष्य लेकर चलती हूं और एक समय में एक ही लक्ष्य जेहन में होता है। हमारी टीम काफी सक्षम है और मैं सीनियर खिलाड़ी होने के नाते हमेशा खिलाड़ियों का मनोबल बढाने के लिये हूं।' सविता ने कहा, 'विश्व कप क्वालीफायर भी काफी अहम है और उसके बाद नेशंस कप भी है। यह पूरा साल काफी अहम होने वाला है।'

# मलेशिया ओपन: लक्ष्य सेन के साथ इन भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

**कुआलालंपुर (एजेंसी)।** नए सत्र की शुरुआत के साथ ही भारतीय बैडमिंटन की निगाहें मलेशिया ओपन सुपर 1000 पर टिक गई हैं, जहां लक्ष्य सेन के साथ पी.वी. सिंधू, सात्विक-चिराग और कई युवा खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। 14.5 लाख डॉलर इनामी इस बड़े टूर्नामेंट में भारतीय शटलर्स न सिर्फ 2025 की निराशाओं को पीछे छोड़ना चाहेंगे, बल्कि दमदार प्रदर्शन के जरिए नए साल का सकारात्मक आगाज करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे।

### पिछले साल की निराशा, अब नए साल से उम्मीदें

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए 2025 का साल खास नहीं रहा, जहां कई शीर्ष खिलाड़ी चोटों और खराब फॉर्म से जूझते नजर आए। ऐसे में मलेशिया ओपन को खिलाड़ी न सिर्फ वापसी का मंच मान रहे हैं, बल्कि अगले सप्ताह दिल्ली में होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 की तैयारी के लिहाज से भी इसे अहम मान रहे हैं।

### लय में लौटे लक्ष्य सेन

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान के बाद खराब दौर से गुजर रहे विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 जीतकर लय हासिल की है। 24 वर्षीय अल्मोड़ा के खिलाड़ी हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे। लक्ष्य पहले दौर में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ उसी फॉर्म को बरकरार रखने की कोशिश करेंगे।

### आयुष शेट्टी के सामने बड़ी चुनौती

यूएस ओपन सुपर 300 चैंपियन युवा आयुष शेट्टी का पहले दौर में सामना पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशिया के ली जी जिया से होगा, जो उनके लिए कड़ी परीक्षा साबित हो सकती है।

### चोट से वापसी कर रहीं पी.वी. सिंधू

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन पी.वी. सिंधू के लिए पिछला साल निराशाजनक रहा। पैर की चोट के कारण वह अक्टूबर के बाद से कोर्ट से दूर थीं। सिंधू पहले दौर में चीनी ताइपै की सुंग शुओ युन से भिड़ेंगी।

### युवा और वापसी कर रहे खिलाड़ियों पर नजर

दूसरी बार ओडिशा ओपन खिताब जीतने वाली उन्नति हुड्डा का सामना पहले दौर में टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और चौथी वरीयता प्राप्त चीन की चेन यू फेई से होगा। वहीं, बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने बाद वापसी कर रहीं मालविका बंसोड की टक्कर पूर्व विश्व चैंपियन थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन से होगी।

### सात्विक-चिराग से बड़ी उम्मीदें

तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पिछले साल हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई थी और विश्व चैंपियनशिप में दूसरी बार कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेल चैंपियन यह जोड़ी पहले दौर में चीनी ताइपै के ली झे हुइ और यांग पो सुआन से भिड़ेगी। भारत की ही जोड़ी एम.आर. अर्जुन और हरिहरन अम्साकरूनन का सामना जापान के हिरोकी मिदोरिकावा और के. यामाशिता से होगा।

### महिला युगल में भी चुनौतीपूर्ण शुरुआत

महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी पहले दौर में इंडोनेशिया की फेब्रियाना डी कुसुमा और मेलिसा त्रियास पुष्पितासारी से मुकाबला करेगी। नए साल की इस पहली बड़ी परीक्षा में भारतीय खिलाड़ियों से मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद होगी, ताकि आने वाले टूर्नामेंटों के लिए आत्मविश्वास हासिल किया जा सके।

# ब्रिटेन की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राडुकानू ने ओसाका के खिलाफ यूनाइटेड कप मुकाबले से वापस लिया नाम

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)।ग्रेट ब्रिटेन की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानू ने यूनाइटेड कप में नाओमी ओसाका के खिलाफ अपने मैच से नाम वापस ले लिया। राडुकानू की गैरमौजूदगी में ग्रेट ब्रिटेन ने ऑस्ट्रेलिया में जापान के खिलाफ 2-1 से ग्रुप-स्टेज जीत के साथ अपने यूनाइटेड कप अभियान की शुरुआत की। ब्रिटिश नंबर वन खिलाड़ी ने अक्टूबर से कोई मैच नहीं खेला है और दिसंबर में पैर में मामूली चोट के कारण अमेरिका में दो प्रदर्शनी मैचों से नाम वापस ले लिया था। ग्रेट ब्रिटेन की टीम के कप्तान टिम हेनमैन ने मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टर नाइन से कहा, 'मुझे ईमानदार होना होगा, वह बहुत करीब थी। यह आसान फैसला नहीं था। वह तैयारी कर रही थी और बहुत अच्छी तरह से अभ्यास कर रही थी। लेकिन हमें आज सुबह लगा कि यह थोड़ा जल्दी है।'

# हनुमान के सीक्वल को लेकर अफवाहों पर तेजा सज्जा ने लगाया विराम

साउथ के एक्टर तेजा सज्जा फिल्म हनुमान के सीक्वल को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में, ऐसी खबरें चल रही थीं कि एक्टर तेजा सज्जा ने 2024 की हिट फिल्म हनुमान के सीक्वल से किनारा कर लिया है। जय हनुमान के बारे में कोई अपडेट न होने के कारण कई लोगों ने इसे सच मान लिया। हालांकि, तेजा सज्जा ने इस बात से इनकार किया है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से किनारा किया है।

सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा थी कि तेजा सज्जा हनुमान के सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगे। खबरें यह भी थीं कि उन्होंने इस फिल्म से किनारा कर लिया। दावा किया गया कि लिमिटेड स्क्रीन टाइम और क्रिएटिव मतभेदों का हवाला देते हुए, उन्होंने खुद को प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स से अलग किया। हालांकि तेजा सज्जा ने इस तरह की खबरों को सिरे से खारिज किया है। तेजा सज्जा ने बताया ये गलत खबरें हैं कि मैं जय हनुमान का हिस्सा नहीं हूं। उन्होंने बताया है कि वह अपने आप को इस प्रोजेक्ट से अलग नहीं कर रहे हैं। अप्रैल 2024 में तेजा सज्जा ने बताया था कि यह फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी।

उन्होंने जय हनुमान में अपने किरदार के बारे में बताते हुए कहा था मैं भी जय हनुमान का हिस्सा बनूंगा। फिल्म भगवान हनुमान पर आधारित होगी। उन्होंने दिसंबर 2024 में बताया था मैं सेट पर जाने का इंतजार कर रहा हूं। मैं इसके लिए उत्साहित हूं।

# खुद से छोटे एक्टर राजीव सिद्धार्थ को डेट कर रहीं हैं

नए साल का स्वागत हर कोई अपने-अपने तरीके से कर रहा है। अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने अपने नए साल का स्वागत बड़े ही खास अंदाज में किया है। एक्ट्रेस ने नए साल के मौके पर अपने रिलेशनशिप को रिवील किया है। उन्होंने अपने रिश्ते को आधिकारिक करते हुए अपने पार्टनर के साथ तस्वीरें भी साझा की हैं।

### अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ रिश्ते में हैं कीर्ति

नए साल के मौके पर 1 जनवरी की देर रात कीर्ति कुल्हारी ने अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं देते हुए अपने रिलेशनशिप को ओपेन किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की है, जिसमें कई अलग-अलग फोटोज हैं। इन फोटोज में कीर्ति कुल्हारी अभिनेता राजीव सिद्धार्थ के साथ नजर आ रही हैं। इस रील में राजीव और कीर्ति की कई रोमांटिक तस्वीरें भी हैं। इस रील के साथ ही कीर्ति ने राजीव सिद्धार्थ के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक कर दिया है। कीर्ति ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। सभी को 2026 मुबारक हो।'

### राजीव से 11 महीने बड़ी हैं कीर्ति

आजकल किसी भी रिलेशनशिप के सामने आते ही पार्टनर्स के बीच उम्र का फासला जानने के लिए भी फैंस उत्साहित रहते हैं। इसी तरह राजीव सिद्धार्थ और कीर्ति कुल्हारी के बीच के उम्र के फासले को लेकर भी फैंस उत्साहित हैं। साल 1985 को जन्मीं कीर्ति कुल्हारी 40 साल की हैं। जबकि राजीव सिद्धार्थ कीर्ति से सिर्फ 11 महीने ही छोटे हैं। अप्रैल 1986 में जन्मे राजीव सिद्धार्थ अभी 39 साल के हैं। ऐसे में कीर्ति और राजीव के बीच उम्र का अधिक फासला नहीं है।

### 2016 में कीर्ति ने की थी साहिल सहगल से शादी

कीर्ति कुल्हारी ने इससे पहले अभिनेता साहिल सहगल से शादी की थी। दोनों ने साल 2016 में शादी की थी। लेकिन पांच साल तक शादी चलने के बाद साल 2021 में दोनों अलग हो गए थे।

### फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई थीं कीर्ति

वर्कफ्रंट की बात करें तो कीर्ति कुल्हारी आखिरी बार अपनी लोकप्रिय सीरीज 'फोर मोर शॉट्स प्लीज' के चौथे सीजन में नजर आई हैं। यह शो 19 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज स्ट्रीम हुआ था।

# गौरव खन्ना ने ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद जहां एक तरफ गौरव खन्ना के फैंस उनकी जीत का जश्न मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर इसे लेकर बहस भी तेज हो गई। कुछ यूजर्स ने दावा किया कि टीवी इंडस्ट्री में पहले से पहचान और एक बड़े चैनल से जुड़ाव ने उन्हें ट्रॉफी तक पहुंचाया। लेकिन इन तमाम अटकलों पर अब खुद गौरव खन्ना ने खुलकर अपनी बात रखी है।

### गौरव खन्ना ने ट्रोलिंग पर की बात

पिछले कुछ दिनों से बिग बॉस की जीत को लेकर गौरव खन्ना को कुछ यूजर्स की ओर से ट्रोल किया जा रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि वो अपनी फेम की वजह से शो की ट्रॉफी अपने नाम कर पाए। इसे लेकर एक इंटरव्यू में गौरव खन्ना ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी जीत किसी चैनल फेस या फेम का नतीजा नहीं, बल्कि दो दशक की लगातार मेहनत और अनुभव का परिणाम है। उनका कहना है कि लोग अक्सर सफलता के पीछे शॉर्टकट ढूंढते हैं, जबकि असलियत में कोई भी उपलब्धि वर्षों की तपस्या के बिना नहीं मिलती। उन्होंने याद दिलाया कि वह पिछले 15 वर्षों से किसी खास चैनल से जुड़े नहीं हैं और उनका करियर सिर्फ एक शो या पहचान तक सीमित नहीं रहा।

### गौरव ने अपनी जर्नी पर भी की बात

टीवी की दुनिया में लंबा वक्त बिताने के बाद बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में उतरना गौरव के लिए आसान फैसला नहीं था। उन्होंने पहले दिन से यह तय कर लिया था कि वह इस शो को किसी से मुकाबला करने की जगह आत्ममंथन और खुद को बेहतर इंसान बनाने का जरिया बनाएंगे। गौरव के मुताबिक, बिग बॉस का घर सिर्फ कैमरों और कंट्रोवर्सी का खेल नहीं है, बल्कि यह मानसिक मजबूती और समझदारी की असली परीक्षा भी लेता है।

# अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं अक्षय खन्ना

अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों लगातार चर्चाओं में बने हुए हैं। एक ओर जहां 'धुरंधर' में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हो रही है और उनका डांस स्टेप वायरल है। वहीं दूसरी ओर 'दृश्यम 3' से बाहर होने के बाद मेकर्स ने उन पर गैर पेशेवर रवैये के आरोप लगाए हैं और उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है। इसको लेकर एक्टर पर कुछ और लोगों ने भी अब आरोप लगाए हैं। हालांकि, अक्षय की तरफ से इन पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस बीच अब अक्षय अपनी आगामी फिल्म 'महाकाली' की तैयारियों में लगे हैं। अब फिल्म की शूटिंग की बीटीएस तस्वीरें भी सामने आई हैं। निर्देशक पूजा कोल्लुरु ने साल 2025 का शुक्रिया जताते हुए कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इनमें हैदराबाद स्थित 'महाकाली' के सेट से भी कुछ तस्वीरें हैं। इनमें अक्षय खन्ना भी नजर आ रहे हैं। पूजा कोल्लुरु ने जो तस्वीरें साझा की हैं, उनमें 'महाकाली' के सेट से अक्षय खन्ना के साथ एक सेल्फी भी शामिल है। 'महाकाली' से अक्षय खन्ना तेलुगु सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। 'महाकाली' प्रशांत वर्मा सिनेमाटिक यूनिवर्स की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय खन्ना गुरु शुक्राचार्य की भूमिका में नजर आएंगे।

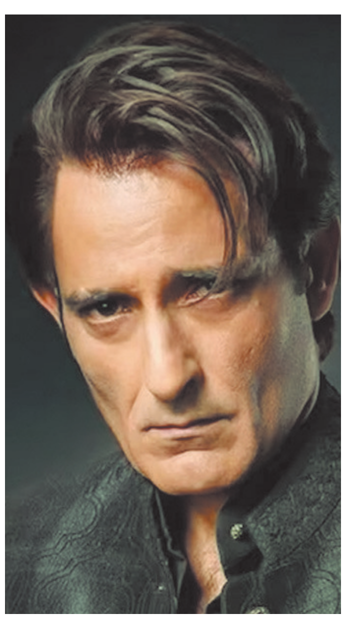

# पहली बार अक्षय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी रानी मुखर्जी

बॉलीवुड की चर्चित फ्रेंचाइजी 'ओह माई गॉड' एक बार फिर बड़े स्तर पर वापसी करने की तैयारी में है। फ्रेंचाइजी की नई फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी और अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार के साथ रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। अगर यह खबर पुख्ता होती है, तो यह दोनों कलाकारों की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी होगी, जिसे लेकर फिल्म इंडस्ट्री में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

### इसी साल शुरू होगी शूटिंग

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि ओह माई गॉड इस समय प्री-प्रोडक्शन स्टेज में है और फिल्म की शूटिंग 2026 के मई से शुरू होने की योजना है।

पहले और दूसरे भाग की तरह इस बार भी निर्देशन की कमान अमित राय संभाल रहे हैं, जिन्होंने पिछली फिल्म में सामाजिक मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से पेश कर दर्शकों और समीक्षकों की सराहना बटोरी थी।

# कृति सेनन ने 'कॉकटेल 2' को लेकर कही बात

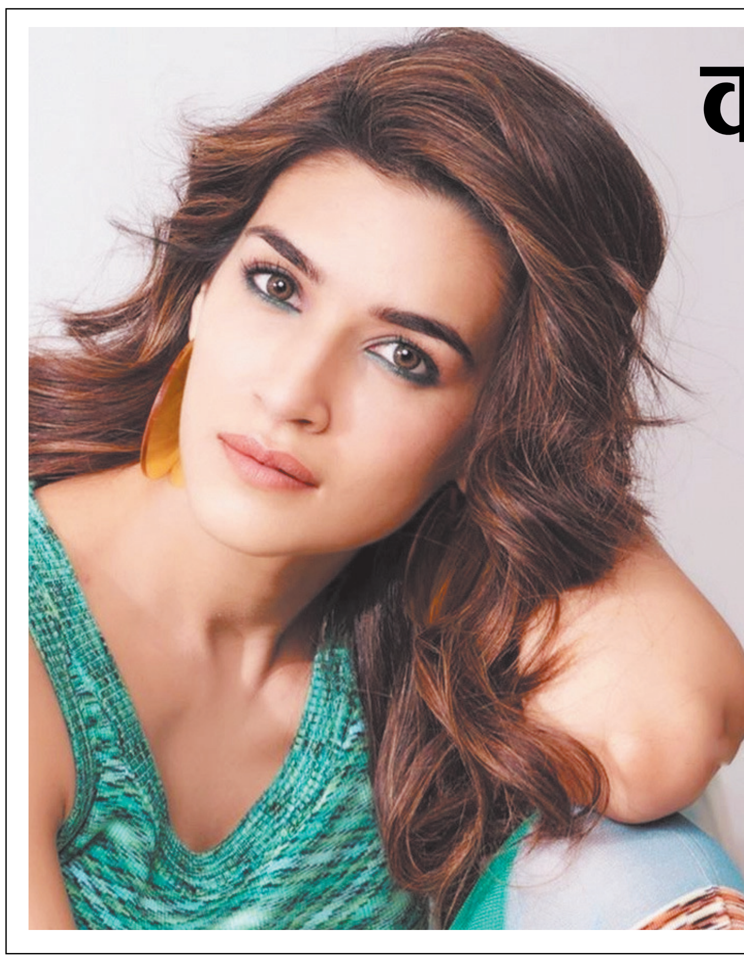

कृति सेनन बॉलीवुड में अपने करियर के 11 साल पूरे कर चुकी हैं। इन 11 साल में कृति कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'तेरे इश्क में' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। वहीं फिल्म में उनके अभिनय की भी काफी तारीफ हुई। अब कृति नए साल में अपनी आगामी फिल्म 'कॉकटेल 2' के साथ प्रवेश कर रही हैं। यह उनकी 20वीं फिल्म भी है। इस मौके पर कृति ने 'कॉकटेल 2' को लेकर बात की और साथ ही बताया कि क्या फिल्मों की सफलता उनके ऊपर दबाव डालती है या नहीं।

### मैं किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती

बातचीत के दौरान कृति ने बॉक्स ऑफिस नंबर के प्रेशर के बारे में बात की। एक फिल्म की सफलता क्या दूसरी फिल्म के बॉक्स ऑफिस नंबर के आंकड़ों को लेकर दबाव बनाती है? अभिनेत्री ने कहा कि वो अपने ऊपर किसी भी तरह का दबाव नहीं लेती है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा दबाव नहीं लेती। हर फिल्म अलग होती है, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर फिल्म एक ही तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगी। आगे 'कॉकटेल 2' को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि 'कॉकटेल 2' के दर्शक 'तेरे इश्क में' से बिल्कुल अलग हैं। आप बस कड़ी मेहनत और पूरी ईमानदारी से काम कर सकते हैं। आपको हर फिल्म में अपना सर्वश्रेष्ठ देना होता है। इसके अलावा बाकी सब हमारे हाथ में नहीं है, क्योंकि बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की सफलता को प्रभावित करने वाले कई और कारण भी होते हैं। इसलिए मैं यह दबाव नहीं लेना चाहती। मैं अपने फिल्म निर्माताओं पर भी वह दबाव नहीं डालती। बल्कि मैं बस इस प्रक्रिया का आनंद लेती हूं। मैं उत्साहित हूं।

इससे पहले एक इंटरव्यू में बात करते हुए कृति ने 'कॉकटेल 2' के बारे में बताया था कि 'कॉकटेल 2' बिल्कुल सही समय पर बनी। मुझे इसकी बहुत चाह थी। मैं एक रोमांटिक कॉमेडी की उस युवा, शहरी और मजेदार दुनिया में कदम रखना चाहती थी। बेशक यह एक सीक्वल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सिर्फ एक अलग माहौल का सीक्वल है। कहानी पूरी तरह से अलग है, किरदार पूरी तरह से अलग हैं और उनकी पृष्ठभूमि भी पूरी तरह से अलग है।

कृति आखिरी बार आनंद एल राय द्वारा निर्देशित 'तेरे इश्क में' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। यह एक पैशनेट लव स्टोरी है, जिसमें कृति ने मुक्ति नाम का किरदार निभाया है। फिल्म में कृति के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा कारोबार किया है।

### शाहिद और रश्मिका के साथ नजर आएंगी कृति

होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 2012 में आई 'कॉकटेल' की सीक्वल है। इसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आई थीं। इस फिल्म को पसंद किया गया था।

# बेर के सेवन से पाएं कई सेहत समस्याओं से निजात

'बेर' खास और खट्टा-मीठा फल है। यह फल खाने में जितना अच्छा लगता है, इसके फायदे भी उतने ही होते है। यदि आप ठंड में बेर का सेवन करते हैं तो इस मौसम में होने वाली सेहत समस्या और अन्य कई समस्याओं से निजात भी पा सकते हैं। आइए, जानते हैं बेर फल को खाने से मिलने वाले फायदे –

- यदि आपकी त्वचा पर कट लगा हो या घाव हो जाए तो आप बेर का गूदा घिसकर घाव पर लगा लें। ऐसा करने से घाव जल्दी भरता है।
- बेर का सेवन खुश्की और थकान को दूरने में मदद करता है।
- बेर की पत्तियों में कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, सोडियम, क्लोरीन, प्रचुर मात्रा में होता है। यदि आप बेर और नीम के पत्ते पीसकर सिर में लगाएं तो इससे सिर के बाल गिरने कम होते हैं।
- बेर का जूस पीने से बुखार और फेफड़े संबंधी रोग ठीक होते है।
- बेर पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है।
- सूखे हुए बेर खाने से कब्ज और पेट संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।
- अगर आप बेर को छाछ के साथ लेंगे तो इससे घबराहट, उलटी आना और पेट दर्द से राहत मिलती है।
- नियमित बेर खाने से अस्थमा के रोगियों को भी आराम मिलता है साथ ही अगर किसी को मसूड़ों में घाव हो गया हो तो वह भी जल्दी भर जाता हैं।

# टमाटर सूप है बेहद फायदेमंद

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन A, E, C, K और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे –

## हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन K और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

## दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

## विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन A और C अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन A और 20% विटामिन C की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

## वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

## कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

## ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

## रक्त प्रवाह को बढ़ाए

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

# रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन

**गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बताई जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रख सकता है।**

## गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कमसेहतमंद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से भी करना चाहिए। खाने के बाद हमें अक्सर किसी मीठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ का भी नाम शामिल है जो आमतौर पर सभी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विभिन्न प्रकार के पकवानों को बनाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इस लेख में आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में इसको शामिल करके सेहतमंद बने रहें।

## वजन घटाने में

वजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए1 इससे वजन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ने लगता है।

## पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर थोड़ी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो यह में कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में ला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है। फाइबर एक ऐसा पोषक तत्व है जो मुख्य रूप से पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। गुड़ के जरिए इस पोषक तत्वों की पूर्ति करके पाचन क्रिया को मेंटेन रखा जा सकता है।

## खून की कमी होने से बचाए

खून की कमी सबसे ज्यादा गर्भावस्था में महिलाओं को परेशान कर सकती है और यह समस्या गर्भस्थ शिशु के लिए मुसीबत बन सकती है। चूंकि गुड़ में आयरन की काफी मात्रा होती है इसलिए महिलाओं के लिए इसका सेवन खून की कमी होने से रोकेगा और जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने में भी मददगार साबित होगा। हालांकि, पहली और दूसरी तिमाही में गुड़ का सेवन न करने की सलाह दी जाती है क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है और यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

## रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने के लिए

रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाकर आप कई प्रकार कीसंक्रामक बीमारियों और कुछ जानलेवा बीमारियों के खतरे से भी बचे रह सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, गुड में मौजूद जिंक और विटामिन-सी की मात्रा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी रूप से मददगार साबित होती है। इसलिए जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

## ब्लड प्रेशर को कम करे

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत होती है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। जबकि गुड़ में मौजूद पोटेशियम की मात्रा आपको हाइपरटेंशन की समस्या से बचा सकती है। इतना ही नहीं, गुड में मौजूद पोटैशियम की मात्रा आपके ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ स्ट्रोक, ओस्टियोपोरोसिस और किडनी स्टोन की समस्या से भी शरीर को सुरक्षा प्रदान करती है।

## लिवर को साफ रखने के लिए

लिवर की क्लीनिंग करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यहां अल्सर और इंफेक्शन की भी समस्या हो सकती है। लिवर में अगर लंबे समय तक संक्रमण बना रहता है तो यह कैंसर का रूप ले सकता है। जबकि गुड़ में मौजूद डिटॉक्सिक गुण टॉक्सिक पदार्थों को लिवर से बाहर निकालने का कार्य कर सकता है। इसके लिए आप चाहे तो गुड़ को गर्म पानी में उबालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

## गुड़ खाने के नुकसान क्या हैं?

गुड़ खाने के फायदे के साथ-साथ आपको इससे होने वाले संभावित नुकसान के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि आप अपनी सेहत का खास ख्याल रख सकें। अधिक मात्रा में किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक होता है और गुड़ के साथ भी यही बात लागू होती है। अधिक मात्रा में यदि आप गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शुगर, मोटापा और टाइप टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ा सकता है।

# पोषण के मामले में सभी दालों पर भारी है मूंग दाल

**दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।**

## दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में शरीर के टॉक्सिक को निकालने के गुण होते हैं। इसके सेवन से शरीर में विषाक्त तत्वों में कमी आती है।

## ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

# नारियल पानी के सेवन से मिलते हैं बेहतरीन सेहत लाभ

**नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.**

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है, तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

# इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

**अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी।**

## चाय बनाने की सही विधि

**सामग्री :** तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।

**विधि :** सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।

दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।